MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 13 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-130

सुई चुभोई तो भाला!

पाक से बातचीत के पक्ष में संघ

नयी दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबले ने पाकिस्तान के साथ रिश्तों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि हमें पाकिस्तान के साथ बातचीत का दरवाजा हमेशा खुला रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की रक्षा और सुरक्षा जरूरी है लेकिन साथ ही हमें बातचीत के दरवाजे बंद नहीं रखने चाहिए।

न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में दत्तात्रेय होसबले ने कहा कि अटलजी और मौजूदा सरकार ने बातचीत की थी। फिर भी पाकिस्तान ने पुलवामा जैसा हमला किया। राष्ट्र और आत्मसम्मान की सुरक्षा जरूरी है लेकिन बातचीत के लिए हमेशा एक रास्ता खुला रहना चाहिए।

इंटरव्यू के दौरान जब उनसे पूछा गया कि भारत को पाकिस्तान के साथ कैसा बर्ताव करना चाहिए? इस पर जवाब देते हुए दत्तात्रेय होसबले ने कहा कि भारत ने हमेशा बातचीत का रास्ता अपनाने की कोशिश की है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जिक्र करते हुए कहा कि अटल जी बस से लाहौर गए थे और शांति की पहल की थी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान को न्योता दिया था और बाद में एक पाकिस्तानी नेता की शादी में भी शामिल हुए थे।

उन्होंने कहा कि इन सब कोशिशों के बावजूद पाकिस्तान अगर सुई चुभाने जैसी हरकतें करता है और पुलवामा जैसे हमलों को बढ़ावा देता है, तो भारत को हालात के हिसाब से सख्त जवाब देना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की सुरक्षा और स्वाभिमान सबसे ऊपर होता है और सरकार को उसी हिसाब से कदम उठाने चाहिए। हालांकि होसबले ने यह भी साफ किया कि बातचीत के दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं होने चाहिए। उनके मुताबिक दोनों देशों के बीच संवाद का रास्ता हमेशा खुला रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी वजह से राजनयिक संबंध बनाए जाते हैं, व्यापार चलता रहता है और वीजा भी दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर बातचीत की खिड़की बंद कर दी जाए तो रिश्तों को सुधारने का मौका खत्म हो जाएगा। इसलिए तनाव के बीच भी संवाद जरूरी है।

मुस्लिम लीडरशिप पर क्या बोले?

दत्तात्रेय होसबले ने मुस्लिम लीडरशिप को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों में राष्ट्रवादी नेतृत्व मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा, मुसलमानों के बीच राष्ट्रवादी नेतृत्व मिलना बहुत मुश्किल है। यह समुदाय किसी का समर्थन तभी करता है, जब वह अलगाववादी हो। उन्होंने लव जिहाद को एक साजिश बताया। उन्होंने कहा, लव जिहाद तब होता है जब कोई एजेंडा हो, हिंदू लड़कियों को ले जाने की कोई सोची-समझी साजिश हो, यह मंजूर नहीं है। जब यह एकतरफा होता है, तो यह प्यार नहीं, बल्कि एक साजिश होती है।

चुनाव नतीजों को लेकर होसबले ने क्या कहा?

इंटरव्यू के दौरान दत्तात्रेय होसबले ने चुनाव नतीजों और उदयनिधि स्टालिन के सनातन को लेकर दिए बयान पर भी बात की। उन्होंने बंगाल चुनाव में बीजेपी की जीत पर कहा कि हर हिंदू वोटर हिंदू कार्यकर्ता बन गया था।

उन्होंने कहा, बंगाल में हर हिंदू वोटर एक हिंदू कार्यकर्ता बन गया। ये नतीजे साबित करते हैं कि जब आपको बिल्कुल दीवार की तरफ धकेल दिया जाता है, तो आप पलटकर वार करते हैं।

उदयनिधि स्टालिन के सनातन को खत्म कर देना चाहिए वाले बयान पर होसबले ने कहा, यह उनकी राय है, और लोगों ने चुनाव में इसका जवाब दे दिया है, लेकिन एक बात देखिए, सनातन कहीं नहीं जाने वाला। सनातन इस राष्ट्र की भावना और आत्मा है। यह कोई धार्मिक रीति-रिवाज नहीं, बल्कि एक जीवन-मूल्य है। यह शाश्वत है। जो शाश्वत है, वही सनातन है। यह एक बरगद के पेड़ जैसा है। 200 साल बाद भी यह अडिग खड़ा रहता है। इसकी जड़ें और भी मजबूत और गहरी होती जाती हैं। यह पेड़ हमेशा हरा-भरा रहता है। यह एक अद्भुत मेल है।

हम हिंदू राष्ट्र बना नहीं रहे, ये हिंदू राष्ट्र है

जब उनसे पूछा गया कि अल्पसंख्यकों को यह भरोसा कैसे दिलाया जा सकता है कि वे भारत में सुरक्षित हैं और हिंदू राष्ट्र का जिक्र धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अर्थ में किया गया है, तो आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबले ने कहा, क्या भारत में मुसलमानों के साथ दूसरे दर्जे के नागरिकों जैसा बर्ताव होता है? क्या सरकारी योजनाएं उन तक नहीं पहुंच रही हैं? ▶8पर

तमिलनाडु विधानसभा में फिर बोला स्टालिन

सनातन धर्म का खात्मा हो!

चेन्नई, 12 मई (एजेंसियां)।

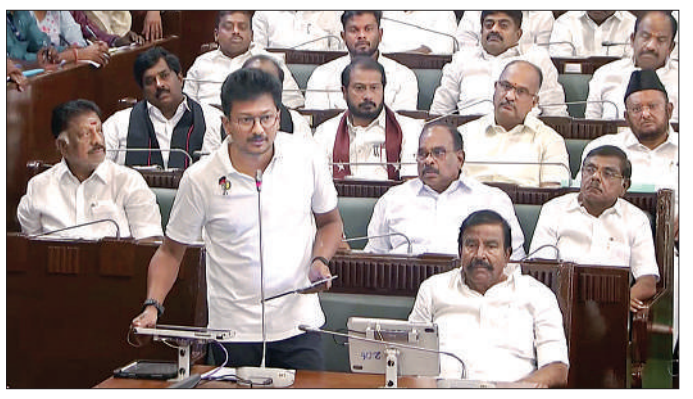

विपक्ष के नेता और डीएमके विधायक उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को तमिलनाडु विधानसभा को संबोधित करते हुए विधानसभा में सनातनवाद विरोधी माहौल को फिर से जीवंत कर दिया। उन्होंने इसके उन्मूलन की मांग को भी दोहराया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सनातनवाद, जिसने लोगों को विभाजित किया, उसे समाप्त किया जाना चाहिए। उदयनिधि ने आगे कहा कि कल मुख्यमंत्री को हमारे नेता और कई अन्य नेताओं से शुभकामनाएं मिलीं। यह राजनीतिक शिष्टाचार इस सदन में भी जारी रहना चाहिए। भले ही हम सत्ताधारी और विपक्ष के रूप में अलग-अलग पंक्तियों में बैठे हों, हम सभी को तमिलनाडु के विकास के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

उदयनिधि ने कहा कि विपक्षी दलों ने वंदे मातरम के बाद तमिलनाडु राज्य गीत बजाए जाने पर चिंता व्यक्त की है। लेकिन पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में वंदे मातरम नहीं बजाया गया था। जबकि यहां इसे बजाया गया। आप सभी जानते हैं कि वहां राज्यपाल कौन हैं। सरकार को इसे दोबारा होने नहीं देना चाहिए। हमारे तमिलनाडु राज्य गीत को कभी भी दूसरे स्थान पर नहीं धकेला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और मैंने एक ही कॉलेज में पढ़ाई की है। हम अपने अनुभव और ज्ञान को साझा करना चाहेंगे। मुख्यमंत्री को हमारे सुझावों को भी स्वीकार करना चाहिए।

डीएमके की व्यापक प्रशासनिक विरासत का हवाला देते हुए, उदयनिधि स्टालिन ने मुख्यमंत्री जोसेफ विजय से शासन संबंधी मामलों पर डीएमके की सलाह पर विचार करने का आग्रह किया। तमिलनाडु में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) विधायक जेसीडी प्रभाकर को मंगलवार को सर्वसम्मति से राज्य विधानसभा अध्यक्ष चुना गया। विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने के लिए सदन की बैठक बुलाई गई, जिसमें कार्यवाहक विधानसभा अध्यक्ष एम.वी. करुपैया ने कहा कि मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय द्वारा प्रभाकर के नाम का प्रस्ताव रखा गया था और एकमात्र नामांकन प्राप्त होने पर उन्हें सर्वसम्मति से और निर्विरोध चुना गया है। करुपैया ने इस चुनाव के बाद कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के समाप्त होने की घोषणा की। उन्होंने सदन के नेता के. ए. सेंगोत्तैयान और विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को सदन की परंपरा के अनुसार नव निर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष को उनकी कुर्सी तक ले जाने के लिए आमंत्रित किया।

पहले सरकार करेगी अमल, फिर जनता

मोदी अपील पर बड़ी तैयारी

नयी दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के लोगों से तेल बचाने की अपील की है। साथ ही वर्क फ्रॉम होम की भी अपील की गई है। अब सरकार अपने मंत्रियों और अफसरों पर भी ऐसी ही पाबंदियां लागू करने जा रही है। सरकार की मंशा है कि शीर्ष स्तर पर इन उपायों को लागू करके लोगों के लिए उदाहरण सेट किया जाए। सरकार चाहती है कि वर्चुअल मीटिंग्स, पब्लिक ट्रांसपोर्ट के इस्तेमाल और वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाए। ईंधन सप्लाई और बढ़ते आयात शुल्क पर लगाम के लिए सरकार यह कदम उठा रही है। इसके अलावा भव्य सरकारी आयोजनों पर भी लगाम की तैयारी है।

इस मामले में मंत्रियों से कहा गया है कि वह अपनी योजना बनाकर दें। न्यूज 18 के मुताबिक इसमें तेल की खपत कम करने पर जोर देने की बात कही गई है। मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों से कहा गया है कि वह गैर-जरूरी घरेलू और विदेशी यात्राओं पर तत्काल रोक लगाएं या इसे सीमित करें। सेमिनार और कांफ्रेंस को वीडियो कांफ्रेंस मोड पर ले जाने पर भी जोर दिया जा रहा है। नए कर्तव्य भवन कॉम्पलेक्स में काम कर रहे अधिकारियों से कहा जा रहा है कि वह मेट्रो या अन्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट से यात्रा करें।

इसके अलावा, विभिन्न विभाग वर्क फ्रॉम होम और अन्य हाइब्रिड इंतजाम में जुटे हैं ताकि ऑफिस आने-जाने के तेल का खर्च बचाया जा सके। इसके अलावा, भव्य सरकारी आयोजनों पर भी लगाम लगाने की तैयारी चल रही है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि बड़े पैमाने पर कुकिंग गैस के इस्तेमाल में कमी लाई जा सके। निजी क्षेत्रों और आम लोगों के लिए इस तरह के नियम बनाने से पहले, सरकार अपने स्तर पर इसे लागू करना चाहती है। सरकार कार-पूलिंग, वाहनों के अनावश्यक इस्तेमाल, निजी कंपनियों में रिमोट वर्क को बढ़ावा देने के बारे में भी चर्चा कर रही है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक इन चीजों पर भी विचार किया जा रहा है कि बड़े पैमाने पर होने वाले आयोजनों और बड़ी शादियों के लिए सीमा तय की जाए। हालांकि यह अभी सिर्फ विचार के स्तर पर है और हालात ज्यादा खराब होने पर इसे लागू करने की योजना है।

क्या बढ़ सकते हैं तेल के दाम?

सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि समस्या आर्थिक संकट की नहीं है, बल्कि ईंधन के मैनेजमेंट की है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने लगातार आश्वस्त किया है कि ▶8पर

नीट 2026 परीक्षा रद्द

पेपर लीक की जाँच सीबीआई हवाले

नयी दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-यूजी 2026 (नीट-यूजी) की परीक्षा रद्द करने की घोषणा की है। एनटीए की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान में बताया गया कि एजेंसी ने केन्द्र सरकार की मंजूरी से तीन मई को आयोजित नीट (यूजी) 2026 परीक्षा को रद्द करने और इसे फिर से आयोजित करने का निर्णय लिया है। परीक्षा की नई तारीखें अलग से अधिसूचित की जाएंगी। परीक्षा में हुई अनियमितता की खबरों के बाद एजेंसी ने आठ मई को इस मामले को स्वतंत्र जांच और आवश्यक कार्रवाई के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सौंपा था। केंद्रीय एजेंसियों की जांच के आधार पर प्राप्त इनपुट के बाद एनटीए ने परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया है।

केंद्र सरकार ने इस मामले में लगे आरोपों की व्यापक जांच के लिए मामले को केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने का भी निर्णय लिया है। एनटीए ने कहा है कि वह जांच में सीबीआई को पूरा सहयोग देगी और सभी जरूरी रिकॉर्ड एवं सहायता उपलब्ध कराएगी।

एजेंसी ने स्वीकार किया है कि परीक्षा दोबारा कराने से उम्मीदवारों और उनके परिवारों को काफी असुविधा होगी, लेकिन छात्रों के हित और परीक्षा प्रणाली पर जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए यह कड़वा फैसला लेना जरूरी था। राहत की बात यह है कि दोबारा होने वाली परीक्षा के लिए छात्रों को फिर से पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं होगी। मई 2026 चक्र का पुराना डेटा और परीक्षा केंद्र ही मान्य रहेंगे। इसके साथ ही, छात्रों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। एनटीए ने यह भी घोषणा की है कि छात्रों द्वारा पहले जमा किया गया शुल्क वापस कर दिया जाएगा और नयी परीक्षा का खर्च एजेंसी अपने आंतरिक संसाधनों से उठाएगी। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

राहुल ने की केंद्र सरकार की आलोचना

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट यूजी 2026 परीक्षा रद्द किए जाने पर केंद्र सरकार की तीखी आलोचना की और कहा कि 22 लाख से अधिक छात्रों की मेहनत पर सरकार ने पानी फेर दिया है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा, किसी पिता ने बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज़ लिया, किसी मां ने गहने बेचे और लाखों छात्रों ने रात-रात ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 26^0

बंडी पुत्र हाईकोर्ट में अंतरिम जमानत माँगी

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साई भगीरथ के खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले में एक के बाद एक नए घटनाक्रम सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में भगीरथ ने तेलंगाना हाई कोर्ट में अंतरिम जमानत के लिए अपील की है। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय के पुत्र साई भगीरथ ने पेट बशीराबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज पॉक्सो मामले में अंतरिम जमानत के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। चूंकि हाई कोर्ट इस समय ग्रीष्मकालीन अवकाश पर है, इसलिए याचिका वेकेशन बेंच के समक्ष दायर की गई है। हाई कोर्ट की वेकेशन बेंच 14 मई को इस याचिका पर सुनवाई करने वाली है। श्रीगपूर निरंजन रेड्डी इस मामले में

पीड़िता नाबालिग नहीं

भगीरथ के वकील हैं और उनका प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने अग्रिम जमानत के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। अब तक पुलिस साई भगीरथ का बयान दर्ज नहीं कर सकी है यह मामला तीनों न्यायाधीशों में से किसी एकन्यायमूर्ति जीएम मोइनुद्दीन, न्यायमूर्ति माधवी देवी या न्यायमूर्ति ईवी वेणुगोपाल के समक्ष सूचीबद्ध होने की संभावना है।

विशेष जांच दल (एसआईटी) का नेतृत्व कर रहे जांच अधिकारी रिति राज, आईपीएस, जो कुकटपल्ली जोन के डीसीपी के पद पर कार्यरत हैं, ने लड़की का बयान दर्ज कर लिया है और उन्होंने रिकॉर्ड पर कहा है कि आरोपी साई भगीरथ अनुपस्थित है। अधिकारी ने कहा कि यदि पॉक्सो मामले में उसका दोष सिद्ध होता है, तो उसकी गिरफ्तारी अनिवार्य है। भगीरथ को भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 और 75 तथा पॉक्सो अधिनियम, 2012 की धारा 11 जो धारा 12 के साथ पढ़ी जाए, के तहत बुक किया गया है। ▶8पर

परमाणु हमले की धमकी

90% यूरेनियम संवर्धन की ईरानी चेतावनी

तेहरान, 12 मई (एजेंसियां)।

परमाणु हमले को लेकर ईरान ने सख्त चेतावनी भरे लहजे में 90 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम को शुद्ध करने की बात कही है। ईरान के संसद के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने मंगलवार को कहा है कि अगर ईरान पर फिर हमला हुआ तो वह यूरेनियम को 90 प्रतिशत शुद्ध कर सकता है। ऐसे में यह यूरेनियम परमाणु हथियार के लिए कारगर रहेगा। यह चेतावनी उन्होंने एक्स के माध्यम से दी है।

पिछले 2025 जून में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से कहा गया था कि इजरायल और यूएस के हमले की वजह से ईरान के यूरेनियम संवर्धन की क्षमता को नुकसान पहुंचा था। फिलहाल, जो संवर्धित यूरेनियम 60 प्रतिशत ईरान के पास है, जिसकी मात्रा 400 किलो है, उसका क्या हुआ है, फिलहाल इसके बारे में किसी तरह की जानकारी नहीं है। अमेरिका लगातार ईरान से परमाणु कार्यक्रम छोड़ने की मांग कर रहा है। इधर, अमेरिकी सीक्रेट एजेंसियों की तरफ से कहा गया है कि जब तक ईरान के इस यूरेनियम संवर्धन को हटाया नहीं जाता, तब तक किसी तरह का असर ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नहीं पड़ेगा। ▶8पर

बलोचिस्तान में 12 मजदूरों की सामूहिक हत्या से कोस्ट गार्ड के खिलाफ गुस्सा

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में 12 मजदूरों की सामूहिक हत्या से तट रक्षक बल (कोस्ट गार्ड) के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश है। आरोप है कि ग्वादर के कुंतानी और जिवानी इलाके में 11 मई को पाकिस्तान के तट रक्षक बल ने कम से कम 12 बलोच मजदूरों और मछुआरों की जान ले ली। हमले में कुछ लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय नागरिकों और बलोच कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पाकिस्तान कोस्ट गार्ड ने निहत्थे बलूच नागरिकों पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं। इस घटना के बाद क्षेत्र में तनाव काफी बढ़ गया है। यह घटना बलोचिस्तान में चल रहे लंबे संघर्ष और सुरक्षा बलों के मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन के बीच हुई है।

बलोच छात्र संगठन आजाद के मुख्य प्रवक्ता शोलान बलोच ने कहा कि यह हत्याकांड पाकिस्तान के तटरक्षक बल की बर्बरता का चरम उदाहरण है। काम और रोजी-रोटी की तलाश में निकले लगभग एक दर्जन मजदूरों को मार डाला गया। शोलान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने बलोच नागरिकों को उनके बुनियादी आर्थिक अधिकारों से वंचित कर दिया गया है।उन्हें बेहद कठिन परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इससे पहले भी बलोच मजदूरों को निशाना बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल, पुलिस बल, सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों सहित सरकारी अधिकारी इलाके के गरीब बलोच ड्राइवरों और दुकानदारों से जबरन वसूली करते हैं। प्रवक्ता ने राज्य के लोगों से इस घटना के विरोध में आवाज उठाने की अपील की है। बलोचिस्तान नेशनल पार्टी (बीएनपी) और नेशनल पार्टी ने इस हत्याकांड की कड़ी निंदा की है। बीएनपी के बयान में कहा गया है कि रोटी, कपड़ा और घर के नाम पर दावा करने वाले शासक सीमा और व्यापार बंद करके बलोचिस्तान के लोगों से जीने का अधिकार छीन रहे हैं। बयान में मांग की गई कि घटना को दबाने के बजाय इसमें शामिल अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए। दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाए। दूसरी ओर, नेशनल पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता ने कहा कि यह क्रूर, निंदनीय और असहनीय कृत्य है। मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। हक दु तहरीक के केंद्रीय कार्यालय ने घटना की निंदा करते हुए दोषियों को मृत्युदंड की सजा देने की मांग की है। हक दु तहरीक बलोचिस्तान ने मांग की है कि गोलीबारी में शामिल अधिकारियों और इसके लिए जिम्मेदार पदाधिकारियों के खिलाफ तत्काल हत्या का मामला दर्ज किया जाए। उन्हें न केवल नौकरी से बर्खास्त किया जाए, बल्कि दंडित भी किया जाए।

न्यूज ब्रीफ

रूस-यूरोप वार्ता पर नया विवाद, पुतिन के सुझाए मध्यस्थ को यूरोपीय संघ ने किया खारिज

ब्रुसेल्स। रूस और यूरोप के बीच संभावित शांति वार्ता को लेकर नया कूटनीतिक विवाद सामने आया है।

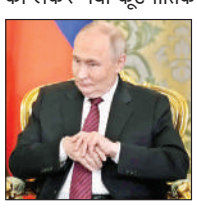

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन द्वारा सुझाए गए मध्यस्थ को यूरोपीय संघ ने साफ तौर पर अस्वीकार कर दिया है। इस घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने हाल ही में संकेत दिया था कि यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने और यूरोप की नई सुरक्षा व्यवस्था पर बातचीत के लिए जर्मनी के पूर्व चांसलर गेरहार्ड श्रोएडर मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। पुतिन ने उन्हें भरोसेमंद और सक्षम वार्ताकार बताया था। हालांकि ब्रुसेल्स में आयोजित बैठक में यूरोपीय संघ के विदेश मंत्रियों ने इस प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया। यूरोपीय नेताओं का कहना है कि गेरहार्ड श्रोएडर के रूस और पुतिन के साथ लंबे और करीबी संबंध रहे हैं, ऐसे में उन्हें निष्पक्ष मध्यस्थ नहीं माना जा सकता। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने स्पष्ट कहा कि यदि रूस खुद अपनी पसंद का वार्ताकार तय करेगा तो यह संतुलित और निष्पक्ष प्रक्रिया नहीं मानी जा सकती। वहीं जर्मनी के यूरोप मंत्री गुंथर क्रिचबाम ने भी कहा कि श्रोएडर की व्यक्तिगत निकटता उन्हें स्वतंत्र मध्यस्थ की भूमिका के लिए उपयुक्त नहीं बनाती। दूसरी ओर आस्ट्रिया की विदेश मंत्री बीट मेनिल रीसिंगर ने कहा कि यूरोपीय संघ को रूस के साथ संवाद की संभावनाओं पर विचार करना चाहिए, लेकिन वार्ता टीम का चयन यूरोप स्वयं करेगा। गौरतलब है कि 2022 में यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद से यूरोपीय संघ ने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लगाए हैं और उच्च स्तरीय संपर्क काफी सीमित कर दिए हैं।

ईरान के विदेश मंत्री की भारत यात्राः ब्रिक्स बैठक में वैश्विक मुद्दों पर चर्चा

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची 14-15 मई को होने वाली ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने भारत आ सकते हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक का मुख्य उद्देश्य पश्चिम एशिया क्षेत्र के मौजूदा हालात और वैश्विक संकटों के समाधान पर गहन चर्चा करना है। उनकी यह यात्रा तब हो रही है जब क्षेत्र में तनाव चरम पर है और भारत-ईरान संबंधों को एक नई दिशा मिल सकती है। यह दौरा भारत और ईरान के बीच विस्तारित ब्रिक्स ढांचे के भीतर बढ़ते सहयोग को और मजबूत करेगा। ईरान ने 2024 में मिस्र, इथियोपिया, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के साथ ब्रिक्स में शामिल होकर इस समूह का विस्तार किया है। भारत इस वर्ष 1 जनवरी को ब्राजील से ब्रिक्स की अध्यक्षता ग्रहण कर चुका है और यह चौथी बार है जब भारत इस प्रभावशाली समूह का नेतृत्व कर रहा है, जो 2012, 2016 और 2021 में भी शिखर सम्मेलनों की मेजबानी कर चुका है। इस अहम ब्रिक्स बैठक में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी 14-15 मई को भारत में उपस्थित रह सकते है। रूसी विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह आयोजन वर्तमान अंतरराष्ट्रीय मुद्दों और वैश्विक शासन को मजबूत करने की संभावनाओं पर सार्थक चर्चा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा।

नेपाल को विश्व आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र बनाने की तैयारी

काठमांडू। नेपाल की बालेन्द्र सरकार ने अपनी पहली वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम में नेपाल को विश्वस्तरीय आध्यात्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना सार्वजनिक की है। राष्ट्रपति द्वारा संसद में पेश नीति तथा कार्यक्रम में देवभूमि नेपाल राष्ट्रीय अभियान संचालन करने की घोषणा की गई। इस अभियान के तहत सिर्फ नेपाल और भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में रहे हिंदुओं के बीच में नेपाल को धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन के रूप में विकसित करने के लिए कई अभियान चलाए जाने की घोषणा की गई ही। अपने पहले नीति तथा कार्यक्रम में धार्मिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक तथा अवकाश तीर्थाटन एवं पर्यटन को प्राथमिकता देते हुए नेपाल को उभरते वैश्विक पर्यटन गन्तव्य के रूप में विकसित करने की नीति अपनाई है।राष्ट्रपति के संसद में पेश नीति तथा कार्यक्रम में नेपाल सरकार ने आध्यात्मिक तीर्थ कूटनीति को प्रमुख आधार बनाते हुए पशुपतिनाथ से मुक्तिनाथ तक और लुंबिनी क्षेत्र से जनकपुरधाम तक को इस तीर्थ कूटनीति से जोड़ने की बात कही है। इसके लिए इन धार्मिक आध्यात्मिक क्षेत्रों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा। सरकार ने कम से कम पांच हजार नए होमस्टे को नेपाल होमस्टे ब्रान्ड के साथ बुकिंग प्लेटफार्म से जोड़ने की योजना बनाई है।

लक्षण दिखते ही सबसे अधिक संक्रामक होता है हंटावायरस : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि क्रूज जहाज पर फैले घातक हंटावायरस संक्रमण में मरीज लक्षण दिखाई देने के शुरुआती समय में सबसे अधिक संक्रामक होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसी वजह से संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों को क्वारंटीन करने की सिफारिश की है। डच झंडे वाले क्रूज जहाज एमवी होंडियस पर फैले इस दुर्लभ वायरस संक्रमण से अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। जहाज से निकाले गए यात्रियों के अपने-अपने देशों में लौटने के बाद संक्रमण के संभावित फैलाव को लेकर वैश्विक चिंता बढ़ गई है।

डब्ल्यूएचओ के महामारी विज्ञान एवं विश्लेषण विभाग के प्रमुख डा ओलिवियर ले. पोलैन ने बताया कि बीमारी की शुरुआत में ही संक्रमण फैलने का खतरा सबसे ज्यादा होता है। उन्होंने कहा कि शुरुआती लक्षण हल्के हो सकते हैं, जैसे थकान या हल्का बुखार, लेकिन बाद में स्थिति गंभीर हो सकती है। इसलिए लक्षणों का इंतजार किए बिना संभावित संपर्कों को अलग करना जरूरी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जहाज पर मौजूद लगभग 150 लोगों के लिए छह सप्ताह के क्वारंटीन की सिफारिश की है। यह अवधि एंडीज वायरस की अधिकतम ऊष्मायन अवधि के अनुरूप है, जो करीब 42 दिन मानी जाती है। एंडीज वायरस हंटावायरस का ऐसा प्रकार है जो इंसानों के बीच फैल सकता है।

कई देशों ने डब्ल्यूएचओ की सलाह मानते हुए सख्त क्वारंटीन व्यवस्था लागू की है। जर्मनी, ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड और ग्रीस ने 45 दिन तक निगरानी रखने का फैसला किया है, जबकि आस्ट्रेलिया और फ्रांस ने क्रमशः तीन और दो सप्ताह की न्यूनतम निगरानी अवधि तय की है। हालांकि अमेरिका ने अपने लौटे यात्रियों के लिए अनिवार्य क्वारंटीन का स्पष्ट निर्णय नहीं लिया है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने इसे जोखिमपूर्ण बताया है। डा पोलैन के अनुसार क्रूज जहाज का बंद वातावरण संक्रमण फैलने के लिए अनुकूल साबित हुआ, क्योंकि बड़ी संख्या में लोग सीमित स्थान में साथ रह रहे थे। इसी कारण सामान्य परिस्थितियों की तुलना में संक्रमण तेजी से फैलने की आशंका बढ़ गई।

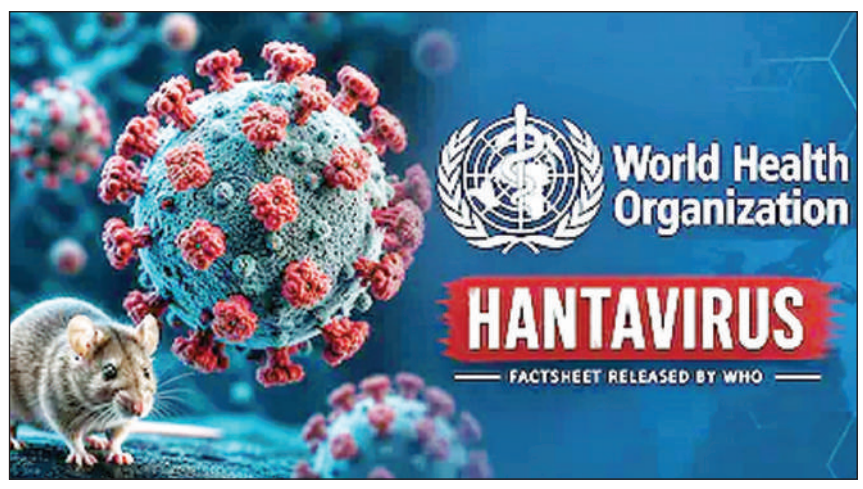

पाकिस्तानी सेना पर आतंकवाद और अस्थिरता फैलाने का आरोप

बर्लिन। भारत वर्षों से पाकिस्तान पर आतंकवाद के बूते पड़ोसी देशों को अस्थिर करने का आरोप लगाता रहा है, अब जय सिंध मुत्तहिदा महाज (जेएसएमएम) के चेयरमैन शफी बुरफत ने भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने पाकिस्तानी सेना पर लंबे समय से धार्मिक कट्टरता और आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है, जिसका मकसद क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को भंग करना है। बुरफत के अनुसार, पाकिस्तान के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों पर सेना का लगातार दबदबा दक्षिण एशिया में लोकतंत्र और क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि सेना चुने हुए प्रतिनिधियों को हटाकर, राजनीतिक नेताओं को फांसी देकर, असहमति जताने वालों को जेल भेजकर या निर्वासित करके, और कठपुतली शासकों को बिठाकर पर्दे के पीछे से राजनीति को नियंत्रित करती आई है। इसका मीडिया, न्यायपालिका और अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्सों में भी पूरा दखल है। सिंधी नेता ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर को भी निशाने पर लिया। उन्होंने मुनीर के अति-राष्ट्रवादी नारों, परमाणु धमकियों और पड़ोसी देशों के खिलाफ आक्रामक बयानों को रणनीतिक आत्मविश्वास की कमी बताया। पाकिस्तान को बनावटी व्यवस्था बताते हुए, बुरफत ने आरोप लगाया कि सेना ने चुनावों में हेरफेर कर और असहमति को दबाकर बार-बार लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर किया है। उन्होंने दावा किया कि सेना महत्वपूर्ण सरकारी और न्यायिक फैसलों को नियंत्रित करती है, पत्रकारों को डराती है, तथा राजनीतिक विरोधियों को जेल में डालती है। बुरफत ने कहा कि विश्व समुदाय जानता है कि पाकिस्तान में लोकतांत्रिक आवाजों जिसमें पत्रकार, छात्र और मानवाधिकार कार्यकर्ता शामिल हैं को लगातार सेंसरशिप, जेल, जबरदस्ती गायब किए जाने और यातना का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐतिहासिक सबूत दर्शाते हैं कि पाकिस्तानी सेना ने न सिर्फ चरमपंथी और आतंकवादी गुटों को संरक्षण दिया है, बल्कि पड़ोसी देशों के खिलाफ इलाके में अस्थिरता पैदा करने के लिए बार-बार उनका इस्तेमाल किया है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तानी सेना के कमांडरों के गैर-जिम्मेदाराना बयानों और खतरनाक इरादों पर गंभीरता से ध्यान देने की अपील की।

ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी स्पेस फोर्स की पैनी नजर : ट्रंप

वाशिंगटन

दुनिया पागल शासन को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दे सकती

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर फिर सख्त रुख दिखाया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी स्पेस फोर्स ईरान के उच्च संवर्धित यूरेनियम भंडार और सभी परमाणु ठिकानों की गतिविधियों पर लगातार नजर रख रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई व्यक्ति या समूह इन संवेदनशील ठिकानों के करीब पहुंचने की कोशिश करेगा, तब अमेरिकी सेना तुरंत उड़ा देगी। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने यह बात कही। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास इतनी उन्नत तकनीक है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की पहचान, नाम और लोकेशन तुरंत पता लग सकती है। ट्रंप ने ईरान की सैन्य ताकत को लेकर भी बड़े दावे किए।

उनके मुताबिक, ईरान की नौसेना, वायुसेना और एयर डिफेंस सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचा है, और अमेरिका अब तक उसके करीब 70 प्रतिशत रणनीतिक लक्ष्यों को नष्ट कर चुका है। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिका अभी सैन्य कार्रवाई रोक भी दे, तब भी ईरान को अपनी पुरानी ताकत हासिल करने में करीब 20 साल लग सकते हैं। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि जरूरत पड़ने पर अगले दो हफ्तों तक और कार्रवाई की जा सकती है।

परमाणु हथियारों के मुद्दे पर ट्रंप ने अपना सख्त दिखाकर कहा कि दुनिया किसी भी पागल शासन को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दे सकती। उन्होंने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को मध्य पूर्व और इजरायल के लिए एक बड़ा खतरा बताया।

राष्ट्रपति ने 2015 के परमाणु समझौते (जेसीपीओए) से अमेरिका के बाहर निकलने के अपने फैसले का बचाव कर कहा कि यदि वह समझौता जारी रहता, तब ईरान परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता था। इस बीच, तनाव कम करने की दिशा में एक कदम उठाकर ईरान ने अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर अपना जवाब पाकिस्तान के जरिए भेज दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, फिलहाल बातचीत युद्धविराम और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही बहाल करने पर केंद्रित है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव के कारण वैश्विक तेल बाजार और पश्चिम एशिया की सुरक्षा को लेकर चिंताएं लगातार बनी हुई हैं।

नेपाल के प्रसिद्ध मुक्तिनाथ क्षेत्र का रास्ता भूस्खलन के कारण अवरुद्ध

काठमांडू। नेपाल के प्रसिद्ध मुक्तिनाथ क्षेत्र जाने वाली सड़क पर मंगलवार सुबह भूस्खलन होने से रास्ता अवरुद्ध हो गया है। इस कारण मुक्तिनाथ जा रहे श्रद्धालु बीच रास्ते में फंस गए हैं। मुक्तिनाथ के रास्ते में म्यागदी जिले के अन्नपूर्णा स्थित महभीर में भूस्खलन होने के बाद मुस्तांग को राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से जोड़ने वाला बेनी-जोमसोम-कोरला सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गया है। यह रास्ता ही प्रसिद्ध मुक्तिनाथ क्षेत्र तक जाता है। पत्थर और कीचड़ सहित आए भूस्खलन के कारण 76 किलोमीटर लंबे बेनी-जोमसोम सड़क खंड पर सीधा यातायात प्रभावित हो गया। सड़क अवरुद्ध होने से बेनी से मुस्तांग और जोमसोम से बेनी की ओर जा रहे वाहन बीच रास्ते में फंस गए हैं। इनमें अधिकांश वे पर्यटक और श्रद्धालु हैं जो मुक्तिनाथ में दर्शन करने जा रहे थे। मुस्तांग जिला प्रहरी कार्यालय के प्रवक्ता सागर तिमिल्सिना ने बताया कि सड़क को दोबारा संचालन में लाने के लिए सड़क विभाग के उपकरणों को परिचालन में लाकर प्रयास जारी है।

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट को मौत की सजा बरकरार रखने के फैसले पर पछतावा

ढाका

बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) के अपीलीय विभाग ने हाल ही में जारी एक फैसले के पूरे टेक्स्ट (निर्णय के हर एक शब्द, विवरण और कानूनी तर्क) में अपने पूर्व के फैसले पर अफसोस जताया। इस फैसले में बांग्लादेश के 1971 के युद्ध के दौरान मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों के लिए दायर केस में बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के नेता एटीएम अजहरुल इस्लाम की मौत की सजा को बरकरार रखा गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद की अगुवाई वाली सात सदस्यों वाली पीठ ने 74 पेज के फैसले में कहा,यह अपील विभाग पूरी न्यायिक जिम्मेदारी के साथ यह मानता है कि अपने पहले के फैसले में

वह सबूतों की कमियों और उस बड़े संदर्भ पर सही और निष्पक्ष विचार करने में नाकाम रहा। उच्चतम न्यायालय ने कहा, अफसोस की बात है कि पहले का फैसला इतने गंभीर किस्म के आपराधिक मामलों मेंजरूरी जांच और निष्पक्षता के ऊंचे मानक से कम था। 27 मई, 2025 को अपील विभाग ने अपने पहले के फैसले को रद कर दिया, जिसमें 2014 में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने अजहरुल के खिलाफ सुनाई गई मौत की सजा को बरकरार रखा गया था। न्यायालय ने उन्हें सभी आरोपों से बरी भी कर दिया और जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि अगर वे किसी अन्य मामले में वांछित नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत रिहा कर दिया जाए।

यह फैसला बेंच ने जमात नेता की अपील के बाद सुनाया गया। उन्होंने आईसीटी के फैसले को चुनौती दी थी। अजहरुल के वकील मोहम्मद शिशिर मनीर ने बताया कि उनके मुवक्किल 8 अगस्त 2012 से जेल में थे। उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद 28 मई 2025 को रिहा कर दिए गए। इस समय एटीएम अजहरुल बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के नायब-ए-अमीर हैं। 12 फरवरी को हुए राष्ट्रीय चुनाव में रंगपुर-2 से सांसद चुने गए है।

उल्लेखनीय है कि 1971 में मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों से जुड़े मामलों में जमात नेता मतिउर रहमान निजामी, अब्दुल कादर मुल्ला, मोहम्मद कमरूज्जमान, अली अहसान मोहम्मद मुजाहिद,मीर कासिम अली और बीएनपी नेता सलाहुद्दीन कादर चौधरी को उच्चतम न्यायालय के फैसलों के बाद फांसी दी जा चुकी है।

अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण नेपाल की कई बड़ी परियोजनाएं ठप

काठमांडू

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका से जुड़े संघर्ष के कारण स्ट्रेट आफ होर्मुज से होने वाले वैश्विक तेल परिवहन मार्ग प्रभावित हुए हैं, जिसका असर नेपाल के निर्माण और यातायात क्षेत्र पर भी पड़ने लगा है। अधिकारियों के अनुसार पेट्रोलियम पदार्थों, विशेषकर सड़क निर्माण में उपयोग होने वाले बिटुमिन की कमी और कीमतों में वृद्धि के कारण राष्ट्रीय महत्व की कई परियोजनाओं का काम रोकना पड़ा है।

नारायणघाट-बुटवल सड़क विस्तार परियोजना के पूर्वी खंड के सूचना अधिकारी इंजीनियर शिव खनाल ने बताया कि डीजल और पेट्रोल की कीमत बढ़ने के साथ-साथ बिटुमिन की कमी का सबसे गंभीर असर पड़ा है, जिससे सड़क की अंतिम सतह बिछाने का काम ठप हो गया है। एशियाई विकास बैंक की सहायता तथा दक्षिण एशियाई उप-क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग ढांचे के

तहत शुरू की गई इस परियोजना का उद्देश्य पूर्व-पश्चिम राजमार्ग के लगभग 115 किलोमीटर हिस्से को चार लेन वाले मार्ग में बदलना है।

65 किलोमीटर लंबे नारायणघाट-दाउन्ने खंड में लगभग 98 प्रतिशत संरचनात्मक और पिचिंग कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन अंतिम ब्लैकटाप की परत अभी बाकी है। हालांकि इस खंड में वाहनों की आवाजाही अधिकांशतः प्रभावित नहीं हुई है, लेकिन खनाल ने बताया कि ड्रेनेज, फेंसिंग और सड़क सुरक्षा संरचनाओं जैसे समापन कार्य अभी अधूरे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पहले पेड़ कटान, बिजली के खंभे हटाने, कोविड-19 महामारी और ठेकेदार संबंधी समस्याओं के कारण भी परियोजना में देरी हुई थी। लगभग 256.5 मिलियन अमेरिकी डालर लागत वाली इस परियोजना में एडीबी का 186.8 मिलियन डालर का निवेश है, लेकिन अब निर्धारित समयसीमा पूरी होने पर अनिश्चितता बढ़ गई है।

इसी प्रकार नागढुंगा-मुग्लिन सड़क विस्तार परियोजना में भी काम की गति धीमी पड़ गई है। पश्चिमी खंड के सूचना अधिकारी इंजीनियर सचेंद्र मिश्र ने बताया कि 38 किलोमीटर लंबे हिस्से में अब तक केवल 42 प्रतिशत काम पूरा हुआ है, जिसमें 13 किलोमीटर सड़क का ब्लैकटाप शामिल है। उन्होंने कहा कि बिटुमिन की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति में कमी के कारण ठेकेदारों ने काम काफी धीमा कर दिया है।

इन दोनों परियोजनाओं से स्पष्ट होता है कि वैश्विक ऊर्जा और वस्तु बाजारों में आने वाले बाहरी झटकों का असर अब नेपाल की आधारभूत संरचना विकास परियोजनाओं, विशेषकर बड़े राजमार्ग विस्तार कार्यों, पर बढ़ता जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि ये परियोजना को प्रभावित करने वाली लगातार आने वाली समस्याओं में से केवल कुछ उदाहरण हैं। परियोजना कार्यान्वयन में शामिल सरकारी प्रतिनिधियों ने स्वीकार किया कि प्रगति मुख्य रूप से निर्माण सामग्री की कमी के कारण धीमी हुई है।

निर्माण व्यवसायी महासंघ के अध्यक्ष निकोलस पाण्डेय ने कहा, पहले डीजल की कीमत 139 रुपये प्रति लीटर थी, जो अब 225 रुपये तक पहुंच गई है। बिटुमिन का दाम 75 रुपये से बढ़कर 155 रुपये हो गया है। सरकार को निर्माण सामग्री की आपूर्ति और मूल्य समायोजन के मुद्दे पर तत्काल कदम उठाना चाहिए। वहीं सड़क विभाग के प्रवक्ता तथा उपमहानिर्देशक श्याम बहादुर खड्का ने कहा कि इस विषय पर सरकार के साथ लगातार चर्चा चल रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बदलती परिस्थितियों के कारण आप नई रणनीति चुनेंगे. आपकी छवि में निखार आएगा. भागेदारी में आप में से कुछ नवीन व्यवसाय आरंभ कर सकते हैं. आप में से जो किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की तलाश कर रहे हैं, उन्हें सफलता प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है. आपका स्वास्थ्य संतोषजनक रहेगा, लेकिन आपको पेट से संबंधित बीमारियों के लिए सावधानी बरतनी चाहिए. प्रियजनों के साथ लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. आप में से कुछ के जीवन में प्रेम प्रवेश कर सकता है.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अच्छी प्लानिंग और सोच-विचार के उपयोग से आपको बड़ा फायदा हो सकता है. सोचे हुए कुछ खास काम पूरे होने के योग बन रहे हैं. आपको नौकरी या दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने के बारे में विचार करना चाहिए. आपके लिए खरीदारी भी फायदेमंद हो सकती है. अपनी योजनाओं से आप सबको प्रभावित कर सकते हैं. स्टूडेंट्स को सफलता मिल सकती है. धन लाभ के भी योग बन रहे हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल हो सकते हैं. आज आप घर के लिए कुछ नया सामान खरीद सकते हैं. आप जीवनसाथी की मदद कर सकते हैं. जीवन में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे. इस राशि के कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बन रहे हैं. नए कार्य प्रारंभ करने का मन बन सकता है. अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आपको तरक्की के कई नये रास्ते खुले नजर आएंगे. इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है. आपको किसी समस्या को सुलझाने का तुरंत रास्ता मिल सकता है. गायत्री मंत्र का पाठ करें, तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज निजी मामलों में आपके विचारों को आसपास के लोगों का समर्थन मिलेगा. मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी. आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे. पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा. मित्रों का सहयोग मिलेगा. कुछ नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं. आप बहुत बातूनी मूड में हो सकते हैं. आर्थिक मामलों में भाग्य का साथ मिलेगा जिस से आय के साधनों में वृद्धि होगी. नई नौकरी या बिजनेस की रूपरेखा आज बन सकती है.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप लगातार सिरदर्द और कुछ अन्य बीमारियों के कारण पीड़ित हो सकते हैं. आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है. चूंकि आपको चोटों का खतरा है, इसलिए वाहन चलाते समय सावधानी बरतें. आप अथक प्रयासों के साथ लंबित कार्यों को पूरा करेंगे. आप एक नया संभावित प्रोजेक्ट शुरू कर सकते हैं, जो आपको भविष्य में अच्छा लाभ प्रदान करेगा. आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर होगी और व्यावसायिक क्षेत्र में आप अच्छी प्रगति करेंगे.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ऑफिस में आज आप कई मामलों में सफल हो सकते हैं. करियर से जुड़े कुछ उलझे हुए मामलों में समाधान मिल सकता है. आप परेशान न हों. ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है. प्रमोशन मिलने के योग हैं. गिफ्ट मिल सकता है. नए दोस्तों से मुलाकात होसकती है. बिजनेस करने वाले लोगों को रुका हुआ पैसा मिल सकता है. अधिकारी आपके कामकाज से खुश हो सकते हैं.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता-पिता के स्वास्थ्य में सुधार आयेगा. आज बच्चे पार्क में खेलने जा सकते हैं. आपका पैसा कहीं अटक सकता है. बढ़ता खर्च आपको थोड़ा परेशान कर सकता है. जीवनसाथी के साथ कहीं हील स्टेशन पर घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं. किसी काम में ज्यादा मेहनत और समय लग सकता है. आप रिश्तों में सुधार लाने की कोशिश कर सकते हैं. आज आपको कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना चाहिए, बेहतर रहेगा. परिवार वालों का सहयोग मिलता रहेगा. बहते जल में तिल प्रवाहित करें, आपका दिन अच्छा बीतेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी तथा घर-परिवार की स्थिति सामान्य रहेगी. पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है. स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. पठन-पाठन व लेखन के काम में मन लगेगा. काम को लेकर काफी उत्साह बना रहेगा. पुराने दोस्तों से मिलने का संयोग बन सकता है. पको आपके काम के लिए सराहा जाएगा, इससे आपको बहुत खुशी होगी. आपको कोई इनाम भी मिल सकता है.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

इस समय आप अपनी कार्यशैली में नया प्रयोग कर सकते हैं. आपके कार्यों को प्रशंसा मिलेगी. आपके काम सफ़ल होंगे. आपको थोड़ी सी सावधानी बरतनी होगी. कुछ अनावश्यक खर्चे भी सामने आ सकते हैं. आज आप धर्म या समाज से जुड़ा कोई कार्य कर सकते हैं. सप्ताह के मध्य भाग में बेकार की यात्राओं से बचें और घर परिवार का ख्याल रखें. स्त्री वर्ग से पूर्ण सहयोग मिलेगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बहुत धैर्य और नियमितता के साथ आपने जो मेहनत की थी, उसका नतीजा आपके ही फेवर में होगा. पुराने दोस्तों से बातचीत होगी या मुलाकात की संभावना है. आपकी जिम्मेदारियां पूरी हो सकती है. सोचे हुए काम पूरे हो जाएंगे. पैसा कमाना आपके लिए सरल है.कामकाज और यात्रा को लेकर आपके पास एक से ज्यादा विकल्प हो सकते हैं. साथ के लोगों का ध्यान आप पर रहेगा. ऑफिस में कोई नई चीज सीखने का मौका आपको मिल सकता है.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको कोई महत्वपूर्ण समाचार मिलेगा. कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत हासिल होगी. आपके मान-प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी. कारोबार में कुछ नए लोग आपसे जुड़ सकते हैं. किसी महिला मित्र का सहयोग प्राप्त होगा. आर्थिक पक्ष पहले से बेहतर रहेगा. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर सामने आएंगे. सोचे हुए कुछ जरूरी काम पूरे होंगे. आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे. तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है. शिवलिंग पर जल अर्पित करें, जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मीन राशि वालों की आय में वृद्धि होगी. सौंदर्य से संबंधित वस्तुओं पर पैसा और समय खर्च हो सकता है. शारीरिक कष्ट की वजह से बाधा संभव है. उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. वरिष्ठ जनों का सहयोग तथा मार्गदर्शन प्राप्त होगा. पूरी कोशिश कर के भी आप सबको संतुष्ट नहीं कर सकेंगे. वाणी में ओजस्विता के चलते जैसी सफलता चाहें हासिल करें, आज व्यापारी हैं तो और अच्छा लाभ मिलेगा. किसी नई जगह पर भी जाने के योग हैं.

आज का पंचांग

दिनांक : 13 मई 2026 , बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी दोपहर 01:33 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 12:18 तक
योग : विष्कुंभ रात्रि 08:54 तक
करण : बालव दोपहर 01:33 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:30 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37, सूर्यास्त 06:30 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अपरा एकादशी व्रत, गण्डमूल रात्रि 12:18 से , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मैं रबर स्टैम्प नहीं : राहुल

सीबीआई प्रमुख की चयन प्रक्रिया पर उठाए सवाल

नयी दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)।
लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पहुंचे, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में देश के अगले केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक के चयन से जुड़ी अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चयन प्रक्रिया पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और औपचारिक रूप से असहमति नोट भी सौंपा।

राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा कि विपक्ष का नेता कोई रबर स्टैम्प नहीं है। उन्होंने कहा कि वे अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी से समझौता नहीं कर सकते और किसी भी पक्षपातपूर्ण प्रक्रिया में भाग लेकर उसे वैधता नहीं दे सकते। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार लगातार सीबीआई का राजनीतिक उपयोग कर रही है, जिससे यह संस्था विपक्षी नेताओं, पत्रकारों और आलोचकों को निशाना बनाने का माध्यम बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि इसी कारण चयन समिति में विपक्ष के नेता की भूमिका सुनिश्चित की गई थी, लेकिन उन्हें प्रभावी भागीदारी से वंचित किया जा रहा है।

राहुल गांधी के अनुसार, उन्हें पात्र उम्मीदवारों की आवश्यक जानकारी जैसे सेल्फ-अप्रेजल रिपोर्ट और 360-डिग्री असेसमेंट उपलब्ध नहीं कराई गई। उन्होंने कहा कि 69 उम्मीदवारों की फाइलें पहली बार बैठक के दौरान देखने को दी गईं, जिससे उनका सही मूल्यांकन संभव नहीं था। उन्होंने इसे चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता के खिलाफ बताते हुए कहा कि यह कदम पहले से तय उम्मीदवार को चुनने की ओर इशारा करता है।

टॉप बॉस की दौड़ में शामिल जीपी सिंह

सीबीआई के नए निदेशक की दौड़ में कई आईपीएस अधिकारियों का नाम सामने आ रहा है। इनमें एक आईपीएस तो ऐसे हैं, जिन्हें केंद्र सरकार के दो पावरफुल मंत्रियों का साथ मिल रहा है। अब देखना ये है कि पीएमओ किसके नाम को हरी झंडी देता है। इनमें पहला नाम सीआरपीएफ डीजी जीपी सिंह का है। वे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विश्वासपात्र हैं। सीआरपीएफ में आने से पहले वे असम के डीजीपी रहे हैं। असम में उग्रवाद और उसके बाद सीआरपीएफ में रहते हुए माओवाद को समाप्त करने में उनका खास योगदान रहा है। जीपी सिंह, दो सप्ताह से भी अधिक समय तक पश्चिम बंगाल चुनाव में सड़कों पर उतरे रहे।

भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान से मिलेगा सुकून

आ रहा है मॉनसून

नयी दिल्ली, 12 मई (एजेंसियां)।
बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम की वजह से देश के अधिकांश हिस्सों में मौसम सक्रिय हो गया है। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियां दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में मॉनसून की समय से पहले दस्तक के लिए बेहद अनुकूल बन रही हैं। बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम हिस्से में एक कम दबाव का क्षेत्र यानी लो प्रेशर एरिया बन गया है, जो अगले कुछ घंटों में और अधिक मजबूत होने की संभावना है। इस सिस्टम के प्रभाव से दक्षिण भारत के कई राज्यों में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी। साथ ही इस सिस्टम से मॉनसून उत्तरी दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

यूपी-बिहार समेत पांच राज्यों में आज आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बिहार और उत्तराखंड के सभी जिलों में जबकि उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में आंधी-तूफान और बारिश से जनजीवन प्रभावित है। इस बीच मौसम विभाग ने अगले दो दिन के लिए प्रदेश में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है।

दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के कई राज्यों में बारिश का दौर जारी रहने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में 14 से 17 मई के बीच भारी बारिश हो सकती है। वहीं, असम, मेघालय और मणिपुर सहित अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में भी कई जगहों पर अच्छी बारिश की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में बने इस सिस्टम का असर ओडिशा में भी साफ दिखाई देगा, जहां राज्य के कई हिस्सों में अगले 6 दिनों तक बारिश का अनुमान है। ओडिशा के 20 जिलों में बिजली गिरने और तेज हवाओं के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां तेजी से अनुकूल होती जा रही हैं। सप्ताह के अंत तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के कुछ इलाकों में मॉनसून की एंट्री हो सकती है। इस दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश, आंधी, बिजली गिरने, ओलावृष्टि और कुछ क्षेत्रों में भीषण गर्मी का मिश्रित असर देखने को मिलेगा।

मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और श्रीलंका के उत्तरी तट के पास बना कम दबाव का क्षेत्र अब उत्तर दिशा की ओर बढ़ रहा है। इसके चलते अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की आशंका है। डीटीई के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ ऊपरी हवाओं में चक्रवाती रूप में बना हुआ है। इसके प्रभाव से 12 से 15 मई तक दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

दलित युवक की हत्या के आरोप में तीन गिरफ्तार, प्रेम प्रसंग से जुड़ा मामला

मंचेरियल, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोदावरीखानी टाउन-2 पुलिस ने दलित युवक जुला वामशी की हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

निजी सुरक्षा गार्ड वामशी 29 अप्रैल से लापता थे और उनका सड़ा हुआ शव रविवार को मंथानी के गुडुलागांडी के पास मिला। गोदावरीखानी के एसीपी मदाता रमेश ने बताया कि वामशी को स्कूल के दिनों में एक महिला से प्यार हो गया था। वह महिला अलेक्या, नीलम नवीन नाम के एक अन्य व्यक्ति से प्यार करती थी जिससे उसने बाद में शादी कर ली और हैदराबाद में रह रही थी।

वामशी और अलेक्या की मुलाकात फरवरी 2025 में आयोजित एसएससी बैच रीयूनियन के दौरान दोबारा हुई और खबरों के मुताबिक उन्होंने फोन नंबर एक्सचेंज किए। बाद में वामशी ने अलेक्या को मैसेज और कॉल करना शुरू कर दिया। खबरों के अनुसार वामशी तीन बार हैदराबाद स्थित अलेक्या के घर भी गए थे जिसके चलते दोनों के बीच झगड़े हुए। वामशी के उत्पीड़न को सहन न कर पाने के कारण अलेक्या और उसके पति नवीन ने कथित तौर पर वामशी को जान से मारने का फैसला किया और बुर्रा भास्कर के साथ मिलकर एक योजना बनाई। योजना के तहत अलेक्या ने वामशी को हैदराबाद स्थित अपने घर पर आमंत्रित किया। 30 अप्रैल को वह उसके घर गया। बाद में वे शमशाबाद स्थित भास्कर के घर गए। शराब पीते समय भास्कर का वामशी से झगड़ा हो गया। झगड़ा बढ़ने पर भास्कर ने वामशी के सीने और गर्दन पर चाकू से बेरहमी से वार कर दिए। वामशी की मौके पर ही गंभीर रूप से घायल हो जाने और खून बहने से मौत हो गई।

पेद्दापल्ली कोर्ट ने रेप केस में आरोपी को 10 साल की सजा

पेद्दापल्ली, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली कोर्ट ने एक गंभीर रेप केस में आरोपी को 10 साल की कड़ी कैद और 7,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। 23-04-2024 को, ओडेला मंडल की शिकायत करने वाली महिला सुबह 6 बजे रोज़गार गारंटी के लिए काम पर गई थी, जबकि उसकी बेटी, यानी पीड़िता, घर पर अकेली थी। उसी गांव के आरोपी रायमल्लू ने देखा कि पीड़िता के घर पर कोई नहीं है और सुबह करीब 9 बजे, जब पीड़िता घर के सामने पत्तों के नीचे बैठी थी, तो वह गैर-कानूनी तरीके से घर में घुस गया। बाद में उसने पीड़िता का हाथ पकड़कर उसे ज़बरदस्ती घर में बंद कर दिया और उसकी बात सुने बिना ही उसके साथ रेप किया। उसने उसे धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देगा और वहां से भाग गया। बाद में, जब उसकी मां, जो अपनी एम्प्लॉयमेंट गारंटी की नौकरी से लौटी थी, ने उसे घटना के बारे में बताया, तो शिकायत करने वाली महिला तुरंत अपनी बेटी को लेकर पोटकापल्ली पुलिस स्टेशन गई और उस समय के डख जी. अशोक रेड्डी के पास शिकायत दर्ज कराई और केस दर्ज किया गया। उस समय के सीआई जी. सुब्बारेड्डी ने जांच शुरू की और दोषी को गिरफ्तार करके ज्यूडिशियल रिमांड पर भेज दिया। बाद में, पूरी जांच की गई और कोर्ट में चार्जशीट फाइल की गई। केस की सुनवाई प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस कोर्ट, पेद्दापल्ली में हुई। माननीय जज के. सुनीता ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पाया कि दोषी माचेरला राचरला रायमल्लू ने जुर्म किया है और उसे 10 साल की कड़ी कैद और 7,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।

राज्यपाल के मार्गदर्शन में राऊतु संकेपल्ली गांव में विकास कार्य तेज

आसिफाबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद जिले के अंतर्गत राऊतु संकेपल्ली गांव पिछले आठ महीनों से राज्यपाल के मार्गदर्शन में विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

समग्र आदिवासी विकास संस्था 0 उट्नूर परियोजना अधिकारी मंद मकरंदु ने मंगलवार को गांव में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। परियोजना अधिकारी ने कहा कि सरकार ग्रामीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रामवासियों की विनती पर राज्यपाल ने विशेष मार्गदर्शन दिया है। भूमि, पट्टे, पेयजल, सड़कें और कृषि से जुड़ी समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

ग्रामवासियों ने अपनी समस्याएं रखते हुए कहा कि जिन किसानों के नाम पर वन भूमि के पट्टे हैं और उनके निधन के बाद उनके परिवारों को उत्तराधिकार अधिकार दिए जाएं। वर्षों से सरकारी भूमि पर खेती कर रहे गरीब व आदिवासी परिवारों को नियमों के अनुसार स्थायी पट्टे दिए जाएं। उन्होंने यह भी बताया कि वन विभाग की रोक-टोक के कारण किसान खेती में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। किसानों को अपनी भूमि पर स्वतंत्र रूप से खेती करने की अनुमति देने की मांग की गई। ग्राम के कोलमगुड़ा क्षेत्र में पेयजल समस्या गंभीर है, जिसे शीघ्र हल करने की अपील की गई। साथ ही सीसी सड़क निर्माण कर आवागमन को सुगम बनाने और बरसात में होने वाली परेशानियों को दूर करने की मांग की गई। ग्राम प्रमुखों ने कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे हर विकास कार्यक्रम में वे पूरा सहयोग देंगे। राज्यपाल से निवेदन किया गया कि ग्रामवासियों की समस्याओं पर विशेष ध्यान देकर त्वरित कार्रवाई करें।

व्यक्ति ने ट्रैक किया परिवार का रूटीन, फिर लूट लिया कजिन का घर, पुलिस ने 24 घंटे में किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद सिटी पुलिस ने एक 37 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर गोशामहाल में अपने कजिन के घर से लगभग 5 लाख रुपये नकद, लगभग 30 तोले सोने के आभूषण और चांदी की वस्तुएं चुराने का आरोप है। आरोप है कि उसने परिवार की गतिविधियों पर नजर रखी और उनके एक समारोह में जाने का इंतजार किया। पुलिस ने अपराध के 24 घंटे के भीतर पूरी चोरी की संपत्ति बरामद कर ली। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान बेगम बाजार के डोंटुला राजेश के रूप में हुई है, जो आर्थिक समस्याओं और बढ़ते कर्ज का सामना कर रहा था। पुलिस ने कहा कि उसने हाल ही में एक पारिवारिक समारोह में शिकायतकर्ता के परिवार द्वारा पहने गए भारी आभूषणों को देखकर चोरी की योजना बनाई। शिकायतकर्ता डी महेश ने पुलिस को बताया कि वह और उनका परिवार 10 मई को अपने घर को ताला लगाकर एक समारोह में गए थे। जब वे आधी रात के बाद लौटे, तो उन्होंने पाया कि दूसरे और तीसरे मंजिल के दरवाजे खुले थे, अलमारियां टूटी हुई थीं और कमरों में घरेलू सामान बिखरा पड़ा था। नकदी, सोने के आभूषण, चांदी की वस्तुएं और एक टाइटन घड़ी गायब मिली। इसके बाद गोशामहाल पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत एक मामला दर्ज किया गया, जिसके बाद एक विशेष टीम ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी शिकायतकर्ता का कजिन था और पड़ोस के घर में रहता था। पुलिस ने कहा कि राजेश कथित तौर पर अपनी किराना दुकान से परिवार पर नजर रखता था और यह पुष्टि की कि सभी सदस्य 10 मई की शाम लंगर हाउस में एक समारोह के लिए निकल गए हैं।

जांच अधिकारियों ने कहा कि उसने फिर दूध का पैकेट देने के बहाने पड़ोस के घर में प्रवेश किया और छत के रास्ते शिकायतकर्ता की इमारत में चढ़ गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी ने स्क्रूड्राइवर का उपयोग करके दूसरी और तीसरी मंजिल के ताले खोले। जबकि उसे दूसरी मंजिल पर कोई कीमती सामान नहीं मिला, उसने कथित तौर पर तीसरी मंजिल पर एक अलमारी और लॉकर तोड़कर नकदी, सोने और चांदी के आभूषण चुरा लिए। चोरी करने के बाद, उसने कथित तौर पर कीमती सामान अपने घर में छिपा दिया और संदेह से बचने के लिए ऑटो चलाने सहित अपनी सामान्य दिनचर्या फिर से शुरू कर दी।

पुलिस ने आरोपी से 500 रुपये के नोटों में 5 लाख रुपये नकद, लगभग 30 तोले सोने के आभूषण और लगभग 1.62 किलोग्राम चांदी की वस्तुएं बरामद कीं। बरामद संपत्ति में सोने की चेन, हार, झुमके, नथ, चांदी के कड़ियाल, कटोरे, दीपक और अन्य कीमती वस्तुएं शामिल थीं।

उपायुक्त जी चंद्र मोहन ने कहा कि चोरी की गई संपत्ति को सेंधमारी के एक दिन के भीतर सुरक्षित बरामद कर लिया गया।

हैदराबाद एचआईसीसी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह एवं अन्य।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद समाज सेवा का बना सशक्त माध्यम : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित प्रधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप आज एक परिवार की तरह कार्य कर रहा है। इस सेवा मंच पर किसी प्रकार का जाति, धर्म, भाषा अथवा संप्रदाय का कोई भेदभाव नहीं किया जाता।

समूह का उद्देश्य केवल मानव सेवा, सहयोग और समाज के प्रत्येक वर्ग तक निस्वार्थ भाव से सहायता पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि समाज में सेवा का भाव ही सबसे बड़ा धर्म है

और राधे-राधे ग्रुप उसी भावना को लेकर लगातार आगे बढ़ रहा है। सभी सदस्यों के सहयोग, समर्पण और सकारात्मक सोच के कारण यह सेवा अभियान निरंतर विस्तारित हो रहा है। जरूरतमंदों की सहायता करना, समाज में एकता और भाईचारे का संदेश देना तथा मानवता की सेवा को सर्वोपरि रखना ही समूह का मुख्य उद्देश्य है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में समाज को ऐसे संगठनों की आवश्यकता है, जो बिना किसी स्वार्थ के सेवा कार्य करें। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद वर्षों से इसी उद्देश्य के साथ कार्य करते हुए लोगों के बीच विश्वास और अपनत्व का वातावरण तैयार कर रहा है। उन्होंने सभी सदस्यों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सबके साथ और सबके सहयोग से ही यह सेवा यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महेश अग्रवाल, सुयश अग्रवाल, अनिल धारशुवाले, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, लता गोयल, ई-जगन, मोहित अग्रवाल, स्वास्ति अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल एवं अंगद सिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

आईपीएस विकास वैभव के मगध आईजी स्थानांतरण का आमजन ने किया स्वागत

पटना, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कर्मठ, ईमानदार एवं तेज-तर्रार आईपीएस पदाधिकारी विकास वैभव के मगध क्षेत्र के आईजी के रूप में स्थानांतरण का आम जनता ने स्वागत किया है।

सामाजिक कार्यकर्ता हिमांशु शेखर ने कहा कि विकास वैभव ने एक पुलिस अधिकारी के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं और आमजनों के बीच उनकी एक सकारात्मक एवं जनप्रिय छवि रही है। इस बीच उन्होंने कहा कि एक समय रोहतास किला क्षेत्र नक्सली गतिविधियों से प्रभावित था। उस दौर में विकास वैभव के नेतृत्व में सुरक्षा बलों ने कार्रवाई करते हुए क्षेत्र को नक्सलियों से मुक्त कराया तथा ऐतिहासिक रोहतास किला पर तिरंगा ध्वज फहराया गया। उनके नेतृत्व में कई नक्सलियों ने आत्मसमर्पण

कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया और नए जीवन की शुरुआत की।हिमांशु शेखर ने कहा कि विकास वैभव ने पुलिस और आम जनता के बीच बढ़ती दूरी को कम करने का कार्य किया। उनकी कार्यशैली के कारण लोगों में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है और आमजन उन्हें अपने परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं।

बुद्धिमान संतान पाने के लिए कीजिए यह व्रत

हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को रंभा तृतीया व्रत या कहें रंभा तीज व्रत किया जाता है। इस वर्ष यह व्रत 21 मई यानी गुरुवार के दिन है। इस दिन विवाहित महिलाएं इसलिए व्रत रखती हैं ताकि उन्हें गणेश जी जैसी बुद्धिमान संतान(पुत्री/पुत्र) मिले। और उन पर गौरी यानी माता पार्वती और शिवजी की कृपा बनी रहे।

इस दिन प्रात: दैनिक नित्य कर्मों से निवृत्त होकर पूर्व दिशा की ओर मुख करके बैठें और भगवान सूर्य को लिए दीपक प्रज्वलित करें। पूजन में ऊं महाकाल्यै नम:, महालक्ष्म्यै नम:, महासरस्वत्यै नम:, आदि मंत्रों का जाप करते हुए पूजा करें। इस दिन मंदिर और घर पर ही शिव, पार्वती और गणेश जी की आराधना करके सास-ससुर से आशीर्वाद लिया जाता हैं। सास को पकवान व्यंजन और वस्त्र भेंट किए जाते हैं।

क्या है शिवलिंग पर दूध चढाने का वैज्ञानिक रहस्य

हमारी परंपराओं के पीछे कई सारे वैज्ञानिक रहस्य छिपे हुए हैं, जिन्हें हम नहीं जान पाते क्योंकि इसकी शिक्षा हमें कहीं नहीं दी गई है। भगवान शिव को सावन के महीने में ढेरो टन दूध यह सोंच कर चढाया जाता है कि वे हमसे प्रसन्न होंगे और हमें उन्नती का मार्ग दिखाएंगे।

लेकिन श्रावण मास में शिवलिंग पर दूध चढाने के पीछे क्या कारण छुपा हुआ है वह आज हम आपको बताएंगे। भगवान शिव एक अकेले ऐसे देव हैं जिनकी शिवलिंग पर दूध चढाया जाता है। शिव भगवान दूसरों के कल्याण के लिए हलाहल विषैला दूध भी पी सकते हैं। शिव जी संहारकर्ता हैं, इसलिए जिन चीजों से हमारे प्राणों का नाश होता है, मतलब जो विष है, वो सब कुछ शिव जी को भोग लगता है। भगवान शिव से जानें जीवन जीने का तरीका

पुराने जमाने में जब श्रावण मास में हर जगह शिव रात्रि पर दूध चढता था, तब लोग समझ जाया करते थे कि इस महीने में दूध विष के सामान है और वे दूध इसलिये त्याग देते हैं कि कहीं उन्हें बरसाती बीमारियां न घेर ले। क्या है महाशिवरात्रि का महत्व अगर आयुर्वेद के नजरिये से देखा जाए तो सावन में दूध या दूध से बने खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिये क्योंकि इसमें वात की बीमारियाँ सबसे ज्यादा होती हैं। शरीर में वात-पित्त-कफ इनके असंतुलन से बीमारियाँ पैदा होती हैं।

श्रावण के महीने में ऋतू परिवर्तन के कारण शरीर मे वात बढता है। तभी हमारे पुराणों में सावन के समय शिव को दूध अर्पित करने की प्रथा बनाई गई थी क्योंकि सावन के महीने में गाय या भैंस घास के साथ कई कीड-मकौडों का भी सेवन कर लेते हैं। जो दूध को हानिकारक बना देत है इसलिये सावन मास में दूध का सेवन न करते हुए उसे शिव को अर्पित करने का विधान बनाया गया है।

जानें मंदिर में दर्शन करने के पीछे छुपे हैं कौन से वैज्ञानिक रहस्य

मंदिर की संरचना और स्थान के पीछे वैज्ञानिक कारण -मंदिर के लिए हमेशा ऐसा स्थान चुना जाता है जहां सकरात्मक ऊर्जा का भंडार हो। एक ऐसा स्थान जहां उत्तरी छोर से स्वतंत्र रूप से चुम्बकीय और विद्युत तरंगों का प्रवाह हो। अक्सर ऐसे ही स्थान का चयन करके विधिवत मंदिर का निर्माण करवाया जाता है, ताकि लोगों के शरीर में अधिकतम सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो।

ईश्वर की मूर्ति - मंदिर में भगवान की मूर्ति को गर्भगृह में या मंदिर के बिल्कुल मध्य स्थान पर स्थापित किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस स्थान पर सबसे अधिक ऊर्जा होती है जहां सकारात्मक सोच से खडे होने पर शरीर में अच्छी ऊर्जा पहुंचती है और नकारात्मकता दूर भाग जाती है। हमेशा मूर्ति की स्थापना के बाद ही मंदिर का ढांचा खडा किया जाता है।

मंदिर से बाहर चप्पल उतारने के पीछे कारण-आप दुनिया के किसी भी देश में हिंदू मंदिर में प्रवेश करें तो नंगे पैर ही करना पडता है। इसके पीछे वैज्ञानिक कारण यह है कि मंदिर की फर्शों का निर्माण पुराने समय से अब तक इस प्रकार किया जाता है कि ये इलेक्ट्रिक और मैग्नैटिक तरंगों का सबसे बडा स्त्रोत होती हैं। जब इन पर नंगे पैर चला जाता है तो अधिकतम ऊर्जा पैरों के माध्यम से शरीर में प्रवेश कर जाती है।

मंदिर में घंटा बजाने के पीछे वैज्ञानिक कारण -जब भी मंदिर में प्रवेश किया जाता है तो द्वार पर घंटा टंगा होता है जिसे बजाना होता है। मुख्य मंदिर (जहां भगवान की मूर्ति होती है) में भी प्रवेश करते समय घंटा या घंटी बजानी होती है, इसके पीछे कारण यह है कि इसे बजाने से निकलने वाली मधुर ध्वनि से सात सेकेंड तक गूंज बनी रहती है जो शरीर के सात हीलिंग सेंटर्स को सक्रिय कर देती है।

मूर्ति पूजा के समय कपूर जलाने के पीछे वैज्ञानिक कारण - हर मंदिर में मूर्ति पूजा के समय कपूर जलाया जाता है, इसके पीछे वैज्ञानिक कारण यह है कि जब अंधेरे मंदिर में कपूर को जलाया जाता है तो दृष्टि इंद्री सक्रिय हो जाती हैं। दिये के ऊपर हाथ रखने के पीछे वैज्ञानिक कारण -आरती के बाद सभी लोग दिए पर या कपूर के ऊपर हाथ रखते हैं और उसके बाद सिर से लगाते हैं और आंखों पर स्पर्श करते हैं। ऐसा करने से हल्के गर्म हाथों से दृष्टि इंद्री सक्रिय हो जाती है और अचछा महसूस होता है।

ईश्वर पर फूल चढाने के पीछे कारण - भगवान की मूर्ति पर फूल चढाना हर मंदिर में स्वीकार्य होता है। ऐसा करने से मंदिर और मंदिर परिसर में अच्छी और भीनी-भीनी सी खुशबु आती है। अगरबत्ती, कपूर और फूलों की खुशबु से सूंघने की शक्ति बढती है और मन प्रसन्न हो जाता है।

चरणामृत पीने के पीछे वैज्ञानिक कारण -चरणामृत को पांच सामग्रियों (दूध, दही, घी, गंगाजल और तुलसी के दल) से मिलकर बनाया जाता है। इसके बाद, इसे ईश्वर को भोग लगाया जाता है और बाद में सभी दर्शानर्थियों को बांट दिया जाता है। जिस पात्र में इसे रखा जाता है वह तांबे का होता है और उसमें पडी हुई चम्मच चांदी की होती है। इसे पीने से जीहा की इंद्रियां सक्रिय हो जाती हैं

मूल स्थान की परिक्रमा करने के पीछे वैज्ञानिक कारण - हर मंदिर के मुख्य मंदिर में दर्शन करने और पूजा करने के बाद परिक्रमा करनी होती है। परिक्रमा 8 से 9 बार करनी होती है। जब मंदिर में परिक्रमा की जाती है तो सारी सकारात्मक ऊर्जा, शरीर में प्रवेश कर जाती है और मन को शांति मिलती है।

गुरु परंपरा में आदि गुरु हैं 'श्री दत्त'

मार्गशीर्ष (अगहन) मास की पूर्णिमा को दत्त जयंती मनाई जाती है। इस वर्ष यह पर्व 06 दिसंबर के दिन है। शास्त्रों के अनुसार इस तिथि को भगवान दत्तात्रेय का जन्म हुआ था। ब्रहमा, विष्णु और महेश इन तीनों देवताओं की परमशक्ति जब केंद्रित हुई तब 'त्रयमूर्ति दत्त' का जन्म हुआ। अगहन पूर्णिमा को प्रदोषकाल में भगवान दत्त का जन्म होना माना गया है। दत्तात्रेय में ईश्वर और गुरु दोनों रूप समाहित हैं और इसलिए उन्हें 'परब्रहममूर्ति सदगुरु' और 'श्री गुरुदेवदत्त' भी कहा जाता है। उन्हें गुरु वंश का प्रथम गुरु, साधक, योगी और वैज्ञानिक माना जाता है। विविध पुराणों और महाभारत में भी दत्तात्रेय की श्रेष्ठता का उल्लेख मिलता है। वे श्री हरि विष्णु का अवतार हैं। वे पालनकर्ता, त्राता और भक्त वत्सल हैं तो भक्ताभिमानी भी। वेदों को प्रतिष्ठा देने वाले महर्षि अत्रि और ऋषि कर्दम की कन्या अनुसूया के ब्रहमकुल में जन्मा यह दत्तावतार क्षमाशील अंतकरण का भी है।

भारतीय भक्ति परंपरा के विकास में श्री दत्त देव एक अनूठे अवतार हैं। रज-तम-सत्व जैसे त्रिगुणों, इच्छा-कर्म-ज्ञान तीन भावों और उत्पत्ति-स्थिति-लय के एकत्व के रूप में वे प्रतिष्ठित हैं। उनमें शैव और वैष्णव दोनों मतों के भक्तों को आराध्य के दर्शन होते हैं। शैवपंथी उन्हें शिव का अवतार और वैष्णव विष्णु अवतार मानते हैं। नाथ, महानुभव, वारकरी, रामदासी के उपासना पंथ में श्रीदत्त आराध्य देव हैं। तीन सिर, छ: हाथ, शंख-चक्र-गदा-पझ, त्रिशूल-डमरू-कमंडल, रुद्राक्षमाला, माथे पर भस्म, मस्तक पर जटाजूट, एकमुखी और चतुर्भुज या षडभुज इन सभी रूपों में श्री गुरुदेव दत्त की उपासना की जाती है।

मान्यता यह भी है कि दत्तात्रेय ने परशुरामजी को श्रीविद्या-मंत्र प्रदान किया था। शिवपुत्र कार्तिकेय को उन्होंने अनेक विद्याएं दी थी। भक्त प्रल्हाद को अनासक्ति-योग का उपदेश देकर उन्हें श्रेष्ठ राजा बनाने का श्रेय भी भगवान दत्तात्रेय को ही है। महाराष्ट्र और कर्नाटक के तो घर-घर में दत्तोपासना होती है।

श्री दत्त भक्त और श्री दत्त महात्म्य कहने वाला 'श्री गुरुचरित्र' दत्त भक्तों का पवित्र ग्रंथ है। जिसका पारायण मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी से मार्गशीर्ष पूर्णिमा तक किया जाता है। दत्त महामंत्र 'श्री दिगंबरा दिगंबरा श्रीपाद वल्लभ दिगंबरा' का जप भी प्रभु की शरण प्राप्ति और उनके स्मरण का मंत्र है। माना गया है कि भक्त के स्मरण करते ही भगवान दत्तात्रेय उनकी हर समस्या का निदान कर देते हैं इसलिए इन्हें स्मृतिगामी व स्मृतिमात्रानुगन्ता कहा गया है। अपने भक्तों की रक्षा करना ही श्री दत्त का 'आनंदोत्सव' है। केवल स्मरण यही उनकी सेवा और सच्चे भक्तिभाव से ग्रहण कर रहे अन्ना को उन्हें समर्पित करना ही उनकी पूजा है। श्री गुरुदेव दत्त भक्त की इसी भक्ति से प्रसन्ना होकर स्मरण करने पर उनके निकट जाकर खडे हो जाते हैं और तमाम विपदाओं से रक्षा करते हैं। आदि शंकराचार्य ने तो कहा है, 'सारे ऐहिक सुखों, आरोग्य, वैभव, सत्ता, संपत्ति सभी कुछ मिलने के बाद यदि मन गुरुपद की शरण नहीं गया तो फिर क्या पाया।'

दत्त पादुका पूजन मान्यता है कि दत्तात्रेय नित्य प्रात:काल काशी की गंगाजी में स्नान करते थे। इसी कारण काशी के मणिकर्णिका घाट की दत्त पादुका दत्त भक्तों के लिए पूजनीय है। इसके अलावा मुख्य पादुका स्थान कर्नाटक के बेलगाम में स्थित है। दत्तात्रेय को गुरु रूप में मान उनकी पादुका को नमन किया जाता है।

ब्रज की संस्कृति का एक प्रमुख पर्व

गोपाष्टमी पर्व कार्तिक शुक्ल अष्टमी के दिन मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 31 अक्टूबर के दिन है। इस दिन सुबह गौ माता को स्नान कराकर, जल, रोली, मौली, अक्षत, मिठाई, जलेबी, दाल, घास, वस्त्र और धूप आदि से विधिवत् पूजन किया जाता है। इस दिन गोपालों की पूजा भी की जाती है। गोपाष्टमी ब्रज में संस्कृति का एक प्रमुख पर्व है। गायों की रक्षा करने के कारण भगवान श्री कृष्ण का नाम 'गोविन्द' पडा। मान्यता है कि इस दिन गौ माता को घास देकर, उनकी परिक्रमा करके, कुछ दूर उनके साथ जाने से सारी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

शाम के समय गौ माता के चरणों की धूल मस्तक पर लगाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। कहते हैं कार्तिक, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा से सप्तमी तक गो-गोप-गोपियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को धारण किया था। 8वें दिन इन्द्र अहंकार रहित होकर भगवान की शरण में आए थे। कामधेनु ने श्रीकृष्ण का अभिषेक किया और उसी दिन से कान्हा को गोविंद के नाम से जाना जाता है।

देश के प्राय: सभी भागों में गोपाष्टमी का उत्सव बडे ही उल्लास से मनाया जाता है। कहते हैं कि इस दिन गोशालाओं की संस्था को कुछ दान देना चाहिए। पुराणों के अनुसार ऐसा करने से ही गो वंश की उन्नति हो सकेगी। देवी-देवताओं का निवास पझ पुराण के अनुसार गाय के मुख में चारों वेदों का निवास हैं। उसके सींगों में भगवान शंकर और विष्णु सदा विराजमान रहते हैं। गाय के उदर में कार्तिकेय, मस्तक में ब्रहमा, ललाट में रुद्र, सीगों के अग्र भाग में इन्द्र, दोनों कानों में अश्विनीकुमार, नेत्रों में सूर्य और चंद्र, दांतों में गरुड, जिहा में सरस्वती, रोमकूपों में ऋषि गण, पृष्ठभाग में यमराज, दक्षिण पार्श्व में वरुण एवं कुबेर, वाम पार्श्व में महाबली यक्ष, मुख के भीतर गंधर्व, नासिका के अग्रभाग में सर्प, खुरों के पिछले भाग में अप्सराएं स्थित हैं।

भगवान की चाहत

एक साधु नदी के पास ध्यान कर रहे थे, तभी एक युवा व्यक्ति ने उन्हें टोकते हुए पूछा, 'गुरूजी, मैं आपका शिष्य बनना चाहता हूँ।' साधु ने कहा, 'क्यों' युवा व्यक्ति ने एक पल के लिए सोचा और फिर कहा, 'क्यों कि मैं भगवान को पाना चाहता हूँ।'गुरु बाहर की और आए, उन्होंने उस व्यक्ति की गर्दन को पकडा, उसे नदी में घसीटा, और उसका सर पानी के नीचे कर दिया। वहाँ उसे एक मिनट के लिए पकडे रखा। वह व्यक्ति खुद को मुक्त करने के लिए लात मार रहा था। गुरु ने अंत में उसे नदी से बाहर खींच लिया। युवक सांस लेने के लिए हांफ रहा था। गुरूजी ने पूछा, 'मुझे बताओ, जब तुम पानी के नीचे थे तो तुम्हे सबसे ज्यादा किस चीज की जरूरत थी।"हवा की' आदमी ने जवाब दिया। 'बहुत अच्छा,' गुरु ने कहा, 'घर जाओ और मेरे पास वापस आना जब तुम्हे भगवान की चाहत भी उतनी ही हो जितनी तुम्हे अभी हवा की थी।'

जन जन को तीर्थंकर बनाती महावीर शिक्षा

महावीर ऐसा अवसर है जो हमें भगवान महावीर के जीवन की उपयोगिता पर विचार करने का अवसर देता है। चूंकि बीते वर्षों में भी समाज में कोई परिवर्तन नहीं दिखता है। हम वैसे ही हैं जैसे थे। अंधकार यथावत है। महावीर द्वारा प्रदत्त प्रकाश हमारे भीतर नहीं पहुंच सका है और इसलिए आज भी महावीर जयंती मनाने की प्रासंगिकता है। आज भगवान का मंदिर बनवाने की आवश्यकता नहीं है स्वनिर्माण की जरूरत है। आचार्य ज्ञानभूषण के अनुसार महावीर जयंती भूमि शुद्धि व दीक्षा दिवस के रूप में अनुपम आयोजन है।

महावीर की वाणी, उनका दर्शन हमारे पास है। आज सबसे बडी कठिनाई यही है कि भक्त उनकी पूजा करना चाहता है उनके विचारों का अनुगमन नहीं करना चाहता है। महावीर का दर्शन केवल अहिंसा और समता का दर्शन नहीं है क्रांति का दर्शन भी है। उनकी प्रजा ने केवल अध्यात्म और धर्म को उपकृत नहीं किया अपितु व्यवहार जगत को भी संवारा है। उनकी मृत्युंजयी साधना ने आत्मप्रभा को ही भास्कर नहीं किया बल्कि अपने समग्र परिवेश को सिंचित किया है। उन्होंने जन जन को तीर्थंकर बनने का रहस्य समझाया है।

दुनिया का सार है श्रीमद्भागवत गीता

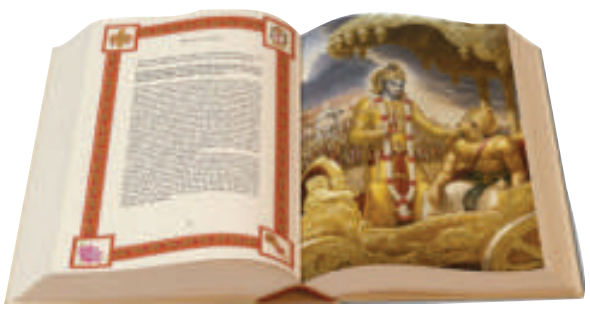

मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को मोक्षदा एकादशी और गीता जयंती के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन कुरुक्षेत्र की रणस्थली में कर्म से विमुक्त हुए अर्जुन को भगवान कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। गीता संजीवनी विद्या है। गीता के जीवन-दर्शन के अनुसार मनुष्य महान है।

असीम है। शक्ति का भंडार है। कुरुक्षेत्र की रणभूमि में अर्जुन ने भगवान श्रीकृष्ण से कहा, 'भगवन मैं नहीं लडूंगा।' अपने रिश्तेदारों और गुरुओं का संहार कर मुझे सुख भोगने की इच्छा नहीं है।' परिस्थितिवश अधीर होकर अर्जुन कर्म से विमुख हो गया। कर्तव्य विमुख अर्जुन को जो उपदेश दिया गया वही गीता है। गीता की गणना विश्व की महान ग्रंथों में की जाती है। श्री शंकराचार्य से लेकर विनोबा भावे तक के महान साधकों ने गीता के महत्व को बताया है। लोकमान्य तिलक ने इससे से कर्मयोग लिया। इस गीता के आधार पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अनासक्ति योग का प्रतिपादन किया। गीता का महत्व का प्रतिपादन करते हुए गांधी जी ने लिखा है कि, 'जब मैं किसी विषय पर विचार करने में असमर्थ हो जाता हूं तो गीता ही मुझे प्रेरणा देती है। महामना पंडित मदनमोहन मालवीय के अनुसार गीता अमृत है। इस अमृत का पान का पान करने से व्यक्ति अमर हो जाता है।' गीता का आरंभ धर्म से तथा अंत कर्म से होता है। गीता मनुष्य को प्रेरणा देती है।

मनुष्य का कर्तव्य क्या है। इसी का बोध करवान गीता का लक्ष्य है। इसी आधार पर अर्जुन श्रीकृष्ण से कहते हैं कि, 'मैं अज्ञान से ज्ञान में प्रवेश पा गया हूं। आपके आदेश का पालन करने के लिए मैं कटिबद्ध हूं।' गीता में कुल 18 अध्याय हैं। महाभारत का युद्ध भी 18 दिन तक ही चला था। गीता में कुल श्लोकों की संख्या 700 है। गीता में भक्ति और कर्मयोग का समन्वय देखने को मिलता है। इसीलिए गीता जयंती के दिन श्रीकृष्ण और गीता की विधिपूर्वक पूजा करना चाहिए।

'कीलक' के राजा शनि और मंगल मंत्री

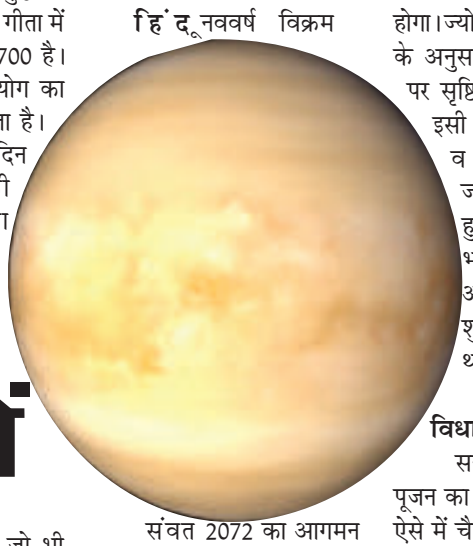

हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2072 का आगमन चैत्र शुक्ल प्रतिपदा अर्थात 21 मार्च से हो रहा है। विक्रम संवत 2072 के राजा शनि और मंत्री मंगल होंगे। इस संवत्सर का नाम कीलक होगा। हालांकि 28 मई, 2015 को सौम्य नामक संवत्सर का प्रवेश हो जाएगा लेकिन वर्ष पर्यंत संकल्पादि में कीलक संवत्सर का ही विनियोग होगा। ज्योतिषाचार्य पं. ऋषि द्विवेदी के अनुसार ब्रहमा ने इसी तिथि पर सृष्टि का आरंभ किया था। इसी तिथि पर मत्स्य अवतार व सतयुग आरंभ भी माना जाता है। इसे महत्व देते हुए सम्राट विक्रमादित्य ने भी अपने संवत्सर का आरंभ 2000 वर्ष पूर्व चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को किया था।

पूजन अनुष्ठान का विधान

सनातन धर्म में संवत्सर पूजन का खास महत्व है। ऐसे में चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को संवत्सर पूजन, नवरात्र घट स्थापन, ध्वजारोपण, तैलाभ्यंग स्नान, वर्षेशादि, फल पाठ, पंचांग श्रवण आदि करना चाहिए। प्रात: कर्म के बाद हाथ में गंध, अक्षत, पुष्प, जल लेकर संकल्प करना चाहिए। बालू की वेदी पर अष्टदल कमल बनाकर ब्रहमादेव की स्वर्ण मूर्ति स्थापित करें। ब्रहमादेव का आहान, आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र अर्पण, यज्ञोपवीत, चंदन, पुष्प, धूप-दीप नैवेद्य ताम्बूल, नमस्कार, पुष्पांजलि देकर विधिवत पूजन कर पंचांग श्रवण का विधान है। नीम के कोमल पत्ते ग्रहण करें। इससे राजा-प्रजा और देश, राज्य, नगर, ग्राम में शांति रहती है।

चार ग्रहण और

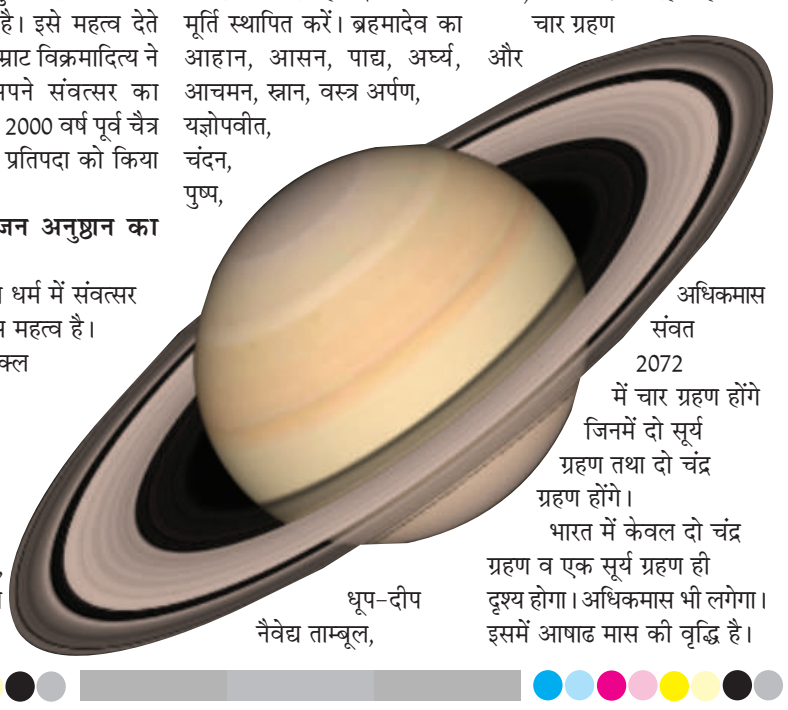

अधिकमास संवत 2072 में चार ग्रहण होंगे जिनमें दो सूर्य ग्रहण तथा दो चंद्र ग्रहण होंगे।

भारत में केवल दो चंद्र ग्रहण व एक सूर्य ग्रहण ही दृश्य होगा। अधिकमास भी लगेगा। इसमें आषाढ मास की वृद्धि है।

गजानन के सिर से सीखें, फायदेमंद बातें

भगवान श्रीगणेश के बारे में जितना अधिक जानेंगे। उतना ही ज्ञान आप अर्जित कर सकते हैं, जैसे कि गणेश जी का सिर। भगवान के सिर में मौजूद अंगों से भी आप बहुत कुछ सीख सकते हैं।

भगवान गणेश जी का बडा सिर हमें बडी और फायदेमंद बातें विचार करने पर प्रेरित करता है। उनके बडे कान विचारों और सुझावों को धैर्यपूर्वक सुनने के सीख देते हैं। उनकी छोटी आंखें कार्यों को उचित ढंग से और जल्दी पूरा करने की ओर इशारा करती हैं। भगवान की लंबी नाक हमें अपने चारों और घट रही घटनाओं को सीखने के लिए प्रेरित करती हैं। गणेश जी का छोटा मुंह कम बोलने और ज्यादा सुनने की याद दिलाता है।

यह भी आजमाएं : जो भी करना है अभी करें। हमेशा बेहतर की मांग करें क्योंकि भविष्य वर्तमान में ही मौजूद रहता है। सोच का दायरा बढाएं। सकारात्मक दृष्टिकोण से कार्य करें। सोचना बहुत मेहनत का काम है। समस्याओं को दबाएं और अवसरों को उभारें।

नई डिजिटल क्रिप्टो करेंसी...

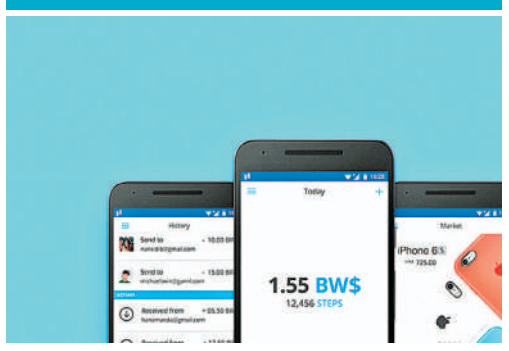

एक नई डिजिटल क्रिप्टो करेंसी लॉन्च की गई है जिससे इंसान पैदल चलकर कमाई कर सकेगा। इस करेंसी का नाम है बिटवॉकिंग डॉलर, जो डिजिटल क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की तरह ही कंप्यूटर से पैदा होगी। स्मार्ट फोन यूजर फोन पर बिटवॉकिंग ऐप की मदद से रिकॉर्ड करेगा कि वो कितने कदम पैदल चला है। फिर कदमों की गिनती के आधार पर प्रति दस हजार कदमों पर यूजर को लगभग एक बिटवॉक डॉलर मिलेगा। शुरू शुरू में, यूजर को कमाई गई करेंसी ऑनलाइन स्टोर में खर्च करने या उससे नकद कमाने का मौका मिलेगा। संस्थापकों का मानना है यह तकनीक विकासशील और गरीब देशों में फिटनेस उद्योग के विकास में खासी मददगार हो सकती है। इनके अनुमान के अनुसार बिटवॉकिंग योजना गरीब देशों के नागरिकों के जीवन को पूरी तरह से बदलकर रख देगी। प्रोजेक्ट की शुरुआत करने वाले निसान बहार और फ्रेंकी इम्बेसी को इस प्रोजेक्ट के लिए जापानी निवेशकों से शुरुआती दस मिलियन डॉलर की मदद मिली है। जापानी मदद की बदौलत वे ऐसे बैंक और करेंसी की शुरुआत करेंगे जो चले गए कदमों और किसी भी तरह के हस्तांतरण को सत्यापित करेगा। इसके अलावा कुछ जूते बनाने वाली कंपनियां इस करेंसी को अपनाने के लिए अपनी सहमति दे चुकी हैं। वैसे पैदल चलकर बिटवॉकिंग डॉलर कमाने का यह कोई नया प्रयोग नहीं है। कई स्टार्ट-अप समूह, सेहत बनाओ और कमाई करो का विचार पहले लागू कर चुके हैं, लेकिन गति को सही सही मापने में उन्हें सफलता नहीं मिली। क्रिप्टो करेंसी एक ऐसी डिजिटल या वर्चुअल करेंसी है, जिसमें सुरक्षा के लिए क्रि?टोग्राफी का इस्तेमाल किया जाता है। दुनिया की सबसे पहली क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन है, जो 2009 में लॉन्च हुई थी।

नाम विदेशी लेकिन देसी ब्रांड

कई ब्रांड ऐसे हैं जिनका नाम सुनकर ऐसा लगता है कि ये विदेशी हैं, लेकिन कई मामलों में ऐसा नही है। पीटर इग्लैंड का नाम तो सुना ही होगा और कई बार टीवी पर ऐड भी देखा होगा। नाम सुनकर यह एक विदेशी कपड़ों का ब्रांड लगता है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। पीटर इंग्लैंड वास्तव में आदित्य बिरला ग्रुप की मदुरा गार्मेंट्स का हिस्सा है। अमेरिकन स्वान का नाम सुना ही होगा। शायद आपको लगा हो कि ये विदेशी कपड़ो का ब्रांड है। जी नहीं! अमेरिकन स्वान भारतीय ब्रांड है। इसे 2013 में अनुराग राजपाल ने लांच किया था। लुई फिलिप भी आदित्य बिरला का हिस्सा है। 1989 में इसकी शुरुआत हुई। एलन सोली आदित्य बिरला ग्रुप का ब्रांड है। वेन ह्यूजन भी आदित्य बिरला ग्रुप से जुड़ा हुआ है। वेस्टसाइड टाटा ग्रुप का एक डिविजन है। फ्लाइंग मशीन की शुरुआत अरविंद ग्रुप ने की। मांटे कार्लो ओसवाल वूलन मिल्स लिमिटेड का हिस्सा है। द मिलानो साहिल मालिक चलाते हैं।

बढ़ती उम्र को रोकें....

रोजमर्रा की भागदौड़ और जिम्मेदारियों को पूरा करने के चक्कर में युवाओं की उम्र कब बढ़ने लगती है पता ही नहीं चलता। लेकिन चेहरे पर आती झुर्रियों को दूर करने के लिए कुछ उपाय अपनाकर इससे बचा जा सकता है। खूब पानी पिएं। पानी पीने से त्वचा नम होती है और इससे झुर्रियां दूर होती हैं। पूरी नींद लें। दिन में कम से कम 7 से 8 घंटें सोएं। माइश्चराइजर का इस्तेमाल करते रहें। सिर्फ सर्दियों में ही नहीं गर्मीयों में भी त्वचा पर क्रीम लगाते रहें। सेहतमंद खाना खाएं। ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियां और फल खाएं। इसके अलावा सूखे मेवे भी फायदेमंद हैं। तनाव से खुद को दूर रखें।

आनलाइन लगेगी छात्रों की हाजिरी

उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों की हाजिरी अब ऑनलाइन लगेगी। इसके लिए बेसिक शिक्षा परिषद ने ऑनलाइन सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इस योजना के तहत शिक्षकों को अब सुबह विद्यार्थियों की उपस्थिति के बाद अपने मोबाइल से बेसिक शिक्षा परिषद को मैसेज भेजना होगा, जिससे विभाग की सभी योजनाओं में होने वाले धन के दुरुपयोग को रोका जा सके। बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षकों को उनके क्लास रूम में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की विद्यालय के रजिस्टर में हाजिरी करने के साथ ही परिषद को अपने मोबाइल से एक मैसेज भी भेजना होगा। इस मैसेज के पहुंचते ही परिषद के सॉफ्टवेयर में विद्यार्थियों की हाजिरी लग जाएगी।

फैशन और ट्रैंड के चलते आजकल लड़के लंबी दाढ़ी और मूंछे रखने लग गए हैं। हालांकि दाढ़ी और मूंछ में लड़के बहुत ही स्मार्ट दिखाई देते हैं लेकिन यह बात भी सामने आई है कि दाढ़ी रखना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद भी है। हालांकि कुछ शोध बताते है कि लड़कियां दाढ़ी रखने वाले लड़कों को कम ही पसंद करती हैं। इसके समर्थन में वे कारण गिनाए गए हैं कि क्यों लड़कियों को दाढ़ी वाले लड़के पसंद नही हैं। तो हम यहां जानेंगे दाढ़ी के कितने फायदे हैं और कितने नुकसान।

दाढ़ी से फायदा या नुकसान...?

मूंछ और दाढ़ी रखने वाले युवाओं की पर्सनैलिटी को लोग दो तरीके से जज करते हैं। कुछ लोगों की नजरों में जहां वे हैंडसम और डैशिंग कहलाते हैं, तो वहीं कुछ लोगों को वे आलसी नजर आते हैं। प्रोफेशनल लुक में भी कई बार दाढ़ी और मूंछ प्रॉब्लम खड़ी करती है। लेकिन बहुत ही कम लोग इस बात से वाकिफ होंगे कि चेहरे पर दाढ़ी कई प्रकार की समस्याओं से दूर रखती है। हालांकि, कई बार ज्यादा दाढ़ी इरिटेट भी करती है, लेकिन समय-समय पर इसकी ट्रिमिंग कराकर इरिटेशन से बचा जा सकता है।

स्किन कैंसर से बचाव

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि सूर्य से निकलने वाली हानिकारक यूवी किरणों से दाढ़ी बचाव करती है। दाढ़ी के बाल 95 प्रतिशत तक इन हानिकारक यूवी किरणों को रोकते हैं। शरीर के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदायक ये किरणें जानलेवा बीमारी कैंसर का कारण भी बन सकती हैं। इन किरणों से बचने के लिए दाढ़ी रखना सेहत और स्टाइल, दोनों लिहाज से अच्छा रहता है।

एलर्जी की समस्या दूर

धूल और पॉल्यूशन के कारण होने वाली एलर्जी और अस्थमा की समस्या को कम करने में भी दाढ़ी के बाल बहुत ही मददगार होते हैं। ये बाल एक प्रकार से फिल्टर का काम करते हैं, जो चेहरे पर किसी भी चीज को डायरेक्ट पहुंचने से रोकते हैं। आंखों की पलकें और नाक के बाल भी यही काम करते हैं। फिल्टर के बाद प्योर ऑक्सीजन बॉडी में पहुंचती है।

बनाए रखे जवां

एजिंग की समस्या को कम करती है दाढ़ी। दाढ़ी पॉल्यूटेड एनवायरन्मेंट से स्किन को बचाती है, जिससे असमय दिखने वाले बुढ़ापे की समस्या भी दूर होती है। चेहरे को पानी से धोने पर नमी बनी रहती है। साथ ही, चेहरे के सेबेसियस ग्लैंड्स भी बिअर्ड से कवर्ड रहते हैं। इनसे नमी को बनाए रखने वाले ऑयल निकलते हैं। स्टाइल के लिए रखी जाने वाली

बियर्ड जहां उम्र कम दिखाती है, वहीं कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि बियर्ड से उम्र ज्यादा नजर आती है।

बीमार की आशंका कम

गर्मियों में गर्मी से और सर्दियों में सर्दी से बचाने में दाढ़ी कारगर साबित होती है। दाढ़ी सर्दी में चेहरे को गर्म रखने का काम करती है। बाहर की ठंडी हवाएं डायरेक्ट चेहरे तक नहीं पहुंच पाती। पुराने समय में ऋषि-मुनि दाढ़ी-मूंछ रखते थे। संभवतः इसके पीछे उनका मकसद रोगमुक्त होना रहा हो।

इन्फेक्शन से बचाव

दाढ़ी चेहरे पर होने वाले कई सारे बैक्टीरियल इन्फेक्शन्स, फॉलिकल्स और दाग-धब्बों से बचाती है। शेविंग के दौरान स्किन कट जाने से कई प्रकार के इन्फेक्शन्स हो जाते हैं। साथ ही, कई बार ये बड़े घाव तक बन जाते हैं। जो लोग दाढ़ी रखते हैं, उनके साथ ये समस्या नहीं हो सकती।

दाग-धब्बे ऑल क्लीयर

चेहरे के बाल कई प्रकार के दाग-धब्बों, जलने-कटने से बचाने के साथ ही उन्हें छिपाते भी हैं। ये चेहरे के ग्लो को भी बनाए रखते हैं। पुरुषों का दाढ़ी रखना इसलिए भी फायदेमंद माना गया है।

नेचुरल मॉइश्चराइजर

ड्राय स्किन की शिकायत सिर्फ महिलाओं के साथ ही नहीं, पुरुषों के साथ भी हो सकती है। इससे बचने के लिए मॉइश्चराइजर और क्रीम लगाते हैं, लेकिन दाढ़ी भी स्किन को ड्राय होने से बचाती है।

दाढ़ी के नुकसान भी

मर्दों की दाढ़ी को लेकर और दो तरह के अध्ययन किए गए हैं। पहले सर्वे में करीब 100 आदमियों पर अध्ययन किया गया, जिनकी उम्र 18 से 72 साल के बीच थी। ये 100 पुरुष भारत और अमरीका से थे। इन सभी पुरुषों की दाढ़ी अलग-अलग तरह की स्टाइल और लेंथ में थी। इस आधार पर इनके सामने कुछ सवाल रखे गए। इस सर्वे के अनुसार, दाढ़ी रखे 86 प्रतिशत भारतीय मर्द और 65 फीसदी अमरीकी मर्द तुलनात्मक रूप से अधिक रूढ़िवादी पाए गए। एक ऑनलाइन सर्वे द्वारा कराए गए इस सर्वे में पाया गया है कि दाढ़ी रखने वाले पुरुष अपनी पार्टनर के प्रति कम वफादार होते हैं। वहीं एक अन्य रिसर्च में कहा गया है कि ऐसे ज्यादातर पुरुष धोखेबाज होते हैं। हालांकि विशेषज्ञों की मानें तो दाढ़ी रखना काफी नुकसानदेह भी साबित हो सकता है।

क्या सोचती हैं लड़कियां

गुस्सैल दिखना: दाढ़ी वाले युवा गुस्सैल दिखते हैं। एक शोध में यह पाया गया है कि आमतौर पर लड़कियां दाढ़ी रखने वाले युवाओं को गुस्सैल और लड़ाकू समझती हैं।

गुदगुदी होती है: वैसे तो अपने मेल पार्टनर की दाढ़ी में हाथ फेरना कुछ महिलाओं के लिए रोमांटिक हो सकता है, लेकिन कई अध्ययनों से यह साबित हुआ है कि दाढ़ी-मूंछ के चलते महिलाओं को गुदगुदी होती है जिससे उन्हें काफी परेशानी होती है। दाढ़ी चुभने पर महिलाओं का मूड ऑफ हो जाता है।

दाढ़ी से एलर्जी: जाहिर है जिन लोगों की स्किन हाइपर सेंसिटिव है, जिन्हें हल्की दाढ़ी भी चुभती है और फौरन रैशेज निकल आते हैं, उनके करीब जाना खतरों से भरा है।

उम्रदराज दिखते हैं: लड़कियों का मानना है कि क्लीन शेव लड़के यंग दिखते हैं, लेकिन दाढ़ी में वो ज्यादा मैच्योर और उम्रदराज नजर आते हैं।

क्लीन शेव वालों की छवि: जो लड़के क्लीन शेव होते हैं, उनके बारे में धारणा यह है कि वे सफाई पसंद होते हैं और हाइजीन का ख्याल रखते हैं।

स्टाइल स्टेटमेंट बन गए बेल्ट...

बेल्ट, है तो बहुत छोटा परंतु दाम में आपकी किसी पोशाक का मुकाबला कर सकता है। इसे पहले केवल पैंट को कसने के लिए पहना जाता था लेकिन आज यह एक स्टाइल स्टेटमेंट बन चुकी है। यह सुंदर चीज बहुत छोटी है लेकिन बडी स्टाइलिश। जब आप इसे अपनी कमर पर बांधते हैं, ये आपके पूरे रूप को परिवर्तित कर देता है। इसे पुरुष अपनी पतलून के साथ तथा महिलाएं अपनी स्कर्ट के साथ पहनना पसंद करती हैं। इसे पहले इसे केवल चमडे से बनाया जाता था किंतु आज ये कपडे या कृत्रिम चमड़े में भी बनी मिलती है।

चमड़े का बेल्ट: चमड़े का बेल्ट चाहे काले रंग का हो या भूरे रंग का आपको एक फॉर्मल लुक देने में मदद करता है। आप इस बेल्ट को अपनी फॉर्मल पैंट या जीन्स के साथ पहन सकते हैं। चूंकि ये बेल्ट चमड़े के बने होते हैं इन्हें संभालकर रखना बहुत जरूरी है। कमरे में यहां-वहां फैंकने से ये खराब हो सकते हैं।

ब्रैडेड बेल्ट: सुंदर ब्रैडेड बेल्ट के साथ अपने अद्भुत व कूल रूप को प्रकट करें। यदि आप लोगों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हैं तो ये बेल्ट आपकी इस तमन्ना को पूरा कर सकता है। एक अच्छा लुक पाने के लिए इसे अपनी किसी भी सादी पतलून के साथ पहनें।

नियॉन बेल्ट: रंग-बिरंगे नियॉन बेल्ट आपके होश उडा देंगे। अब तक आप बेल्ट को अपनी पैंट को टिकाए रखने के लिए खरीदते थे। परंतु ये नियॉन बेल्ट एक फैशन स्टेटमेंट बनाने के लिए एवं आपको एक स्टाइलिश लुक प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं। हज़ारों की भीड में अपनी एक अलग पहचान बनाने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति इस बेल्ट को खरीद सकते हैं। इस बेल्ट को पुरुषों व महिलाओं दोनों द्वारा पहना जा सकता है।

टेक्स्चर्ड बेल्ट: कुछ टेक्स्चर्ड बेल्ट चमड़े के बने होते हैं तो कुछ कपड़े के। दोनों की तुलना में कपड़े के बेल्ट ज्यादा कारगर साबित होते हैं और इसे फाक्स सूड कहा जाता है। सूड बेल्ट काफी आरामदायक होते हैं और ये लेनिन व खाखी कॉम्बो के साथ सही बैठते हैं। हमें इसकी आरामदायक पकड व सुंदरता बेहद पसंद है। इस बेल्ट की खासियत को जानने के लिए इसे एक बार जरूर पहनें।

ट्रैवल बेल्ट: क्या आप अक्सर टुर पर रहते हैं? तथा पैसों के साथ अपने जरूरी दस्तावेजों को संभालना आपके लिए बहुत जरूरी हो जाता है? तो ट्रैवल बेल्ट पर एक नजर डालें। ट्रैवल बेल्ट में मौजूद चोर पाकिट आपके पैसों व कार्ड को संभाले रखने में मदद करता है।

ज्यादा वजन में भी स्मार्ट दिखें...

मर्दों की चाहे कितनी भी उम्र हो जाए, लेकिन लड़कियों की तरह वे भी अपने वजन से कम ही दिखना चाहते हैं। मोटापा युवाओं को उम्र से ज्यादा बड़ा दिखता है और स्टाइल में भी कमी ला देता है, लेकिन अपने पहनावे में कुछ छोटे मोटे बदलाव कर के, पतले और स्मार्ट दिख सकते हैं। जानिए, इसके लिए क्या करने की जरूरत है।

फिटिंग के कपड़े: यह सोचना छोड़ दें कि ढीले ढाले कपड़ों में आप मोटे नहीं दिखेंगे। ढीले कपड़े मोटापे को और उभारते हैं इसलिए अपनी फिटिंग के ही कपड़े पहनें।

सीधी लाइन वाली शर्ट: ज्यादा वजन वाले युवाओं को सीधी लाइन वाली शर्ट ही पहननी चाहिए। ऐसा करने से उनकी तरफ देखने वाले लोगों की नजर उन रेखाओं पर जाती है यानी ऊपर से नीचे न कि वजन यानी दाएं से बाएं। यह साबित भी हो चुका है कि इंसानी दिमाग पहले सीधी लंबी रेखाओं की तरफ ही जाता है।

शर्ट को टक इन न करें: कोशिश करें हर बार शर्ट या टीशर्ट को पैंट के अंदर टक इन कर के न चलें। टक इन कर ने पर आपका पेट निकला हुआ दिखेगा जो जाहिर है आप नहीं चाहते।

गाढ़े रंग के कपड़े: गाढ़े रंग के कपड़े आप पर ज्यादा फबेंगे। ये भी एक मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है कि एक ऊपर से नीचे तक एक जैसा गाढ़ा रंग का कपड़ा पहनने वाला पतला दिखता है।

दाढ़ी और बाल: अपने बालों और दाढ़ी को इस तरह ही रखें जिससे आपका चेहेरा लंबा दिखे। इससे आप भी पतले दिखेंगे। फ्रेंच स्टाइल दाढ़ी जो ठुड्डी की तरफ लंबी हो, आप पर जमेगी।

HEALTH

सिर्फ नमक का ज्यादा सेवन ही इस बीमारी के लिए जिम्मेदार नहीं

पोटैशियम के कम सेवन से भी हाई ब्लडप्रेशर

उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि कम मात्रा में पोटैशियम का सेवन भी आपको इसका मरीज बना सकता है। एक नए शोध में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि आहार में अधिक पोटैशियम ग्रहण करने वाली किशोरियों में बाद में रक्त चाप कम पाया गया।

सोडियम की मात्रा कम करने पर बल देना जरूरी नहीं

बोस्टन विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन के लीन मूरे ने कहा कि इसके विपरीत, रक्तचाप पर अकेले सोडियम का कोई प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर बच्चों तथा किशोरों के आहार में सोडियम की मात्रा कम करने की जरूरत पर बल देने की जरूरत नहीं।

...तो नहीं पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जो किशोरियां प्रतिदिन तीन हजार मिलीग्राम नमक का सेवन करती हैं, उनके रक्तचाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि जो किशोरियां प्रतिदिन 2,400 मिलीग्राम या उससे अधिक पोटैशियम का सेवन करती हैं, तो बाद में उनका रक्त चाप कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लोगों को दो हजार मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करने की सलाह देता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था के अंत में आहार में सोडियम व पोटैशियम का रक्तचाप पर दीर्घावधि तक प्रभाव का अध्ययन किया।

आपसे कुछ चाहता है माइक्रोसॉफ्ट...

दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट जल्दी ही एंड्रॉयड के लिए ऑफिस प्रोडक्ट लॉन्च करने जा रही है। इससे आप माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, एक्सेल और पॉवरपॉइंट जैसे सॉफ्टवेयर अपने स्मार्टफोन और टैबलेट पर इस्तेमाल कर सकेंगे। माइक्रोसॉफ्ट चाहता है कि एंड्रॉयड इस्तेमाल करने वाले लोग उसके इस नए प्रोडक्ट की बीटा टेस्टिंग में उसकी मदद करें। ये बीटा टेस्टिंग वर्ड, एक्सेल, पॉवरपॉइंट, विसिओ, वन नोट, एक्सेस, पब्लिशर और आउटलुक के लिए होंगे।

क्या करना होगा ?

इसके लिए आपको माइक्रोसॉफ्ट के शेयरप्वाइंट वेबसाइट पर जाकर रेजिस्ट्रेशन करना होगा। ये बीटा टेस्टिंग आप होम या बिजनेस यूजर के लिहाज से कर सकते हैं। इसके बाद आपको कई तरह के एप्लीकेशन और सर्विस को समझने का भी मौका मिलेगा। बस एक बात का ध्यान रखना होगा। आपके ऑफिस 365 सॉफ्टवेयर में जो भी सॉफ्टवेयर हैं आप सिर्फ उन्हीं से जुड़े प्रोडक्ट्स के लिए रजिस्टर कर सकते हैं। इसकी फिलहाल कोई गारंटी नहीं है कि आपको ये मौका मिल ही जाएगा, पर अगर आप दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी की छोटी मदद कर सकते हैं तो आपके लिए ये बड़ी बात होगी।

माइक्रोसॉफ्ट को क्या फायदा

माइक्रोसॉफ्ट को इससे यह फायदा होगा कि उसे बीटा टेस्टिंग के जरिये लोगों की पसंद-नापसंद का पता चल जाएगा। डेस्कटॉप सॉफ्टवेयर के बाजार में माक्रोसॉफ्ट का 90 फीसदी से भी ज्यादा का हिस्सा है। पिछले दशक में माइक्रोसॉफ्ट ने मोबाइल फोन और स्मार्टफोन की क्रांति पर ध्यान नहीं दिया जिससे बाजार अब गूगल और एप्पल के नाम हो गया है, लेकिन अब मोबाइल सॉफ्टवेर के बाजार में भी माइक्रोसॉफ्ट अपना हिस्सा बढ़ाना चाहता है।

संपादकीय

राजनीति के दो बिंब

यह भारतीय राजनीति का सबसे नाजुक दौर है। विपक्ष के लिए तो अग्नि-परीक्षा का समय है, लिहाजा बंगाल का 'केसरिया जनादेश' क्यों जरूरी था, अब यह समझ में आ रहा है। 'वॉशिंगटन पोस्ट', 'द इकोनॉमिस्ट', 'वॉल स्ट्रीट जनरल' सरीखे अमरीकी मीडिया में विश्लेषण छप रहे हैं कि भारत में प्रधानमंत्री मोदी को जो जनादेश मिले हैं, जितनी संख्या में वोट दिए गए हैं, वे वाकई अद्वितीय हैं। अर्थात किसी अन्य विश्व-नेता को इतने जनादेश हासिल नहीं हैं। इन विश्लेषणों के ये निष्कर्ष भी दिए गए हैं कि भारत 'एकदलीय' लोकतंत्र की ओर बढ़ रहा है। यह निष्कर्ष बिल्कुल गलत है, क्योंकि अब भी कई राज्यों में भाजपा 'नगण्य' है और वहां विपक्ष की सरकारें हैं। बहरहाल बंगाल के शपथ-ग्रहण समारोह के मंच से दो बिंब आंखों में ही बस गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के सबसे बुजुर्ग और पुराने कार्यकर्ता, 98 वर्षीय माखन लाल सरकार के पांव छुए और फिर उन्हें शॉल ओढ़ा कर गले लगा लिया। कितना संस्कारी और प्रेरक संदेश अभिव्यक्त हुआ होगा? माखनलाल 'जनसंघ' के संस्थापक और सर्वप्रथम नेहरू कैबिनेट में उद्योग-वाणिज्य मंत्री रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सहयोगी रहे हैं। उनके 'कश्मीर आंदोलन' के सहभागी रहे हैं और वहां 'तिरंगा' फहराने के कथित अपराध में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। यह बिंब इतिहास और वर्तमान के संगम को साफ करता है। चूंकि बंगाल में पहली बार 'केसरिया सत्ता' हासिल हुई है, लिहाजा ऐतिहासिक क्षण थे, लिहाजा भाजपा के बहुत पुराने चेहरों को भी याद किया गया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर ही दंडवत प्रणाम कर बंगाल की जनता का आभार जताया कि उसकी बदौलत ही 'भगवा सरकार' आज सामने है। यह है भारत के लोकतंत्र की ताकत! ममता बनर्जी भी आत्मचिंतन कर रही होंगी! यह प्रधानमंत्री मोदी की 'विशुद्ध राजनीति' हो सकती है, लेकिन हमने चार दशक से अधिक की पत्रकारिता के दौरान किसी अन्य प्रधानमंत्री को ऐसी मुद्रा में नहीं देखा। आखिर वे भी राजनीति के जरिए ही प्रधानमंत्री बने थे। बहरहाल अब हालात ये हैं कि तृणमूल कांग्रेस के 14-15 सांसद ही गायब बताए जा रहे हैं। वे चुनाव में बिल्कुल निष्क्रिय रहे। यही नहीं, कुछ नवनिर्वाचित विधायकों ने ही 'दीदी' को आंख दिखाना शुरू कर दिया है। सवाल है कि चुनावी पराजय के बाद तृणमूल क्या बिखराव के मुहाने पर है? तृणमूल का बिखराव या टूटन अपनी जगह है, लेकिन विपक्ष का 'इंडी' गठबंधन आज कहां है? तमिलनाडु में द्रमुक की पराजय क्या हुई कि उसके गठबंधन में 'सत्ता की मलाई' चाटने वाले घटक-कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, वीसीके, आईयूएमएल आदि-छलांग लगा कर, पाला बदल कर, 'टीवीके' के समर्थन में चले गए। द्रमुक अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ने इसे पीठ में छुरा घोंपने वाला विश्वासघात करार दिया है। यही नहीं, लोकसभा में द्रमुक सांसद कनिमोई ने स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि उनकी सीटें बदल दी जाएं, क्योंकि अब कांग्रेस के साथ उनका गठबंधन नहीं रहा। सवाल है कि 'इंडी' गठबंधन हमेशा ताश के पत्तों की तरह बिखरा हुआ क्यों रहता है? बेशक उद्धव ठाकरे की शिवसेना हो या हेमंत सोरेन का झामुमो अथवा केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और चुनाव तक ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस रही हो, सभी नेता विरोधाभासी, एक-दूसरे के खिलाफ आरोपिया बयान देते रहे हैं। अक्सर चुनाव भी साथ-साथ नहीं, एक-दूसरे के खिलाफ, लड़ते रहे हैं। फिर 'इंडी' का राग क्यों अलापा जाता रहा है? 'इंडी' नेताओं की गाहे-बगाहे बैठकें तो होती हैं, लेकिन वे आपस में ही खाई खोदते रहे हैं। 'इंडी' का कोई संयोजक नहीं, कोई सचिवालय नहीं, साझा न्यूनतम कार्यक्रम नहीं, अलबत्ता मोदी-विरोध के मुद्दे पर उनकी बांहें हवा में लहराती रही हैं। यदि यही स्थिति रही, तो 2029 के लोकसभा चुनाव का बिंब स्पष्ट दिखाई दे रहा है। तब तक आधी पार्टियां जेल में होंगी और आधी पार्टियां समझौता कर भाजपा-एनडीए में विलीन हो चुकी होंगी। लिहाजा अभी वक्त है कि विपक्ष को सबक सीखना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा के सबसे बुजुर्ग और पुराने कार्यकर्ता, 98 वर्षीय माखन लाल सरकार के पांव छुए और फिर उन्हें शॉल ओढ़ा कर गले लगा लिया। कितना संस्कारी और प्रेरक संदेश अभिव्यक्त हुआ होगा? माखनलाल 'जनसंघ' के संस्थापक और सर्वप्रथम नेहरू कैबिनेट में उद्योग-वाणिज्य मंत्री रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सहयोगी रहे हैं। उनके 'कश्मीर आंदोलन' के सहभागी रहे हैं और वहां 'तिरंगा' फहराने के कथित अपराध में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। यह बिंब इतिहास और वर्तमान के संगम को साफ करता है। चूंकि बंगाल में पहली बार 'केसरिया सत्ता' हासिल हुई है, लिहाजा ऐतिहासिक क्षण थे, लिहाजा भाजपा के बहुत पुराने चेहरों को भी याद किया गया। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने मंच पर ही दंडवत प्रणाम कर बंगाल की जनता का आभार जताया कि उसकी बदौलत ही 'भगवा सरकार' आज सामने है। यह है भारत के लोकतंत्र की ताकत! ममता बनर्जी भी आत्मचिंतन कर रही होंगी! यह प्रधानमंत्री मोदी की 'विशुद्ध राजनीति' हो सकती है, लेकिन हमने चार दशक से अधिक की पत्रकारिता के दौरान किसी अन्य प्रधानमंत्री को ऐसी मुद्रा में नहीं देखा।

कूड़े के ढेर में भोजन तलाशती गायें, प्लास्टिक निगलते बछड़े, सड़कों पर भटकते पशु और गंदगी से जूझती आबादी

सड़कों पर दम तोड़ती गायें

प्रियंका सौरभ

भारत के लगभग हर छोटे-बड़े शहर की एक भयावह तस्वीर अब आम होती जा रही है—कूड़े के ढेर में भोजन तलाशती गायें, प्लास्टिक निगलते बछड़े, सड़कों पर भटकते पशु और गंदगी से जूझती आबादी। एक तरफ समाज गाय को "माता" कहकर पूजता है, दूसरी तरफ वही गायें भूख, बीमारी और लापरवाही के कारण सड़कों पर दम तोड़ रही हैं। यह केवल सफाई व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदनहीनता और दोहरे चरित्र का जीवंत प्रमाण है। आज देश के अधिकांश शहरों में सुबह का दृश्य लगभग एक जैसा होता है। दूध निकालने के बाद पशुपालक अपनी गायों को खुला छोड़ देते हैं। ये पशु फिर गलियों, बाजारों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते घूमते रहते हैं। सड़ी सब्जियाँ, प्लास्टिक की थैलियाँ, मेडिकल वेस्ट और जहरीला कचरा इनके पेट में जाता है। धीरे-धीरे यही जहर उनकी मौत का कारण बनता है। कई बार ऑपरेशन में गायों के पेट से कई किलो प्लास्टिक निकलता है, लेकिन समाज की संवेदनाएँ फिर भी नहीं जागतीं। सबसे बड़ा सवाल उन पशुपालकों से है जो पशु को केवल "दूध देने वाली मशीन" समझते हैं। जब तक गाय से कमाई होती है, तब तक उसकी पूजा होती है, लेकिन जैसे ही वह सड़कों पर छोड़ दी जाती है, उसकी जिम्मेदारी खत्म मान ली जाती है। यह लालच और अमानवीयता का सबसे कुरूप चेहरा है। जिस पशु से घर चलता है, बच्चों की फीस भरती है और परिवार की आय बनती है, उसी को कचरे में मुंह मारने के लिए छोड़ देना किस संस्कृति और किस धर्म का हिस्सा है? विडंबना यह है कि गाय के नाम पर देश में सबसे ज्यादा भावनाएँ भड़काई जाती हैं। राजनीति से लेकर धार्मिक मंचों तक "गौ माता" का जयकारा लगाया जाता है। सोशल मीडिया पर लोग गाय को रोटी खिलाते हुए वीडियो डालते हैं और खुद को बड़ा पशु प्रेमी साबित करते हैं। लेकिन यदि सच में गाय के प्रति प्रेम और सम्मान होता, तो शहरों की सड़कों पर कोई गाय भूखी, घायल या प्लास्टिक खाते दिखाई नहीं देती। आज हालात इतने खराब हो चुके हैं कि शहरों में आवारा पशु केवल अपनी जान ही नहीं गंवा रहे, बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं। सड़क दुर्घटनाओं में हर साल हजारों लोग घायल होते हैं। रात के अंधेरे में अचानक सामने आए पशु कई बार जानलेवा हादसों का कारण बनते हैं। लेकिन न प्रशासन गंभीर दिखता है और न समाज। नगर निगम और स्थानीय प्रशासन समय-समय पर अभियान चलाने की बातें करते हैं, लेकिन समस्या जड़ से कभी हल नहीं होती। कुछ पशु पकड़कर गौशालाओं में भेज दिए जाते हैं, कुछ दिनों तक कार्रवाई दिखाई जाती है और फिर सब पहले जैसा हो जाता है। असल समस्या यह है कि पशुपालकों की जवाबदेही तय ही नहीं की जाती। यदि कोई व्यक्ति अपने पशु को सड़क पर छोड़ता है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई क्यों नहीं होती? यह संकट केवल पशुओं तक सीमित नहीं है। शहरों में फैला कचरा और गंदगी अब सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। खुले कूड़े के ढेर मच्छरों, मक्खियों और संक्रमण का घर बनते जा रहे हैं। बारिश में यही कचरा नालियाँ जाम करता है और जलभराव के साथ बीमारियों का संकट पैदा करता है। लेकिन हम सफाई को अब भी केवल सरकारी जिम्मेदारी मानकर अपने कर्तव्यों से बच निकलना चाहते हैं। भारत "स्मार्ट सिटी" और आधुनिक विकास के बड़े-बड़े दावे करता है। चमकती सड़कें, बड़े मॉल और ऊँची इमारतें विकास का प्रतीक बन गई हैं। लेकिन असली विकास वह होता है जहाँ इंसान और पशु दोनों सम्मान और सुरक्षा के साथ जी सकें। जिस शहर में गायें कूड़े में भोजन तलाशती हों और लोग उस दृश्य को सामान्य मानकर गुजर जाएँ, वहाँ विकास केवल दिखावा है। हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है कि हमने संवेदनशीलता को प्रदर्शन में बदल दिया है। कैमरे के सामने दया दिखाना आसान है, लेकिन व्यवस्था बदलने की मांग करना कठिन। लोग मंदिरों में दान देते हैं, धार्मिक यात्राएँ करते हैं, गाय के नाम पर बहस करते हैं, लेकिन अपने आसपास फैली गंदगी और पशुओं की बदहाली पर चुप रहते हैं। राजनीति भी इस मुद्दे पर केवल भावनात्मक लाभ उठाती रही है। चुनावों में गाय और धर्म के नाम पर भाषण दिए जाते हैं, लेकिन सड़कों पर मरती गायों के लिए ठोस नीति कहीं दिखाई नहीं देती। गौशालाओं के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च होने के दावे होते हैं, फिर भी शहरों में बेसहारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। आखिर यह पैसा कहाँ जा रहा है? जवाबदेही कौन तय करेगा? सबसे दुखद बात यह है कि बच्चों की पीढ़ी अब इस अमानवीय दृश्य की आदी होती जा रही है। रोज़ सड़क पर घायल पशु, कूड़े में भोजन तलाशती गायें और गंदगी का माहौल देखकर संवेदनाएँ धीरे-धीरे मरने लगती हैं। एक समाज जो अपने पशुओं तक के प्रति दयालु नहीं रह पाता, वह इंसानों के प्रति भी लंबे समय तक मानवीय नहीं रह सकता। समाधान स्पष्ट है, बस इच्छाशक्ति की जरूरत है। सबसे पहले पशुपालकों की जिम्मेदारी तय करनी होगी। हर पशु का पंजीकरण अनिवार्य हो और पशु को सड़क पर छोड़ने पर भारी जुर्माना लगाया जाए। नगर निकायों को आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणाली लागू करनी चाहिए। प्लास्टिक के खुले उपयोग और कचरे के गलत निस्तारण पर सख्ती जरूरी है। गौशालाओं की वास्तविक स्थिति का पारदर्शी ऑडिट होना चाहिए। साथ ही समाज को भी अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा। सड़क पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक खुले में छोड़ना और हर समस्या के लिए केवल सरकार को दोष देना आसान रास्ता है। शहर नागरिक अनुशासन और सामूहिक जिम्मेदारी से बदलते हैं। आज सड़कों पर फैला कचरा और उसमें भोजन तलाशती गायें केवल बदइंतजामी का दृश्य नहीं हैं। यह हमारे समाज के नैतिक पतन का आईना हैं। गायों के नाम पर शोर बहुत है, लेकिन उनकी वास्तविक पीड़ा पर खामोशी उससे भी बड़ी है। जब तक यह दोहरी मानसिकता खत्म नहीं होगी, तब तक न शहर सच में स्वच्छ होंगे, न पशु सुरक्षित होंगे और न ही हमारा समाज संवेदनशील कहलाने योग्य बचेगा।

भारत के लगभग हर छोटे-बड़े शहर की एक भयावह तस्वीर अब आम होती जा रही है—कूड़े के ढेर में भोजन तलाशती गायें, प्लास्टिक निगलते बछड़े, सड़कों पर भटकते पशु और गंदगी से जूझती आबादी। एक तरफ समाज गाय को "माता" कहकर पूजता है, दूसरी तरफ वही गायें भूख, बीमारी और लापरवाही के कारण सड़कों पर दम तोड़ रही हैं। यह केवल सफाई व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदनहीनता और दोहरे चरित्र का जीवंत प्रमाण है। आज देश के अधिकांश शहरों में सुबह का दृश्य लगभग एक जैसा होता है। दूध निकालने के बाद पशुपालक अपनी गायों को खुला छोड़ देते हैं। ये पशु फिर गलियों, बाजारों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते घूमते रहते हैं। सड़ी सब्जियाँ, प्लास्टिक की थैलियाँ, मेडिकल वेस्ट और जहरीला कचरा इनके पेट में जाता है। धीरे-धीरे यही जहर उनकी मौत का कारण बनता है। कई बार ऑपरेशन में गायों के पेट से कई किलो प्लास्टिक निकलता है, लेकिन समाज की संवेदनाएँ फिर भी नहीं जागतीं। सबसे बड़ा सवाल उन पशुपालकों से है जो पशु को केवल "दूध देने वाली मशीन" समझते हैं। जब तक गाय से कमाई होती है, तब तक उसकी पूजा होती है, लेकिन जैसे ही वह सड़कों पर छोड़ दी जाती है, उसकी जिम्मेदारी खत्म मान ली जाती है। यह लालच और अमानवीयता का सबसे कुरूप चेहरा है। जिस पशु से घर चलता है, बच्चों की फीस भरती है और परिवार की आय बनती है, उसी को कचरे में मुंह मारने के लिए छोड़ देना किस संस्कृति और किस धर्म का हिस्सा है? विडंबना यह है कि गाय के नाम पर देश में सबसे ज्यादा भावनाएँ भड़काई जाती हैं। राजनीति से लेकर धार्मिक मंचों तक "गौ माता" का जयकारा लगाया जाता है। सोशल मीडिया पर लोग गाय को रोटी खिलाते हुए वीडियो डालते हैं और खुद को बड़ा पशु प्रेमी साबित करते हैं। लेकिन यदि सच में गाय के प्रति प्रेम और सम्मान होता, तो शहरों की सड़कों पर कोई गाय भूखी, घायल या प्लास्टिक खाते दिखाई नहीं देती। आज हालात इतने खराब हो चुके हैं कि शहरों में आवारा पशु केवल अपनी जान ही नहीं गंवा रहे, बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी खतरा बनते जा रहे हैं।

दूध निकालने के बाद पशुपालक अपनी गायों को खुला छोड़ देते हैं। ये पशु फिर गलियों, बाजारों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते घूमते रहते हैं। सड़ी सब्जियाँ, प्लास्टिक की थैलियाँ, मेडिकल वेस्ट और जहरीला कचरा इनके पेट में जाता है। धीरे-धीरे यही जहर उनकी मौत का कारण बनता है। कई बार ऑपरेशन में गायों के पेट से कई किलो प्लास्टिक निकलता है, लेकिन समाज की संवेदनाएँ फिर भी नहीं जागतीं। सबसे बड़ा सवाल उन पशुपालकों से है जो पशु को केवल "दूध देने वाली मशीन" समझते हैं। जब तक गाय से कमाई होती है, तब तक उसकी पूजा होती है, लेकिन जैसे ही वह सड़कों पर छोड़ दी जाती है, उसकी जिम्मेदारी खत्म मान ली जाती है। यह लालच और अमानवीयता का सबसे कुरूप चेहरा है।

कुछ अलग

राष्ट्र निर्माण

झुन्नू लाल कई महीनों से अपने घर से लापता थे। उनकी धर्मपत्नी को भी ख़बर न थी। जब भी पूछतीं तो झुन्नू उन्हें किसी राज्य का नाम बता देते, जैसे बंगाल, असम वगैरह। चार महीने बाद जब वह मिले तो उनके हाथ में एक ल_ देखकर मैं चकित रह गया। पूछने पर बोले कि संगठन के काम से पिछले तीन महीने से उन राज्यों के दौरे पर था, जहां चुनाव प्रस्तावित थे। यह विरोधियों के ख़ून और कार्यकर्ताओं के पसीने का ही कमाल था कि पार्टी ने जहां चाहा, वहीं जीती। मैंने पूछा, 'आप अपने साथ इतना बड़ा ल_ लेकर क्यों चल रहे हैं। क्या कोई ख़तरा है, जब सरकार भी आपकी है और देश भी आपका।' वह खीसें निपोरते हुए बोले, 'जब सरकार हमारी तो हमें क्या ख़तरा। पर तुम बड़े तटस्थ बने फिरते हो। समय रहते हमारी तरफ आ जाओ, फिर मत कहना कि किसी ने तुम्हें चेताया नहीं था। अगर किसी ने तुम्हारा सिर फोड़ दिया, घर में लूटपाट हुई या बीवी-बेटी को छेड़ दिया, तो हमें दोष मत देना। अभी हम विरोधियों को ठिकाने लगा रहे हैं। हमारे विरोध का मतलब राष्ट्रविरोध। तटस्थता का अब कोई लाभ नहीं। इस तरफ रहना है या उस तरफ, फैसला तुम्हारा है। पर अच्छे पड़ोसी होने के नाते मेरा आग्रह है कि तुम हमारे पाले में आ जाओ, अभी समर शेष है। हमारे पास मोटिव है। हमें समूची भारतभूमि पर कब्जानी है। दिनकर बता गए हैं कि पाप के भागी केवल मेरे जैसे व्याध ही नहीं होंगे। तुम्हारे जैसे तटस्थ भी अपराधी कहे जाएंगे। समय किसी को क्षमा नहीं करता। पर इधर रहोगे तो सुरक्षित रहोगे, उधर रहे तो नुकसान तय है। जनता चीखे या चिल्लाए, हम कभी सिंहासन ख़ाली करने वाले नहीं।

देश दुनीया से

भारतीय सैन्य सेवा की प्रतिज्ञा और अनुबंध के मायने

कोहिमा युद्ध स्मारक पर एक सादा-सा शिलालेख है, जिसको भारतीय भूमि पर लड़े गए भीषणतम युद्धों में एक की यादगार में लगाया था, इस पर उकेरी पंक्ति है : 'जब तुम घर लौटोगे, तो उन्हें हमारे बारे में बताना और कहना कि तुम्हारे कल के लिए, हमने अपना आज दिया'। यह कोई नारा नहीं, सच्चाई की दास्तां है। बहुत से लोगों को पहले और दूसरे विश्व युद्ध में भारतीय सैनिकों के योगदान का तो पता है, जो तीन महाद्वीपों में लड़ी गई थीं। लेकिन बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि दूसरे विश्व युद्ध की एक लड़ाई भारतीय भूमि पर भी लड़ी गई। कोहिमा की लड़ाई, जिसे 'भूला-बिसरा युद्ध' भी कहा गया था , आज दुनिया भर के सैन्य इतिहासकार इसे द्वितीय महायुद्ध के बेहतरीन सैन्य अभियानों में से एक के रूप में मानते हैं। वर्ष 1944 में, पहाड़ी की चोटी पर -जो बाद में कोहिमा की लड़ाई का पर्याय बन गयी-सैनिक इतनी नज़दीकी से लड़े कि आमने-सामने की खंदकों के बीच पड़ता टेनिस कोर्ट ही युद्ध का मैदान बन गया। वर्षों बाद वह शिलालेख न केवल प्राप्त विजय के बारे में है, बल्कि उससे कहीं अधिक गहरी चीज़ का प्रतीक बन गया : अपने आप में सैन्य सेवा की प्रकृति का। इसने कुछ नया नहीं रचा। यह तो एक प्राचीन विरासत पर मुहर लगाता है- भारतीय सैनिक की सभ्यतागत विरासत पर। ऐतिहासिक रूप से, भारतीय सैनिक सदा बलिदान देने के लिए स्वेच्छा से अग्रणी रहा है। यह खासियत मायने रखती है। आज इसका महत्व पहले से कहीं अधिक है। दूसरों के उलट, सैनिक अपनी मर्ज़ी से नौकरी नहीं छोड़ सकता, न यूनियन बना सकता है, न ही तबादले के खिलाफ़ मुक़दमा कर सकता है, और न ही वह किसी ऐसे आदेश को मानने से इनकार कर सकता है जिसकी वजह से उसकी जान भी जा सकती हो। यह महज एक जीवनशैली चुनने का मामला नहीं। जो हक अन्य नागरिकों के पास होते हैं, यह उनका कानूनन समर्पण करना है। गणतंत्र का यह एकमात्र पेशा है, जहां संविधान केवल वह चीज़ नहीं जिसके तहत आप जीते हैं, बल्कि यह वह चीज़ है

जिसके लिए आपको अपनी जान देने का आदेश भी दिया जा सकता है। इस शपथ को उसी ढांचे के अधीन रखना जिसमें सामान्य 'दायित्व-आधारित सेवा' परिभाषित की जाती है, न केवल प्रशासनिक लापरवाही, बल्कि एक 'श्रेणीगत त्रुटि' भी होगी। लेकिन सैनिक का दायित्व शरीर से आगे उसके 'स्व' में समा जाता है। वह उन सब चीज़ों को छोड़ देता है, जो बतौर नागरिक जीवन में उसको अलग पहचान देती हैं। मसलन, भाषा, जाति, धर्म, क्षेत्र, राजनीतिक पसंद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं-ये सभी इंसान के तौर पर उसका हिस्सा तो बनी रहती हैं, लेकिन उस विस्तारित मानसिकता पर हावी नहीं हो पातीं, जिसमें वह स्वयं को ढाल चुका होता है। यह बदलाव क्रियान्वयन से जुड़ा है। गोलीबारी के बीच पहचान प्रबंधन की खातिर एकजुटता खारिज नहीं हो सकती। रेजिमेंट काम कर पाती है क्योंकि वर्दी 'स्व' की जगह कुछ बड़ा स्थापित कर देती है। पहचान अहलदा रखनी पड़ती है क्योंकि ज़िंदा रहने, कमान और भरोसे के लिए यह करना जरूरी है। अंततः सैनिक हरेक नागरिक का सैनिक बन जाता है। जब वह बाढ़, आग या हिंसा-दंगे के बाद राहत पहुंचाने किसी के द्वार पहुंचता है, तो वह उससे उसकी जाति नहीं पूछता। न ही सैनिक अपनी जाति बताता है। भारतीय समाज को बांटने वाली चीज़ें उस दहलीज पर पहुंचते ही मिट जाती हैं। वह निजी पहचान रूपी टुकड़े को वहां पहुंचने से बहुत पहले तज चुका होता है। सेवा चयन बोर्ड में भर्ती के वक्त। पासिंग-आउट परेड में। पहली बार जब वह वर्दी पहनता और समझ बन जाती है कि यह उससे क्या चाहती है। नौकरी के लिए यह त्याग वक्ती नहीं। सेवा का सबसे गहरा रूप है। दरवाज़े पर पहुंचा सैनिक बतौर एक देश आया है। बिना भेदभाव, बिना संकोच, बिना किसी शर्त के राहत पहुंचाने। भारत में सेना उन चंद संस्थाओं में से है, जहां 'अनेकता में एकता ' नारा न होकर कामकाजी अनिवार्यता है। यह उपलब्धि, हमारे गणतंत्र की बड़ी संस्थागत सफलताओं में से एक है। 'जेनरेशन ज़ेड' (1997 से 2012 के बीच पैदा हुई पीढ़ी) इसे सहज बोध से जानती है। यह पीढ़ी संस्थाओं का महिमामंडन नहीं करती। अपनी एकमात्र ज़िंदगी कैसे बिताई जाए, इस बारे में सोच-समझकर भर्ती होती है। यह पीढ़ी पहचान से भरपूर ऐसी दुनिया में पली है, जिसमें प्रत्येक मंच पर उसे बढ़िया कर दिखाना, खुद को बेहतर दिखाना पड़ता है। 'स्व' अब प्रदर्शन बन गया जो थकाऊ होता है। फिर उनका सामना वर्दी से होता है। वर्दी कहती हैः यहां, इनमें से किसी भी चीज़ के मायने नहीं। उनमें से कई के लिए, यह कोई बलिदान न होकर एक राहत है। सेना वह प्रदान करती है जो कोई नवाचार, वेतन और इन्फलुएंसर अर्थव्यवस्था नहीं दे सकतीः एक ऐसा उद्देश्य जो 'स्व' को अपने अंदर समाहित कर ले और उसके बदले कहीं ज़्यादा बड़ा लौटाए। नयी पीढ़ी खुद को न्योछावर करने से भाग नहीं रही। उसे तलाश है ऐसी जगह की, जहां उसका 'स्व' अंततः तिरोहित हो जाए। और वह जगह है वर्दी। आज जो युवा स्वयंसेवक आगे आता है, वह भर्ती आंकड़ों का कोई इत्तेफ़ाक नहीं, न ही किसी और युग की यादें। 'जेनरेशन ज़ेड' ने न सिर्फ अपनी रुचि से, बल्कि अपने परिवार, साथियों और आसपास के नैतिक माहौल से विरासती मूल्यों से भी आकार पाया है।

आप का नजरीया

सोने व ईंधन का संयम

खाड़ी युद्ध से उपजे हालात व बाधित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के बीच प्रधानमंत्री का ईंधन के उपयोग व सोने की खरीद में संयम बरतने का आह्वान निस्संदेह, वक्त की जरूरत है। लेकिन तेलंगाना के बाद बडोदरा से दूसरी बार उनके राष्ट्र को संबोधन व इसके समय को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, हालात काफी दिनों से चुनौतीपूर्ण बने हैं, रुपये में तेज गिरावट व महंगे कच्चे तेल के आयात की वजह से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार काफी दबाव में रहा है। आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि इस घोषणा के लिये विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार क्यों किया गया। कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ माह में सरकार विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। इस दौरान आर्थिक प्रबंधन का मुद्दा हाशिये पर चला गया। अब इन चुनौतियों से मुकाबले के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों से विदेशों में शादियां टालने, सोना खरीदने से बचने के लिये कहना बताता है कि रुपये में तेज गिरावट से सरकार चिंतित है। कहा जा रहा है कि बार-बार अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करने वाली सरकार को जनता से व्यवहार में संयम बरतने का आग्रह करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी। दरअसल, आशंका यह भी है कि इन कदमों के ऐसे भी नतीजे निकल सकते हैं,जिनकी उम्मीद न की गई हो। निर्विवाद रूप से सोना भारतीय संस्कारों में है। वहीं भारत में आभूषण उद्योग लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया है। ऐसे में सोने की खरीद में गिरावट से संपन्न निवेशकों के मुकाबले श्रमिकों को ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है। वहीं दूसरी ओर वर्क-फ्रॉम होम की नीति, काम करने वालों के बड़े तबके के लिए व्यावहारिक नहीं है। निस्संदेह, किसी भी आसन्न संकट में नागरिकों की जिम्मेदारी मायने रखती है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। लेकिन सवाल यह है कि मंत्रियों के कारों के काफिलों पर भी अंकुश लगेगा.. क्या शासन प्रशासन की शाहखर्ची पर लगाम लगेगी...। यदि ऐसा नहीं होता तो जनता की स्वतःस्फूर्त पहल प्रभावित होगी। वैसे भी नागरिक जिम्मेदारी एक हद तक तो प्रभावी हो सकती है,लेकिन वह किसी आपातकालीन योजना का विकल्प नहीं हो सकती। सरकार को भी अपनी आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार की जरूरत है। जहां तक सोने की खरीद पर संयम का सवाल है तो उससे देश में गहरा भावनात्मक लगाव जुड़ा रहा है। सोना हमारी संस्कृति, परंपरा, बचत और पारिवारिक समारोहों में गहरे तक शामिल रहा है। लेकिन सदियों से सम्मोहित करते सोने का आयात विदेशी मुद्रा भंडार पर गहरा असर डालता है। ऐसे में राष्ट्र हितों के मद्देनजर जीवन यापन करना, राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने जैसा है। विगत में कई बार जब देश पर संकट आया तो लोगों ने राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा के लिये सोना तक दान किया। आंकड़े बताते हैं कि देश में हर साल छह सौ से सात सौ टन सोना आयात होता है, लेकिन निर्यात का प्रतिशत ना के बराबर है।

निस्संदेह, हालात काफी दिनों से चुनौतीपूर्ण बने हैं, रुपये में तेज गिरावट व महंगे कच्चे तेल के आयात की वजह से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार काफी दबाव में रहा है। आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि इस घोषणा के लिये विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार क्यों किया गया। कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ माह में सरकार विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। इस दौरान आर्थिक प्रबंधन का मुद्दा हाशिये पर चला गया। अब इन चुनौतियों से मुकाबले के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों से विदेशों में शादियां टालने, सोना खरीदने से बचने के लिये कहना बताता है कि रुपये में तेज गिरावट से सरकार चिंतित है। कहा जा रहा है कि बार-बार अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करने वाली सरकार को जनता से व्यवहार में संयम बरतने का आग्रह करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी। दरअसल, आशंका यह भी है कि इन कदमों के ऐसे भी नतीजे निकल सकते हैं,जिनकी उम्मीद न की गई हो। निर्विवाद रूप से सोना भारतीय संस्कारों में है।

दृष्टि कोण

महिला आरक्षण में देरी का दोषी कौन?

नारी शक्ति वंदन विधेयक, जिसे महिला आरक्षण विधेयक भी कहते हैं, शायद पहला संविधान संशोधन विधेयक है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शासन तंत्र संभालने के बाद पारित नहीं हो पाया। एक बार जब जीएसटी अधिनियम के संदर्भ में राज्यसभा में संख्या सरकार के पक्ष में नहीं थी, तो भी उसे पारित करवाने में सरकार सफल रही थी। प्रश्न यह है कि इस बार नारी शक्ति वंदन विधेयक क्यों पारित नहीं हो पाया। क्यों अंतिम समय में यह विधेयक गिर गया और सरकार को इससे संबद्ध अन्य दो विधेयक भी वापस लेने पड़े। इस बात को समझने के लिए हमें इस विधेयक को उसके एतिहासिक परिप्रेक्ष्य में समझना पड़ेगा। वर्ष 2023 में 'महिला आरक्षण कानून' बना जिसके अंतर्गत लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। यह कानून तो बन गया, लेकिन लागू नहीं हो पाया था। इसका कारण यह रहा कि इस कानून में यह कहा गया था कि यह कानून नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया (निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण) के बाद ही लागू किया जा सकेगा। सर्वविदित ही है कि जनगणना वर्ष 2021 में होनी थी, जो कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित हो गई और अब उस जनगणना की प्रक्रिया जारी है, जो वर्ष 2028 से पहले पूर्ण नहीं हो सकेगी। जहां तक परिसीमन की प्रक्रिया का सवाल है, वह जनगणना पूर्ण होने पर ही की जा सकेगी, क्योंकि संसदीय क्षेत्रों और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं का निर्धारण जनगणना के बाद ही संभव हो सकता है। ऐसे में पूर्व में बने महिला आरक्षण कानून के आधार पर व्यावहारिक रूप से महिलाओं को आरक्षण इन सभी प्रक्रियाओं (जनगणना और परिसीमन) के बाद ही संभव है, और यह काम आने वाले 2029 के चुनावों तक संभव नहीं हो सकता था। ऐसे में महिला आरक्षण कानून को जल्दी लागू करने की दृष्टि से सरकार एक नवीन महिला आरक्षण अधिनियम (नारी शक्ति वंदन विधेयक) लेकर आई, जिसमें यह प्रावधान था कि लोकसभा और विधानसभाओं के क्षेत्रों का परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर ही कर दिया जाए। यह विधेयक 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में दो-तिहाई

बहुमत के अभाव में पारित नहीं हो पाया और इस प्रकार महिला आरक्षण कानून के आधार पर निकट भविष्य में लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए संभव नहीं होगा। इस विषय को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के बीच बहुत कड़ा रोष है, और साथ ही साथ महिलाओं के मन में भी इस बात की टीस है। लेकिन संविधान के अनुसार जब तक महिला आरक्षण को लागू करने के संबंध में रुकावटों को संसद के द्वारा दूर नहीं किया जाता, महिलाओं के लिए विधायिका में आरक्षण का मार्ग जल्दी नहीं खुलेगा। इस बात को समझने की आवश्यकता है कि क्या विपक्ष के पास कोई ठोस कारण है, जिसके आधार पर उन्होंने इस विधेयक के विरोध में वोट दिया, या यह विरोध मात्र राजनीति से प्रेरित है? विपक्षी दलों के इस संबंध में क्या तर्क हैं? क्या संसद से खारिज वर्तमान विधेयक में संशोधन अथवा स्पष्टीकरण कर महिला आरक्षण के मुद्दे पर कोई समाधान निकल सकता है? विपक्ष ने संसद और संसद के बाहर इस विधेयक के संबंध में कुछ तर्क सामने रखे हैं, इन तर्कों की प्रासंगिकता को भी समझने की जरूरत है। वर्तमान में जिन 230 लोकसभा सदस्यों ने विधेयक के खिलाफ वोट डाला है, उनमें से कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस आदि शामिल हैं। विपक्षी सदस्यों खासतौर पर तमिलनाडु के महत्वपूर्ण राजनीतिक दल डीएमके का कहना है कि यदि जनसंख्या के आधार पर लोकसभा की सीटों का पुनर्वितरण होता है तो उन्हें लोकसभा में अनुपातिक रूप से कम प्रतिनिधित्व मिलेगा क्योंकि पिछले दशकों में तमिलनाडु जैसे दक्षिण के राज्यों ने सफलतापूर्वक जनसंख्या पर नियंत्रण किया है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम घोषित, लियोनेल मेसी शामिल

नई दिल्ली

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी 55 सदस्यीय प्रारंभिक टीम का ऐलान कर दिया है। अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में अगले महीने शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में अर्जेंटीना खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा। टीम के स्टार खिलाड़ी और कप्तान लियोनेल मेसी को भी स्क्वाड में शामिल किया गया है। हालांकि मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी ने साफ किया है कि वर्ल्ड कप में मेसी के खेलने का अंतिम फैसला पूरी तरह इंटर मियामी के इस स्टार फारवर्ड पर निर्भर करेगा।

वहीं स्टार खिलाड़ी पाउलो डायबाला को इस प्रारंभिक टीम में जगह नहीं मिली है, जिसने फुटबाल फैंस को चौंका दिया।

अर्जेंटीना को वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप जे में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला अल्जीरिया, आस्ट्रिया और जार्डन से होगा। टीम अपने अभियान की शुरुआत 16 जून को अल्जीरिया के खिलाफ करेगी।

अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम

गोलकीपर:

एमिलियानो मार्टिनेज, जेरोनिमो रूली, जुआन मुस्सो, वाल्टर बेनिटेज, फाकुंडो कैंबेसेस, सैंटियागो बेल्ट्रान

डिफेंडर्स:

अगस्टिन गुए, गोंजालो मोंटियल, नाहुएल मोलिना, निकोलस कापाल्डो, केविन मैक एलिस्टर, लुकास मार्टिनेज क्वार्टा, मार्कोस सेनेसी, लिसांद्रो मार्टिनेज, निकोलस ओटामेंडी, जर्मन पेजेला, लियोनार्डो बालेर्दी, क्रिस्टियन रोमेरो, लाउतारो डे लो लो, जायद रोमेरो, फाकुंडो मेडिना, मार्कोस अकुना, निकोलस टैग्लियाफिको, गैब्रियल रोजास

मिडफील्डर्स:

मैक्सिमो पेरोनी, लिआंड्रो परेडेस, गुइडो रोड्रिगेज, अनिबाल मोरेनो, मिल्टन डेलगाडो, एलन वरेला, एज़ेक्विएल फर्नांडीज, रोड्रिगो डी पाल, एक्सेक्विएल पलासियोस, एंजो फर्नांडीज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, जियोवानी लो सेल्सो, निकोलस डोमिंगेज, एमिलियानो बुएंडिया, वेलेंटिन बार्को

फारवर्डर्स:

लियोनेल मेसी, निकोलस पाज, फ्रैंको मस्तांतोनो, थियागो अल्माडा, टोमास अरांडा, निकोलस गोंजालेज, एलेजांद्रो गर्नाचो, जूलियानो सिमियोने, माटियास सोली, क्लाउडियो एटक्सेफेरी, जियानलुका प्रेस्टिनी, सैंटियागो कास्त्रो, लाउतारो मार्टिनेज, जोस मैनुअल लोपेज, जूलियन अल्वारेज और माटेओ पेलेग्रिनो।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2026 : धीमी ओवर गति के कारण अक्षर पटेल पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान अक्षर पटेल पर पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ

मुकाबले में धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का यह मुकाबला 11 मई 2026 को धर्मशाला स्थित हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला गया था, जिसमें दिल्ली ने रोमांचक अंदाज में 3 विकेट से जीत दर्ज की थी। आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर गति से संबंधित नियमों के उल्लंघन पर यह कार्रवाई की गई। चूंकि यह दिल्ली कैपिटल्स का इस सीजन पहला ओवर-रेट अपराध था, इसलिए कप्तान अक्षर पटेल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। मैच की बात करें तो पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 210 रन बनाए थे। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 19 ओवर में 7 विकेट खोकर 216 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। दिल्ली की जीत में कप्तान अक्षर पटेल और डेविड मिलर की अर्धशतकीय पारियों ने अहम भूमिका निभाई। अक्षर पटेल ने चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं युवा आलराउंडर माधव तिवारी ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन कर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस जीत के साथ दिल्ली कैपिटल्स ने धर्मशाला के मैदान पर 211 रन का लक्ष्य हासिल कर नया इतिहास रच दिया। यह इस मैदान पर किसी भी टीम द्वारा किया गया सबसे बड़ा सफल रन चेज साबित हुआ।

विश्वकप 2027 के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते हैं क्रुणाल

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में रायल चैलेंसर्स की ओर से शानदार प्रदर्शन

कर रहे क्रुणाल पांड्या का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाना है। पांड्या का प्रदर्शन आईपीएल में गेंद और बल्ले दोनो ही अच्छा रहा है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि चयनकर्ता विश्वकप के लिए उनके नाम पर भी विचार करेंगे। इस क्रिकेटर के अनुसार उनका लक्ष्य केवल आईपीएल में ही अच्छा प्रदर्शन करना नहीं है। उनकी नजरें 2027 एकदिवसीय विश्व कप में अवसर मिलने पर बेहतर खेल दिखाना है। विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित किया जाएगा। क्रुणाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 73 रन बनाकर आरसीबी की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पांड्या ने साल 2027 विश्व कप में खेलने और राष्ट्रीय टीम में वापसी की अपनी इच्छा जतायी। उन्होंने कहा, जब मैं 6-7 साल का था, तो मैं देश के लिए खेलना चाहता था। अभी भी, यही लक्ष्य है। अगले साल विश्वकप होने वाला है। जिसके लिए मैं जगह बनाना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है किमैं अच्छा करता रहूंगा। साथ ही कहा कि अगर मुझे अवसर मिलता है तो ये मेरे परिवार के लिए विशेष अवसर होगा। क्रुणाल करीब पांच साल से टीम से बाहर हैं। जुलाई 2021 में उन्हें अंतिम बार अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अवसर मिला था।

उर्विल भविष्य में बेहतर बल्लेबाज बनेंगे : हरभजन

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के युवा बल्लेबाज उर्विल पटेल की

बल्लेबाजी की जमकर सराहना की है। उर्विल ने हाल ही में आईपीएल 2026 के एक अहम मुकाबले में सीएसके की लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हरभजन ने कहा कि उर्विल में दबाव के बीच भी अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता है। उनकी निडर बल्लेबाजी से मैच का रुख बदल गया। इससे साफ है कि वह आने वाले समय में एक बेहतरीन खिलाड़ी बनेंगे। हरभजन उर्विल की बल्लेबाजी शैली से खासे प्रभावित दिखे। उन्होंने कहा कि युवा बल्लेबाज शुरुआत से ही अपनी रणनीति को लेकर बिल्कुल स्पष्ट थे। हरभजन ने कहा, पहले छह छक्कों को देखकर लगा कि उन्होंने सिर्फ एक ही क्षेत्र को निशाना बनाने का फैसला किया था। जिस तरीके से उन्होंने एक कठिन पिच पर बड़े शाट खेले उससे उनकी असाधारण क्षमता का अंदाजा होता है। वह निश्चित रूप से भविष्य में एक बेहतरीन खिलाड़ी साबित होंगे।उर्विल की बेतरीन पारी से ही ये मैच सीएसके के पाले में आया। यह उर्विल पटेल की आक्रामक बल्लेबाजी ही थी जिसने पूरे मैच का रुख सीएसके की ओर किया।

गुजरात की लगातार पांचवीं जीत, टेबल टॉपर बनी

हैदराबाद को 82 रन से हराया, सुदर्शन-सुंदर के अर्धशतक

अहमदाबाद । गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2026 में लगातार पांचवीं जीत हासिल कर ली। टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ गुजरात 16 पॉइंट्स के साथ टेबल के टॉप पर पहुंच गई हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस जीतकर हैदराबाद ने बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 168 रन बनाए। साई सुदर्शन ने सबसे ज्यादा 61 रन बनाए। वाशिंगटन सुंदर ने 33 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली। हैदराबाद से प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन ने 2-2 विकेट लिए। उनके अलावा पैट कमिंस को एक विकेट मिला।

जवाब में हैदराबाद 14.5 ओवर में 86 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए कप्तान पैट कमिंस ने सबसे ज्यादा 19 रन बनाए। गुजरात के लिए कागिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने 3-3 विकेट लिए। प्रसिद्ध कृष्णा को 2 सफलता मिली।

मोहम्मद सिराज के आगे 4 गेंद टिक पाए ट्रेविस हेड, खाता भी नहीं खुला

गुजरात टाइटंस द्वारा दिए गए 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद की टीम को पहले ही ओवर में उस वक्त करारा झटका लगा जब उनके स्टार ओपनर ट्रेविस हेड बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। गुजरात के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी धारदार गेंदबाजी से मैच के शुरुआती पलों में ही सनसनी मचा दी।

पहले ही ओवर में सिराज ने काटा बवाल

सिराज ने ओवर की पहली गेंद से ही अपना इरादा साफ कर दिया था। पहली तीन गेंदों पर उन्होंने ट्रेविस हेड को अपनी सटीक लाइन और लेंथ से पूरी तरह बांधे रखा। हेड ने गेंद को पंच करने और कट करने की कोशिश की लेकिन सिराज ने उन्हें हाथ खोलने का कोई मौका नहीं दिया। दबाव बढ़ता जा रहा था और हेड इसी दबाव को कम करने के चक्कर में एक बड़ी गलती कर बैठे।

चौथी गेंद पर कर दिया आउट

चौथी गेंद पर सिराज ने एक बेहतरीन लेंथ डिलीवरी फेंकी जो लेग स्टंप की ओर आ रही थी। हेड ने इसे फ्लिक करने की कोशिश की लेकिन गेंद ने बल्ले का ऊपरी किनारा लिया और हवा में उड़ गई। थर्ड मैन पर तैनात निशांत सिंधु ने कोई गलती नहीं की और एक सुरक्षित कैच लपककर हेड की पारी का अंत कर दिया। सिराज ने बाहें फैलाकर अपनी इस बड़ी सफलता का जश्न मनाया क्योंकि हेड जैसे खतरनाक बल्लेबाज को डक पर आउट करना मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता था।

ट्रेविस हेड के आउट होने के बाद क्रीज पर बाएं हाथ के बल्लेबाज ईशान किशन आए। सिराज ने उन्हें भी कोई राहत नहीं दी। ओवर की पांचवीं गेंद पर किशन ने गेंद को ऑफ-साइड में खेलकर सम्मान दिया। ओवर की आखिरी गेंद सिराज ने विकेट मेडन के रूप में समाप्त की।

कागिसो रबाडा का कहर तो देखिए, अकेले ही हैदराबाद का टॉप ऑर्डर तबाह कर दिया,

जीटी के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने कमाल की बॉलिंग की और सबको हैरान कर दिया। हैदराबाद का टॉप ऑर्डर पिछले कुछ सालों से आईपीएल में सबसे खतरनाक टॉप ऑर्डर माना जाता है। लेकिन रबाडा ने अकेले ही सनराइजर्स हैदराबाद का टॉप ऑर्डर तबाह कर दिया। उन्होंने इन फॉर्म अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और स्मरण रविचंद्रन को आउट कर दिया।

दरअसल, साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और स्मरण रविचंद्रन को पावरप्ले में ही आउट कर दिया था। अभिषेक 6, ईशान 11 तो स्मरण सिर्फ 9 रन बनाकर आउट हो गए। रबाडा ने अपने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 28 रन दिए और 3 बड़े विकेट लिए।

रबाडा के इस शानदार स्पेल के चलते हैदराबाद की टीम बैकफुट पर आ गई थी। आईपीएल में एक सीजन के पावरप्ले में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड मोहम्मद शमी के नाम है। उन्होंने 2023 में पावरप्ले में 17 विकेट झटके थे। हालांकि 16-16 विकेट मिचेल जॉनसन ने 2013 तो ट्रेंट बोल्ट ने 2020 में पावरप्ले में झटके थे।

गावस्कर को पंजाब और बेंगलुरु के बीच फाइनल होने की उम्मीद

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इस बार पंजाब किंग्स और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीएल फाइनल में पहुंचेगी। गावस्कर के अनुसार खेल में मिली हार भी कभी-कभी किसी टीम के लिए लाभदायक साबित होती है, इसलिए पिछले एक दो मैचों में हार से भी पंजाब की दावेदारी कमजोर नहीं हुई है । उन्होंने कहा, मैं अब भी पंजाब किंग्स का समर्थन करूंगा। कई बार कुछ हार टीम को बेहतर तरीके से अपने को तैयार करने का अवसर देती हैं।

इससे खिलाड़ी भी अति आत्मविश्वास से बचते हैं। उन्होंने कहए कि दिल्ली कैपिटल्स के पास भी इस सत्र में जीत के कई अवसर थे पर उसने उन्हें गंवा दिया। पंजाब किंग्स इससे सबक लेते हुए अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी।

पंजाब किंग्स ने सत्र की शुरुआत से ही प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शुरुआती सात मैचों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसके बाद टीम को लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी 13 अंकों के साथ टीम अभी भी प्लेआफ की दौड़ में बनी हुई है। वहीं आरसीबी ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आखिरी गेंद पर दो विकेट से जीत दर्ज कर समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ, आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है, उसने 11 मैचों में अपनी सातवीं जीत हासिल की और प्लेआफ की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है। गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के बाकी बचे मुकाबलों को लेकर कहा, टी20 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आम बात है। सत्र समाप्त खत्म होने के बाद टीम को अपनी गलतियों का आंकलन चाहिए।

लेकिन फिलहाल मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपना पूरा योगदान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया, अब बाकी मैचों में युवा खिलाड़ियों को मौका देना सही रहेगा। इससे फ्रेंचाइजी को यह जानने का मौका मिलेगा कि ये युवा खिलाड़ी दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं और भविष्य में टीम के लिए कितने उपयोगी साबित हो सकते हैं।

बांग्लादेश के टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने की जांच शुरू

ढाका। बांग्लादेश की नई सरकार ने अपनी टीम के टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने की जांच शुरू कर दी है। वहां के खेल मंत्रालय ने सोमवार को एक तीन मेंबर्स की कमेटी का गठन किया। जो इस बात की पड़ताल करेगी कि आखिर क्या परिस्थितियों और फैसलों के कारण बांग्लादेश को इस बड़े टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा। इस कमेटी को एडिशनल सेक्रेटरी डा. एकेएम वली उल्लाह करेंगे। इसमें पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता हबीबुल बशर और फैसल दस्तगीर को भी शामिल किया गया है। कमेटी 15 दिनों के अंदर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

डेब्यू मैच में छाए डीसी के माधव तिवारी, कहा मैं 100% गेंदबाज और 100% बल्लेबाज हूं

धर्मशाला

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)2026 में सोमवार को धर्मशाला में खेले गए हाईस्कोरिंग मुकाबले में युवा आलराउंडर माधव तिवारी ने अपने हरफनमौला प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींच लिया। आईपीएल 2026 में अपना पहला पूरा मुकाबला खेल रहे 22 वर्षीय माधव ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार योगदान देकर दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 3 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 210 रन बनाए। टीम की ओर से प्रियांश आर्य ने 33 गेंदों पर 56 रनों की विस्फोटक पारी खेली। हालांकि दिल्ली के युवा गेंदबाज माधव तिवारी ने उन्हें आउट कर पंजाब को बड़ा झटका दिया। माधव ने अपने 4 ओवर में 40 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। उन्होंने कूपर कोनोली को भी धीमी बाउंसर पर पवेलियन भेजा।

मैच के बाद माधव तिवारी ने कहा, सबसे पहले मैं टीम मैनेजमेंट को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे मौका दिया। अगर चीजें आपके हाथ में नहीं होतीं तो आपको हर प्रैक्टिस सेशन में

खुद को बेहतर बनाना पड़ता है। मैंने गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल सर के साथ अपनी गेंदबाजी पर काफी काम किया और बल्लेबाजी कोच इयान बेल के साथ रेंज-हिटिंग पर मेहनत की।

उन्होंने आगे कहा, मैं खुद को 100 प्रतिशत गेंदबाज और 100 प्रतिशत बल्लेबाज मानता हूं।

211 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने 19 ओवर में 7 विकेट खोकर 216 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। कप्तान अक्षर पटेल और डेविड मिलर ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं और टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। अक्षर पटेल ने चौका लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया।

माधव तिवारी ने बल्लेबाजी में भी कमाल दिखाया और मात्र 8 गेंदों पर नाबाद 18 रन बनाए, जिसमें दो चौके और एक छक्का शामिल रहा। उनकी छोटी लेकिन तेज पारी दिल्ली की जीत में बेहद अहम साबित हुई।

सीएम मोहन यादव से मिले विश्व विजेता कप्तान कपिल देव

बोले दिग्गज क्रिकेटर- खेलों के प्रोत्साहन के लिए मध्यप्रदेश में हो रहा सराहनीय कार्य, मार्गदर्शन को हूँ तत्पर

इंदौर/भोपाल

भारतीय क्रिकेट के गौरव और 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव ने सोमवार शाम मुख्यमंत्री निवास (समत्व भवन) पहुंचकर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस मुलाकात के दौरान प्रदेश के खेल परिदृश्य और खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। हरियाणा हरिकेन के नाम से विख्यात

कपिल देव ने मध्यप्रदेश में खेलों के विकास के लिए अपना अनुभव और मार्गदर्शन साझा करने की इच्छा जताई।

मुख्यमंत्री डा. यादव ने चर्चा के दौरान कपिल देव को प्रदेश सरकार द्वारा खेल क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और स्टेडियमों के आधुनिकरण की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य मध्यप्रदेश को देश का स्पोर्ट्स हब बनाना है, जिसमें दिग्गज खिलाड़ियों का अनुभव मील का पत्थर साबित होगा।

क्रिकेट के साथ अन्य खेलों पर भी जोर - प्रख्यात आलराउंडर कपिल देव ने मध्यप्रदेश में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में केवल क्रिकेट ही नहीं, बल्कि अन्य खेलों को भी बढ़ावा देने के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया जा रहा है। कपिल देव ने भरोसा दिलाया कि वे प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करने में हर संभव सहयोग देंगे।

मार्गदर्शन के लिए सदैव तैयार - कपिल देव ने मुख्यमंत्री से कहा कि वे मध्यप्रदेश के उभरते क्रिकेटरों को तकनीकी बारीकियां सिखाने और उनके कौशल को तराशने के लिए सदैव तत्पर हैं। गौरतलब है कि कपिल देव जैसे महान खिलाड़ी का प्रदेश की खेल नीति और खिलाड़ियों के साथ जुड़ना आने वाले समय में मध्यप्रदेश के खेल जगत के लिए बड़े बदलाव का संकेत है।

स्पेन के राफेल जोडार इटैलियन ओपन टेनिस के चौथे दौर में पहुंचे, अर्नाल्डी को हराया, टिएन से होगा मुकाबला

रोम। स्पेन के युवा टेनिस खिलाड़ी राफेल जोडार ने इटैलियन ओपन टेनिस में जीत के साथ ही चौथे दौर में प्रवेश किया है। जोडार ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में इटली के माटेओ अर्नाल्डी को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वाइल्डकार्ड धारी अर्नाल्डी को हराकर जोडार ने अपनी क्षमताओं को साबित किया है। स्पेनिश खिलाड़ी ने पहले सेट को 6-1 से जीता पर दूसरे सेट में अर्नाल्डी ने 6-4 से जीत दर्ज कर अच्छी की। वहीं निर्णायक तीसरे सेट में जोडार ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए पांच गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही जोडार ने इस साल क्ले कोर्ट पर अपना 14-2 का रिकार्ड बरकरार रखा है। इस सत्र में उन्होंने माराकेच में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था। साथ ही बार्सिलोना में सेमीफाइनल और मैड्रिड में क्वार्टर फाइनल तक वह पहुंचे थे। जीत के बाद जोडार ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। रोम में किसी इटैलियन खिलाड़ी के साथ खेलना कभी आसान नहीं रहता। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया पर मैटेओ ने दूसरे और तीसरे सेट में बहुत अच्छा खेला। अब जोडार का मुकाबला लर्नर टिएन से होगा इससे पहले, लर्नर अलेक्जेंडर बुब्लिक को 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। इंडियन वेल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने के बाद से ही टिएन की यह अच्छी वापसी है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता : अगले दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी टीम के भारत आने की उम्मीद

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। हाल ही में एक अधिकारी ने जानकारी दी है कि व्यापार वार्ता के अगले दौर के लिए अमेरिकी टीम जल्द ही भारत का दौरा कर सकती है। हालांकि, इस अहम दौरे के लिए अभी तक कोई आधिकारिक तारीख तय नहीं की गई है।

अप्रैल की वाशिंगटन बैठक से मिली गति - यह संभावित दौरा अप्रैल में हुई उच्च स्तरीय बैठकों की ही अगली कड़ी है। अप्रैल महीने में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने वाशिंगटन डीसी का दौरा किया था। इस दौरान दोनों देशों के अधिकारियों के बीच अंतरिम समझौते के मसौदे को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए आमने-सामने विस्तृत चर्चा हुई थी।

व्यापार वार्ता के मुख्य बिंदु - पिछले महीने हुई इन रणनीतिक वार्ताओं में दोनों पक्षों ने व्यापार को सुगम बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण व्यावसायिक और आर्थिक क्षेत्रों पर चर्चा की। इनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित मुद्दे शामिल रहे: बाजार पहुंच: दोनों देशों के उत्पादों के लिए एक-दूसरे के बाजारों में आसान पहुंच सुनिश्चित करना। टैरिफ और तकनीकी बाधाएं: गैर-टैरिफ उपायों और व्यापार में आने वाली तकनीकी बाधाओं को दूर करना। व्यापार सुविधा: सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सरल बनाना और निवेश प्रोत्साहन को बढ़ावा देना। भविष्य का व्यापार: आर्थिक सुरक्षा और तेजी से उभरते डिजिटल व्यापार के मोर्चे पर तालमेल बिठाना। फरवरी का समझौता और भविष्य का आउटलुक व्यापारिक संबंधों को संस्थागत रूप देने के लिए 7 फरवरी को एक अहम कदम उठाया गया था, जब भारत और अमेरिका ने एक संयुक्त बयान जारी किया था। इस बयान में पारस्परिक और लाभकारी व्यापार से जुड़े अंतरिम समझौते के लिए एक रूपरेखा तय की गई थी। इसी फ्रेमवर्क ने व्यापक भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर दोनों देशों की प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। अप्रैल की सफल बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने व्यापार वार्ता की इस सकारात्मक गति को आगे भी बनाए रखने पर सहमति जताई है। अब बाजार और उद्योग जगत की निगाहें अमेरिकी टीम के आगामी भारत दौरे पर टिकी हैं।

न्यूज ब्रीफ

हुंडई की कुल बिक्री में 17 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि

नई दिल्ली। अप्रैल 2026 हुंडई मोटर इंडिया के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। इस दौरान कंपनी ने कुल बिक्री में 17 प्रतिशत की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर्ज करते हुए कुल 51,902 वाहन बेचे। कंपनी की यह बिक्री पिछले वर्ष के 44,374 यूनिट्स के आंकड़े से काफी अधिक है। यह बढ़ोतरी विशेष रूप से प्रीमियम हैचबैक हुंडई आई20 और काम्पैक्ट एसयूवी हुंडई वेन्यू के असाधारण प्रदर्शन के कारण हुई है। हुंडई आई20 ने बिक्री में जबरदस्त 60 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया, अप्रैल 2026 में इसकी 5,624 यूनिट्स बिकीं, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह संख्या 3,525 थी। इसी तरह, हुंडई वेन्यू ने भी ग्राहकों का दिल जीता और इसकी 12,420 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो वार्षिक आधार पर 56 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्शाती है। हाल ही में लान्च हुई हुंडई एक्सटर की बिक्री में भी 49 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, जिससे यह 8,096 यूनिट्स तक पहुंच गई। वहीं, इलेक्ट्रिक सेगमेंट में हुंडई आयोनिक 5 ने 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपनी पकड़ मजबूत की। हालांकि, कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार, हुंडई क्रेटा की बिक्री में 10 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई, लेकिन फिर भी यह कंपनी के पोर्टफोलियो में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है।

होंडा सिटी की कीमतों में फिर हुई बढ़ोतरी

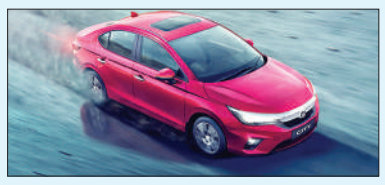

नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय सेडान, होंडा सिटी की कीमतों में होंडा कार्स इंडिया ने फिर बढ़ोतरी करके ग्राहकों को चौंका दिया है। होंडा कार्स इंडिया कंपनी आगामी 22 मई को सिटी फेसलिफ्ट माडल लान्च करने की तैयारी में है। इससे पहले ही मौजूदा माडल की कीमतों में वृद्धि कर दी गई है। अब होंडा सिटी की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 12.08 लाख रुपये हो गई है, जबकि पेट्रोल वेरिएंट 16.07 लाख रुपये तक पहुंच गया है। इसके हाइब्रिड माडल की कीमत भी बढ़कर 20 लाख रुपये हो गई है। यह इस साल जनवरी के बाद दूसरी मूल्य वृद्धि है। आटोमोबाइल विशेषज्ञों का मानना है कि फेसलिफ्ट माडल की लान्चिंग से ठीक पहले मौजूदा माडल की कीमत बढ़ाने के पीछे कंपनी की रणनीति नई और पुरानी कार के बीच एक स्पष्ट अंतर बनाए रखना है। यह भी संकेत देता है कि मौजूदा माडल कुछ समय तक बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगा। आगामी फेसलिफ्ट माडल पूरी तरह से नया नहीं होगा, बल्कि इसे मिड-साइकिल अपडेट के तौर पर पेश किया जाएगा। इसमें नई डिजाइन की ग्रिल, अपडेटेड हेडलाइट्स और एक बदला हुआ फ्रंट लुक देखने को मिलेगा, जो इसे एक ताज़ा अपील देगा। केबिन के अंदर भी कई नए फीचर्स जोड़े जाने की उम्मीद है, जिनमें एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस फोन चार्जिंग और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इंजन लाइनअप में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। कार में मौजूदा 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन और स्ट्रान्ग हाइब्रिड इंजन ही मिलेगा।

अमेरिका ने बढ़ती ईंधन कीमतों पर लगाम लगाने एसपीआर से 5.3 करोड़ बैरल तेल जारी किया

मिडटर्म चुनावों से पहले राजनीतिक दबाव और वैश्विक आपूर्ति संकट अहम वजह

वाशिंगटन

अमेरिका ने वैश्विक तेल आपूर्ति पर बढ़ते दबाव और रिकार्ड-उच्च ईंधन कीमतों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से अपने रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) से 53.3 मिलियन बैरल कच्चा तेल एनर्जी कंपनियों को ऋण पर देने की घोषणा की है। यह निर्णय देश में मिडटर्म चुनावों से पहले रिपब्लिकन पार्टी पर बढ़ते राजनीतिक दबाव और स्ट्रेट आफ हार्मुज में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच आया है। अमेरिकी ऊर्जा विभाग के अनुसार, एक्सानमोबिल, ट्राफिगुरा और मैराथन पेट्रोलियम सहित कुल 9 कंपनियों ने आफर किए गए 92.5 मिलियन बैरल तेल में से लगभग 58% हिस्सा उधार लिया है। विभाग इस साल वसंत से पहले ही एसपीआर से लगभग 80 मिलियन बैरल तेल ऋण पर दे चुका है। इससे पहले, मार्च में अमेरिका ने इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के 30 से अधिक देशों के साथ मिलकर करीब 400 मिलियन बैरल तेल बाजार में जारी करने का समझौता किया था ताकि वैश्विक तेल संकट को काबू में रखा जा सके।

अमेरिका में लगातार बढ़ती पेट्रोल और डीजल की कीमतें नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती बन गई हैं। एएए मोटर क्लब के मुताबिक, गैसोलीन की औसत कीमत 4.52 डालर प्रति गैलन पहुंच गई है, जो 2022 के बाद का उच्चतम स्तर है। ऊर्जा विभाग का कहना है कि कंपनियों को दिया जा रहा तेल बाद में प्रीमियम (24 फीसदी तक) के साथ वापस लिया जाएगा, जिससे बाजार स्थिर रहेगा और करदाताओं पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। फिलहाल, अमेरिका के एसपीआर में लगभग 384 मिलियन बैरल तेल बचा है, जो दुनिया की केवल चार दिन की जरूरत के बराबर है। स्ट्रेट आफ हार्मुज में जारी तनाव ने भी वैश्विक तेल बाजार की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमतें 104 डालर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रही हैं।

प्याज संकट: नासिक में किसान को 25 बोरी प्याज बेचने पर मिला 1 रुपये का बिल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के किसान प्रकाश गलाधर को मंडी में अपनी फसल बेचने के बाद परिवहन और अन्य खर्चों के बाद उल्टे 1 रुपया चुकाना पड़ा। देश पहले से ही एलपीजी गैस और पेट्रोल-डीजल जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को लेकर फूंक-फूंककर कदम रख रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आर्थिक संयम की अपील की है। ऐसे में महाराष्ट्र के नासिक से एक और चिंताजनक खबर सामने आई है, जिसने देश में प्याज संकट पर नई बहस छेड़ दी है। एक किसान को अपनी प्याज की फसल बेचने पर इतना कम दाम मिला कि उसे उल्टे एक रुपया चुकाना पड़ा, जो उपभोक्ताओं के लिए भी महंगी प्याज का संकेत हो सकता है। महाराष्ट्र के संभाजीनगर जिले के वरुडी गांव के एक किसान को प्याज बेचने के बाद मिला 1 रुपये का बिल सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। किसान ने अपनी चार एकड़ में उगाई 25 बोरी प्याज एपीएमसी मंडी में बेची, जिसका कुल मूल्य उन्हें सिर्फ 1,262 रुपये मिला। परिवहन, तौल और अन्य खर्च काटने के बाद उन्हें एक रुपये का भी मुनाफा नहीं हुआ, बल्कि मंडी को एक रुपया चुकाने को कहा गया। इस निराशाजनक अनुभव के बाद गलाधर ने अपनी बाकी बची प्याज फेंक दी। यह घटना देश में किसानों की बदहाली और प्याज संकट की पुरानी यादें ताजा करती है। साल 2010 और 2019 में भारी बारिश के कारण उत्पादन घटने से प्याज के दाम आसमान छू गए थे, जिससे राजनीतिक हंगामा भी हुआ था। हालांकि, वर्तमान में अधिक उत्पादन और कुछ हिस्सों में गुणवत्ता की समस्याओं के कारण किसानों को भारी घाटा उठाना पड़ रहा है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार में प्याज की अधिक आपूर्ति और कुछ खराब गुणवत्ता वाले प्याज के कारण दाम गिरे हैं।

एसयूवी टाटा नेक्सान का नया प्योर प्लस पीएस वेरिएंट लान्च

नई दिल्ली

अपनी लोकप्रिय काम्पैक्ट एसयूवी टाटा नेक्सान का नया प्योर प्लस पीएस वेरिएंट लान्च कर दिया है। यह देश की पहली ऐसी एसयूवी बन गई है, जिसमें 10 लाख रुपये से कम एक्स-शोरूम कीमत पर पैनोरमिक सनरूफ दिया गया है। दिल्ली एक्स-शोरूम में इसके पेट्रोल मैनुअल वेरिएंट की शुरुआती कीमत 9.59 लाख रुपये रखी गई है। कंपनी ने यह लान्च नेक्सान की 10 लाख यूनिट बिक्री पूरी होने के मौके पर किया है। नई नेक्सान प्योर प्लस पीएस में कंपनी ने प्रीमियम फीचर्स को किफायती कीमत पर उपलब्ध कराने की कोशिश की है।

अब तक पैनोरमिक सनरूफ केवल टाप वेरिएंट्स में मिलता था, लेकिन अब इसे मिड-स्पेक माडल में भी शामिल किया गया है। इस वेरिएंट में वाइस असिस्टेड पैनोरमिक सनरूफ दिया गया है, जो ग्राहकों को प्रीमियम अनुभव देता है। डिजाइन की बात करें तो इसमें एलईडी डीआरएल, प्रोजेक्टर हेडलैंप, कनेक्टेड एलईडी टेललैंप, रूफ रेल्स और डुअल-टोन कलर आप्शन दिए गए हैं। 208 मिलीमीटर का ग्राउंड क्लियरेंस इसे भारतीय सड़कों के लिए उपयुक्त बनाता है।

इंटीरियर में 10.25 इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रायड आटो और एप्पल कारप्ले, 6-स्पीकर साउंड सिस्टम, रियर एसी वेंट्स और हाइट एडजस्टेबल ड्राइवर सीट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी यह एसयूवी काफी मजबूत मानी जा रही है। इसमें 6 एयरबैग स्टैंडर्ड दिए गए हैं। साथ ही एबीएस, ईबीडी, इलेक्ट्रानिक स्टेबिलिटी प्रोग्राम, हिल होल्ड, ट्रैक्शन कंट्रोल, टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम और 360 डिग्री कैमरा जैसे फीचर्स भी शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी लगभग 23 किलोमीटर प्रति लीटर तक का माइलेज देने में सक्षम है।

सोने का भाव 1.54 लाख और चांदी 2.80 लाख पार

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को जबरदस्त तेजी दर्ज की गई। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतर्राष्ट्रीय बाजार कामैक्स (कामेक्स) दोनों में कीमती धातुओं के भाव उछाल के साथ खुले और खबर लिखे जाने तक मजबूती बनाए हुए थे। इस तेजी से निवेशकों में उत्साह देखा जा रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कान्ट्रैक्ट 1,53,999 रुपए के भाव पर 336 रुपये की तेजी के साथ खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,53,663 रुपए था। खबर लिखे जाने के समय यह कान्ट्रैक्ट 349 रुपये की बढ़त के साथ 1,54,012 रुपए पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में इसने 1,54,031 रुपए का उच्च स्तर और 1,53,851 रुपए का निम्न स्तर छुआ। गौरतलब है कि इस साल सोने का वायदा भाव 1,80,779 रुपए के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी के जुलाई कान्ट्रैक्ट में भी जोरदार तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर यह 1,918 रुपये की बढ़त के साथ 2,80,229 रुपए पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,78,311 रुपए था। खबर लिखे जाने तक यह कान्ट्रैक्ट 2,81,171 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जो कि 2,860 रुपये की बड़ी तेजी को दर्शाता है।

मेटा में 8000 कर्मचारियों की छंटनी : एआई पर फोकस और रिकार्ड खर्च के बीच मार्क जुकरबर्ग का सख्त कदम

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव चरम पर है। वहीं, दूसरी ओर दुनिया के टेक जगत में एआई के कारण लोगों की नौकरियां जाने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा 20 मई को अपने 8,000 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग अब मेटा को छोटी और एआई-संचालित टीमों के इर्द-गिर्द फिर से तैयार कर रहे हैं। हाल ही में पहली तिमाही के नतीजों के दौरान जुकरबर्ग ने स्पष्ट कर दिया है कि कंपनी केवल उन कर्मचारियों को साथ रखना चाहती है, जो अकेले ही बड़े प्रोजेक्ट्स को संभालने की क्षमता रखते हैं।

एआई के कारण बदल रहा है कंपनी का ढांचा जुकरबर्ग का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरणों की मदद से अब एक या दो लोग एक हफ्ते में वह काम कर रहे हैं, जिसे पूरा करने में पहले दर्जनों इंजीनियरों को महीनों लग जाते थे। इसी बदलाव को देखते हुए कंपनी अपनी टीमों को छोटा और अधिक उत्पादक बना रही है। जुकरबर्ग के अनुसार, यह फैसला केवल लागत कम करने के लिए नहीं, बल्कि मेटा को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का एक संरचनात्मक विकल्प है। कंपनी में अब अल्ट्राफ्लैट ढांचा लागू किया जा रहा है, जहां 50 इंजीनियरों पर केवल एक मैनेजर काम कर रहा है। बुनियादी ढांचे पर रिकार्ड निवेश और शेयर बाजार की प्रतिक्रिया मेटा इस साल अपने बुनियादी ढांचे, विशेषकर डेटा सेंटर, कस्टम चिप्स और एआई माडल ट्रेनिंग पर 125 से 145 अरब डालर का रिकार्ड पूंजीगत खर्च कर रही है। कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी सुसान ली ने स्पष्ट किया है कि बुनियादी ढांचे पर खर्च पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुना हो गया है, जिसके कारण कर्मचारियों के वेतन और कंपनी के बजट के बीच असंतुलन पैदा हुआ है। इसी असंतुलन को पाटने के लिए 20 मई की छंटनी का फैसला लिया गया है। सुसान ली ने यह भी माना कि एआई की तेजी से बदलती क्षमताओं के बीच मेटा का आदर्श आकार क्या होना चाहिए, इसका अब कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। इस भारी खर्च और अनिश्चितता के कारण निवेशकों में भी चिंता देखी गई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सुई चुभाई...

हम अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं के साथ लगातार बातचीत करते रहते हैं।

उन्होंने आगे कहा, हमारा मानना है कि धर्म बदलने से हमारी राष्ट्रीयता नहीं बदल जाती। जब राष्ट्रीयता एक है, तो हम उन्हें अलग नहीं मानते। हम कोई हिंदू राष्ट्र बना नहीं रहे हैं। यह पहले से ही एक हिंदू राष्ट्र है। जब यहां ब्रिटिश राज था, तब भी यह एक हिंदू राष्ट्र ही था।दत्तात्रेय होसबले ने पश्चिम एशिया में जारी ईरान जंग को लेकर कहा कि जब कोई लालची हो जाता है तो युद्ध हो जाता है। उन्होंने कहा कि युद्ध बुरी चीज है और बुरे दिमाग से ही आता है।

उन्होंने कहा, अगर आप पिछले 30 सालों का दुनिया का इतिहास देखें, तो ऐसा कोई समय नहीं रहा जब युद्ध न हुए हों। युद्ध हमेशा से होते रहे हैं। इसलिए युद्ध हो रहे हैं। युद्ध आम तौर पर दिमाग में पैदा होते हैं। बुरी चीजें बुरे दिमाग से ही आती हैं। जब आप लालची हो जाते हैं, तो युद्ध छिड़ जाते हैं। किसी देश में भी अहंकार हो सकता है, न कि सिर्फ किसी व्यक्ति में, यही चीजें युद्ध को जन्म देती हैं। उन्होंने आगे कहा कि अगर हम पश्चिम एशिया के युद्ध की बात करें, तो वहां व्यापारिक हितों की वजह से कई युद्ध हुए हैं। पहले यह अनुमान लगाया जाता था कि तेल की वजह से युद्ध होंगे, अब लोग अनुमान लगा रहे हैं कि पानी को लेकर युद्ध होंगे। ये युद्ध इंसानियत को खत्म तो नहीं करेंगे, लेकिन इनका इंसानी जिंदगी पर असर जरूर पड़ेगा। होसबले ने कहा कि मौजूदा युद्ध को हमें सिर्फ दो देशों के बीच का युद्ध नहीं समझना चाहिए। यह अस्तित्व और कब्जे की लड़ाई है। इंसानी जिंदगी को देखने का एक ऐसा नजरिया है जो सही नहीं है।

नीट 2026...

भर जागकर तैयारी की, लेकिन बदले में उन्हें पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार मिला। यह सिर्फ नाकामी नहीं, बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। हर बार पेपर माफिया बच निकलते हैं और ईमानदार छात्र इसका खामियाजा भुगतते हैं।

मोदी अपील...

भारत के पास तेल और गैस का पर्याप्त रिजर्व मौजूद है। मंत्री के मुताबिक 60 दिनों का कच्चा तेल और 45 दिन की एलपीजी उपलब्ध है। अधिकारियों के मुताबिक वित्त मंत्रालय यह निगरानी करने में जुटा है कि अगर वैश्विक स्तर पर ऊर्जा का संकट बना रहता है तो कितने समय तक इससे जूझा जा सकता है। इसके मुताबिक तेल और गैस के दाम बढ़ाने को लेकर लगातार दबाव है।

बंडी पुत्र...

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पुलिस महानिदेशक सीवी आनंद, आईपीएस, को 8 मई को भागीरथ के खिलाफ दर्ज पॉक्सो मामले में मजबूत जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। उनके निर्देश के बाद साइबराबाद पुलिस ने एसआईटी का गठन किया है। सूत्रों ने बताया कि तेलंगाना पुलिस के अलावा अन्य जांच एजेंसियां भी इस मामले की एक साथ जांच कर रही हैं, और खुफिया ब्यूरो पहले ही दिल्ली बॉस को अपनी रिपोर्ट भेज चुका है। भागीरथ के वकीलों ने साइबराबाद पुलिस के अधीन पेट बशीराबाद पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस अधिकारी (एसएचओ) को पत्र लिखकर पीड़ित की उम्र की जांच करने की मांग की है। एक तरह के खुलासे में, भगीरथ के वकीलों ने पुलिस अधिकारियों को सूचित किया है कि पीड़िता 2021 में तेलंगाना के निर्मल जिले में रिपोर्ट की गई लापरवाह और खतरनाक ड्राइविंग में शामिल थी। उस मामले के दौरान, 2021 में पीड़िता की उम्र 15 वर्ष दर्ज की गई थी। वकीलों ने एसआईटी से लड़की की सही उम्र की जांच करने और जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट और अन्य बोनाफाइड प्रमाण पत्रों, यहां तक कि उस मामले में चार्जशीट की भी जांच करने का आग्रह किया है। साई भगीरथ पर लड़की का कई बार यौन शोषण करने, मोइनाबाद में एक फार्महाउस में उस पर नशीले पदार्थों का सेवन करने के लिए मजबूर करने का आरोप है। माता-पिता ने लड़की का फायदा उठाने के लिए भगीरथ के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित की मां द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, आरोपी पर आरोप है कि उसने जून 2025 से शादी के झूठे वादे के तहत नाबालिग को प्रभावी रूप से अलग करते हुए ग्रूमिंग और मनोवैज्ञानिक नियंत्रण की एक पैटर्न शुरू की। निरीक्षक के.विजयवर्धन ने मेडचल में नौवें अतिरिक्त न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट को सूचित किया कि कथित तौर पर दुर्व्यवहार हैदराबाद के उपनगरों में स्थित विशिष्ट अपार्टमेंट्स और फार्महाउस सहित विभिन्न स्थानों पर हुआ।

परमाणु हमले...

28 फरवरी से जारी जंग में फिलहाल सीजफायर लागू है। लेकिन यह बेहद ही संवेदनशील सीजफायर माना जा रहा है।

ऐसे में दोनों पक्ष किसी भी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचे हैं। अमेरिका लगातार मांग कर रहा है कि ईरान परमाणु कार्यक्रम को छोड़ दे। लेकिन ईरान भी अपनी शर्तों पर अड़ा हुआ है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 13 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति की द्वितीय बैठक सम्पन्न पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारियां तेज

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा आयोजित होने वाले श्री पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारियों को लेकर द्वितीय बैठक बंजारा हिल्स स्थित आला लिबर्टी होटल में आयोजित की गई। बैठक में महायज्ञ से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।

समिति के प्रचार-प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह महायज्ञ पुरुषोत्तम मास के अवसर पर 21 मई से 27 मई 2026 तक बंजारा हिल्स रोड नंबर-12 स्थित गोल्डन टेम्पल में आयोजित किया जाएगा। महायज्ञ प्रतिदिन प्रातः 8:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक तथा मध्याह्न 3:30 बजे से सायं 6:30 बजे तक चलेगा। इसके पश्चात प्रतिदिन शाम 7 बजे आरती एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा।

समिति ने बताया कि हैदराबाद नगरवासियों के लिए यह अत्यंत सौभाग्य की बात है कि पुरुषोत्तम मास में पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कुल 51 विद्वान पंडित भाग लेंगे। इनमें 15 पंडित काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी से पधारेंगे। महायज्ञ का संचालन काशी निवासी प्रधान आचार्य श्री सुनील लक्ष्मीकांत दीक्षित के नेतृत्व में किया जाएगा, जिन्हें यज्ञाचार्य की उपाधि प्राप्त है। समिति द्वारा आयोजित यह आठवां महायज्ञ होगा, जिसका नेतृत्व वे कर रहे हैं।

महायज्ञ के अंतर्गत भूमि पूजन कार्यक्रम 14 मई को प्रातः 8:30 बजे गोल्डन टेम्पल में आयोजित किया जाएगा। वहीं 21 मई को प्रातः 8:30 बजे लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर, गोल्डन टेम्पल से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी।

कलश यात्रा संयोजक श्री सुनील कुमार गुप्ता ने बताया कि यात्रा में शामिल होने के इच्छुक श्रद्धालु अपना नाम पंजीकृत करा सकते हैं। पंजीकरण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य यजमान श्री रामप्रसाद एवं श्री बजरंग प्रसाद गुप्ता रहेंगे। समिति के अनुसार प्रतिदिन मुख्य यजमान के अतिरिक्त आठ अन्य यजमान भी रहेंगे। इस प्रकार सात दिनों में कुल 56 यजमान महायज्ञ में सहभागिता करेंगे।

यजमान बनने के इच्छुक श्रद्धालु संयोजक श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्ली वाले) अथवा श्री शंकर लाल अग्रवाल से संपर्क कर सकते हैं। समिति ने बताया कि अब तक 41 यजमानों तथा 18 प्रसाद प्रायोजकों के नाम पंजीकृत हो चुके हैं।

बैठक में समिति के अध्यक्ष श्री मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री सुभाष कुमार अग्रवाल, श्री महेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री श्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सह मंत्री श्री गुलाब चंद अग्रवाल, श्री सुशील कुमार केडिया, कोषाध्यक्ष सी.ए. रविंद्र कुमार अग्रवाल, मुख्य यजमान श्री बजरंग प्रसाद गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक श्री सुरेश कुमार अग्रवाल एवं श्री शंकर लाल अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

दमा रोगियों की सहायतार्थ अग्रवाल समाज का शिविर 8 जून से

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज ने नुमाइश मैदान में बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा दमा रोग निवारण हेतु दिए जाने वाले मछली प्रसाद के लिए आने वाले लोगों की सहायतार्थ शिविर का आयोजन आगामी 8 से 9 जून तक करने का निर्णय लिया गया। इसमें बत्तिनी गौड़ परिवार द्वारा दमा रोग निवारण हेतु दिये जाने वाले मछली प्रसादम को ग्रहण करने आने वाले लोगों एवं उनके सहायकों के लिए भोजन की उत्तम व्यवस्था की जाएगी। शिवर में अग्रवाल समाज द्वारा हजारों लोगों के लिए मछली प्रसादम के दौरान के भोजन की व्यवस्था रहेगी। इस कार्य में समाज की विभिन्न शाखाएं अपनी सेवा प्रदान कर कार्यक्रम को हर वर्ष की तरह सफल बनाने का आग्रह किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार समाज के पदाधिकारियों ने एक बैठक बत्तिनी परिवार के साथ की। जिसमें बत्तिनी अमरनाथ गौड़, बत्तिनी गौरी शंकर, बत्तिनी चंद्रशेखर, बत्तिनी शिवशंकर गौड़ एवं बत्तिनी संतोष गौड़ उपस्थित थे। इस अवसर पर अग्रवाल समाज पदाधिकारियों में कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, उपाध्यिक्ष हरिगोविंद, सलाहकार सुरेश अग्रवाल, मछली प्रसादम कमेटी चेयरमैन मुन्नालाल अग्रवाल, अग्रवाल समाज बंजारा अग्रसेन शाखा के सचिव सुभाष अग्रवाल उपस्थित थे।

अवसर पर बत्तिनी गौड़ परिवार के सदस्यों का स्वागत किया गया। गौड़ परिवार के सदस्यों ने अग्रवाल समाज की प्रशंसा करते हुए मछली प्रसादम की जानकारी दी।मछली प्रसादम कमेटी चेयरमैन ने आगामी दि. 8 से 9 जून तक अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा नुमाइश मैदान में लगाए जाने वाले शिविर की विस्तार से जानकारी दी। शिविर 8 तारीख को सुबह से प्रारंभ होगा और 9 जून तक जारी रहेगा। बाहर से आने वाले रोगियों के लिए सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन, नामपल्ली रेलवे स्टेशन एवं काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर अग्रवाल समाज द्वारा जानकारी केंद्र भी स्थापित किया जाएगा। मछली प्रसादम कमेटी चेयरमैन मुन्नालाल अग्रवाल ने सभी शाखाओं एवं कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम को सफल बनाने का समाज बंधुओं से निवेदन किया।

राधे-राधे ग्रुप परिवार की भावना के साथ कर रहा सेवा कार्य : आशा अग्रवाल

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित कवर पार्क में नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने भाग लेकर सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आशा अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप एक परिवार की तरह कार्य करता है। जिस प्रकार परिवार में कोई बड़ा या छोटा नहीं होता, उसी प्रकार ग्रुप में भी सभी सदस्य समान भावना के साथ सेवा कार्य में जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से मानव सेवा करना ही सच्ची भक्ति है और इसी उद्देश्य के साथ राधे-राधे ग्रुप लगातार समाजसेवा के कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लोगों की सहायता करना भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निरंतर अन्नदान, सहयोग एवं सामाजिक सेवा के माध्यम से मानवता की सेवा कर रहा है, जो समाज के लिए प्रेरणादायी है। कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, आशा अग्रवाल तेलवाले, मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, तेजप्रकाश अग्रवाल, उमा डालमिया, संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

शपथ ने खोला नया कार्यालय, नशा मुक्त युवा भारत अभियान को मिलेगी नई दिशा

हैदराबाद, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज के बैनर तले गठित नशा मुक्ति समिति शपथ - हमारा मिशन, हमारी जिम्मेदारी के नए कार्यालय का आज बालाजी सेंटर, पुतली बावली में भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नरेंद्र गोयल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में मेंबद्रीविशाल बंसल उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने संस्था द्वारा संचालित सामाजिक अभियानों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को नशे की बुराइयों से दूर रखना समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने शपथ के प्रयासों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष रामनिवास बंसल के साथ सुनील अग्रवाल, विशाल केड़िया, देवेंद्र शास्त्री, डॉ. वंदना अग्रवाल, श्रीमती दिव्या अग्रवाल, आयुष अग्रवाल, अनिल सिंह, दिनेश अग्रवाल, श्रीनिवास राव सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। समिति द्वारा संचालित नशा मुक्त युवा भारत मिशन के अंतर्गत समाज को नशा मुक्त बनाने हेतु जनजागरण, युवा मार्गदर्शन, सामाजिक सहयोग एवं जागरूकता अभियानों को निरंतर गति देने का संकल्प लिया गया। समिति पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि समाज के हर वर्ग के सहयोग से युवाओं को नशे की बुराइयों से दूर रखने के लिए निरंतर सेवा कार्य संचालित किए जाएंगे।

तेलंगाना पुलिस की ओर से ईगल टीम के सर्कल इंस्पेक्टर श्री श्रीनिवास ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई तथा संस्था को हर संभव सहयोग एवं मार्गदर्शन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठनों और पुलिस के संयुक्त प्रयासों से ही नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है।

इस अवसर पर आगामी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले शपथ के प्रथम एंटी ड्रग्स अभियान पोस्टर लॉन्च कार्यक्रम को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं में स्वास्थ्य, योग एवं नशामुक्त जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने की योजना बनाई गई है। डॉ. वंदना अग्रवाल ने संस्था के संकल्प, उद्देश्य एवं समाजहित में किए जाने वाले विभिन्न कार्यों की जानकारी अतिथियों को दी। वहीं संस्था के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री देवेंद्र शास्त्री ने आगामी छह महीनों में आयोजित किए जाने वाले विभिन्न सामाजिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। अंत में संस्था के युवा प्रतिनिधि श्री आयुष अग्रवाल ने सभी अतिथियों, समाजबंधुओं एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

हनुमान जन्मोत्सव पर श्रद्धालुओं को वितरित की गई शुद्ध छाछ

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर सिकंदराबाद स्थित जनरल बाजार क्षेत्र में सामाजिक सेवा एवं धार्मिक आस्था का सुंदर संगम देखने को मिला। इस अवसर पर मुरलीधर व्यास एवं सुनील उपाध्याय के नेतृत्व में भक्तजनों एवं राहगीरों के बीच शुद्ध छाछ का वितरण किया गया। इस अवसर पर यादगिरी यादव (यादन्ना), संदीप वर्मा, नर्सिंग राव (बाबू), काशी ईश्वर, अनिल मुदीराज, विमल उपाध्याय, मुकेश उपाध्याय, कार्तिक व्यास, साईं शुभम व्यास, विशाल एवं निलेश सहित अनेक समाजबंधुओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

17 मई से 15 जून तक पुरुषोत्तम मास में नहीं होंगे मांगलिक कार्य

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय ने शास्त्रसम्मत जानकारी देते हुए बताया कि 17 मई से 15 जून तक पुरुषोत्तम मास के दौरान सभी प्रकार के मांगलिक एवं शुभ कार्यों पर रोक रहेगी। उन्होंने बताया कि इस अवधि में बैंड-बाजा बारात, विवाह, तिलकोत्सव, सगाई, गृहआरंभ, गृहप्रवेश, जीर्णोद्धार, कुआं-बावली-तालाब निर्माण, बोरिंग खनन पूजन, जन्म से जुड़े संस्कार, नामकरण, मुंडन, कर्णभेद, मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, उद्यापन, यज्ञोपवीत संस्कार तथा प्रथम बार किए जाने वाले सभी मांगलिक कार्य नहीं किए जाएंगे। सुनील कुमार पाण्डेय ने बताया कि पुरुषोत्तम मास अत्यंत पवित्र एवं पुण्यदायी माना जाता है।

इस माह में कथा, वेद पारायण, अठारह पुराणों का पाठ, ब्राह्मण एवं साधु सेवा, हवन, यज्ञ, दान-पुण्य, भजन संध्या, माता रानी की चौकी, रामायण पाठ, शिव विवाह, अमर कथा, सुंदरकांड, हनुमान चालीसा पाठ, रानी सती दादी मंगल पाठ, देव पूजन, जप-तप, महामृत्युंजय जप, गायत्री जप एवं विभिन्न देवी-देवताओं के अनुष्ठान करने से अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

एडुललेंट का भव्य लॉन्च ` शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक स्मार्ट इंटेलिजेंस सिस्टम

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक स्मार्ट इंटेलिजेंस सिस्टम एडुललेंट का भव्य लॉन्च किया गया। एडुललेंट के युवा संस्थापकों ने स्कूलों और संस्थानों के लिए इस बुद्धिमान प्रणाली का अनावरण किया। एडुललेंट स्कूलों, अभिभावकों और छात्रों को एक ही मंच पर लाने में सक्षम बनाता है ` शिक्षा, खेल, उपस्थिति और अन्य क्षेत्रों में छात्रों की प्रगति की समग्र निगरानी रखते हुए।

एडुललेंट ` शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक स्मार्ट इंटेलिजेंस सिस्टम ` के संस्थापकों ने एडुललेंट के लॉन्च के दौरान मंगलवार को हैदराबाद के मेहदीपटनम में किंग्स क्राउन कन्वेंशन में उपस्थिति दर्ज कराई।

एडुललेंट स्कूलों, अभिभावकों और छात्रों को एक ही मंच पर लाने में सक्षम बनाता है। यह प्रणाली शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक समग्र और बुद्धिमान समाधान प्रदान करती है।

एडुललेंट छात्रों की प्रगति की समग्र निगरानी करता है ` चाहे वह शिक्षा हो, खेल हो, उपस्थिति हो या अन्य क्षेत्र। यह प्रणाली शैक्षणिक संस्थानों को छात्रों के समग्र विकास को ट्रैक करने और प्रबंधित करने में सक्षम बनाती है।

राधे-राधे ग्रुप परिवार द्वारा मिले सम्मान के लिए कृतज्ञ हूं : श्याम सुंदर लाहोटी

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट श्याम सुंदर लाहोटी के जन्मदिवस के उपलक्ष में नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरण किया गया तथा मानव सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर एडवोकेट श्याम सुंदर लाहोटी ने दूरभाष पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की जानकारी उन्हें समय-समय पर मिलती रहती है। उन्होंने बताया कि उनका कार्यक्रम में आने का पूरा विचार था, लेकिन अपरिहार्य कार्य के कारण वे उपस्थित नहीं हो सके। इसके बावजूद भी राधे-राधे ग्रुप परिवार ने जिस आत्मीयता एवं सम्मान के साथ उनका जन्मदिवस सेवा कार्य के रूप में मनाया, उसके लिए वे सभी सदस्यों के प्रति हृदय से कृतज्ञ हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने भी एडवोकेट श्याम सुंदर लाहोटी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल जीवन की कामना की। सभी ने सेवा कार्यों को आगे भी निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भगत राम गोयल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, रविन्द्र शर्मा, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, मानुष गुप्ता, निशा गुप्ता एवं महेश अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रकुल महिला शाखा रामनगर ईस्ट का मंगल पाठ आयोजित

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रकुल महिला शाखा रामनगर ईस्ट की ओर से मई माह का मंगल पाठ समाज के मीटिंग हॉल, राघव रत्ना टावर में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर मंगल पाठ में सहभागिता निभाई। नारायणी दादी मंगल सखीया के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में रानी सती दादी का मंगल पाठ पूनम तुलसियान द्वारा विधि-विधान एवं भक्ति भाव से संपन्न कराया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा और उपस्थित श्रद्धालुओं ने दादी के जयकारों के साथ मंगल पाठ का आनंद लिया। मंगल पाठ कार्यक्रम की संयोजिका मोनिका अग्रवाल, सीमा अग्रवाल एवं सुनयना अग्रवाल ने आयोजन को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम को अत्यंत सुव्यवस्थित एवं आनंदमय वातावरण में संपन्न कराया गया। अंत में शाखा पदाधिकारियों ने मंगल पाठ समूह एवं उपस्थित सभी सदस्यों का सहयोग और सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया।

रेवंत ने अनाज खरीद में तेजी लाने के दिए निर्देश

हैदराबाद, 12 मई (संवाददाता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को जिला कलेक्टरों को धान और मक्का की खरीद में तेजी लाने और पूरे राज्य में खरीद कार्यों को मिशन मोड में पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि किसानों से खरीद की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खरीद में तेजी और गुणवत्ता पर जोर

कलेक्टरों को किसानों की कठिनाइयों को दूर करने और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के लिए नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने बोरियों और हमालों (लोडरों) की कमी की समीक्षा की और अधिकारियों को बोरियों की पर्याप्त आपूर्ति करने का निर्देश दिया। खरीदे गए अनाज को बिना किसी देरी के गोदामों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने यह भी चेतावनी दी कि समझौते के अनुसार परिवहन के लिए पर्याप्त वाहन, मुख्य रूप से लारियां उपलब्ध न कराने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। संबंधित अधिकारियों को आदेश दिया गया कि समझौतों को पूरा न करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ आवश्यकता पड़ने पर आपराधिक कार्यवाही शुरू की जाए।

मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग के आयुक्त को धान के परिवहन के लिए वाहनों की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि जिला कलेक्टरों को स्थिति की गंभीरता को पहचानना चाहिए और उचित कदम उठाने चाहिए। प्रत्येक अधिकारी को जवाबदेही और पारदर्शिता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। सरकार चुनौतीपूर्ण समय में जिम्मेदारी में लापरवाही करने वाले कलेक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने में संकोच नहीं करेगी।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गोदामों की उपलब्धता की भी समीक्षा की और कलेक्टरों को तत्काल आवश्यकता के आधार पर ऐसे क्षेत्रों में अस्थायी व्यवस्था करने की सलाह दी। अधिकारियों को धान की आवाजाही और भंडारण की सुविधा के लिए राइथु बाजार (किसान बाजार) और फंक्शन हॉल का उपयोग करने का आदेश दिया गया। धान को स्थायी गोदामों तक पहुंचाने की योजना तैयार करने के निर्देश भी दिए गए।

उच्च मक्का उत्पादन वाले जिलों के कलेक्टरों को खरीद कार्यों के दौरान सतर्क रहने और किसानों को खरीद के दौरान किसी भी कठिनाई का सामना न करने देने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को सलाह दी कि सुचारू और निर्बाध खरीद सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकता पड़ने पर पुलिस सहायता ली जाए। कलेक्टरों को धान खरीद और मक्का खरीद पर नियमित रिपोर्ट राज्य के मुख्य सचिव को सौंपने के विशिष्ट निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों से अमौसमी बारिश और खरीद पर इसके प्रभाव के बारे में जानकारी ली। कलेक्टरों को अमौसमी बारिश के कारण किसानों को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए स्थायी समाधान खोजने की योजना तैयार करने का आदेश दिया गया। किसानों को अमौसमी बारिश के दौरान कटी हुई फसल को गीला होने से बचाने के लिए पर्याप्त तिरपाल की उपलब्धता को कार्य योजना में सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने मौसम विभाग द्वारा अनुमानित मौसम पूर्वानुमान के बारे में किसानों को लगातार सचेत करने के लिए मंडल स्तर पर एक नामित अधिकारी नियुक्त करने का सुझाव दिया। कृषि समुदाय के लिए मौसम संबंधी जानकारी प्रसारित करने के लिए एक समर्पित प्रणाली भी स्थापित की जाएगी।

खरीद की निगरानी को मजबूत करने के लिए, प्रत्येक आईकेएपी (इंदिरा क्रांति पथम) केंद्र पर एक अधिकारी नियुक्त किया जाएगा ताकि खरीद के दौरान आने वाली बाधाओं का समाधान किया जा सके। प्रत्येक चावल मिल पर भी एक जिम्मेदार अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जिसमें खरीदे गए अनाज के लोडिंग में तेजी लाने के लिए हमालों की नियुक्ति की निगरानी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि ''तालू'' (भूसी) या ''तारुगु'' (वजन कटौती) के बहाने की जाने वाली अनियमितताओं को रोकने के लिए लोडिंग के तुरंत बाद किसानों को रसीद दिलाने की व्यवस्था की जाए। लारियों की कमी को दूर करने के लिए, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को आस-पास के क्षेत्रों में उपलब्ध ट्रैक्टरों और अन्य वाहनों को किराए पर लेने का भी आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्याओं का समाधान केवल कलेक्टरों की सीधी निगरानी के माध्यम से किया जाना चाहिए, जो हर मुद्दे को सुलझाने के लिए जिम्मेदार हैं।उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, उत्तम कुमार रेड्डी, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, दसरई अनसूया (सीतक्का), जुपल्ली कृष्ण राव, अदलुरी लक्ष्मण कुमार, वकिति श्रीहरि, सांसद वेम नरेंदर रेड्डी, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव और वरिष्ठ अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

सनराइज वैली अत्तापुर में 17 से 23 तक होगा श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ज्येष्ठ अधिक मास के पावन अवसर पर सनराइज वैली, अत्तापुर में 17 मई से 23 मई तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह धार्मिक आयोजन सनराइज परिवार के तत्वावधान में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न होगा।

आयोजकों द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कथा में व्यास पीठ से कथा रस प्रवाहक पूज्य श्री रसिया बाबा अपने मुखारविंद से भक्तों को श्रीमद्भागवत कथा का दिव्य ज्ञान प्रदान करेंगे। वहीं नित्य पूजा एवं धार्मिक अनुष्ठान आचार्य पंडित पुरुषोत्तम लाला जी के सानिध्य में संपन्न कराए जाएंगे। कथा का आयोजन सनराइज वैली गार्डन, अत्तापुर में किया जाएगा। कथा का समय प्रतिदिन सायं 5:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। आयोजन समिति ने बताया कि कथा के दौरान भजन, सत्संग एवं धार्मिक प्रवचनों का भी आयोजन होगा। धार्मिक आयोजन की शुरुआत 17 मई को प्रातः 7:00 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ होगी। कलश यात्रा हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर कथा स्थल तक पहुंचेगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के भाग लेने की संभावना है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण का लाभ लेने एवं आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

बिरकुर में बंद घरों को निशाना बनाकर लाखों की चोरी

बांसवाड़ा, 13 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बिरकुर मंडल मुख्यालय में चोरों ने सोमवार रात जमकर उत्पात मचाया। अज्ञात चोरों ने एक साथ कई बंद घरों को निशाना बनाते हुए चार मकानों में चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया।

पीड़ित परिवारों के अनुसार चोर करीब 20 तोला सोने के आभूषण, 120 तोला चांदी तथा लगभग 1.50 लाख रुपये नकद चोरी कर ले गए। बताया गया कि मकान मालिक मांगलिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए बाहर गए हुए थे। देर रात लौटने पर उन्होंने देखा कि घरों के ताले टूटे पड़े हैं और सामान बिखरा हुआ है।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। पीड़ितों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

बिरकुर सहित बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से बंद घरों में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। बीते दो दिनों में हुई बड़ी चोरियों ने क्षेत्रवासियों की चिंता बढ़ा दी है। ग्रामीणों का कहना है कि चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, जिससे लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

स्थानीय नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने तथा चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण लगाने की मांग की है।

चिन्ना एकलारा में आज होगा नई ग्राम पंचायत भवन का उद्घाटन

बांसवाड़ा, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बांसवाड़ा डिवीजन के मदनूर मंडल अंतर्गत चिन्ना एकलारा गांव में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) निधि से निर्मित नई ग्राम पंचायत भवन का उद्घाटन 13 मई को किया जाएगा।

ग्राम सरपंच के. माधव राव ने जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस नए ग्राम पंचायत भवन का उद्घाटन जुक्कल विधायक थोटा लक्ष्मी कांथा राव के करकमलों द्वारा संपन्न होगा।

उन्होंने कहा कि नए ग्राम पंचायत भवन के निर्माण से ग्रामीण प्रशासनिक कार्यों को बेहतर सुविधा मिलेगी तथा गांव के विकास कार्यों को नई गति प्राप्त होगी। यह भवन ग्रामीणों के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं पंचायत गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। सरपंच के. माधव राव ने ग्राम पंचायत सदस्यों, गांव के बुजुर्गों, ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों से उद्घाटन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

राज्यपाल ने तेलंगाना जेल संग्रहालय का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने मंगलवार को हैदराबाद के चंचलगुडा में तेलंगाना जेल संग्रहालय और एक अनूठी पहल जेल अनुभव (फील द जेल एक्सपीरियंस) का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने संग्रहालय की स्थापना को तेलंगाना के जेल प्रशासन के इतिहास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि जेलें, जो कभी मुख्य रूप से सजा के केंद्र के रूप में काम करती थीं, अब धीरे-धीरे सुधार, पुनर्वास और मानवीय गरिमा पर केंद्रित संस्थानों में बदल गई हैं।

यह संग्रहालय पेंटिंग दीर्घाओं, पुरानी जेल बैरकों, बेड़ियों, जंजीरों, फांसी के फंदे और दृश्य-श्रव्य प्रदर्शनों के माध्यम से जेल प्रणालियों के विकास को दर्शाता है। इससे आगंतुकों को ऐतिहासिक जेल जीवन और आधुनिक सुधारों को समझने का मौका मिलेगा।राज्यपाल ने तेलंगाना की जेल और सुध-ारात्मक सेवा महानिदेशक डॉ. सौम्या मिश्रा और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस पहल से जनता में जागरूकता, सहानुभूति, अन-ुशासन और कानून के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिलेगा।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि संगारेड्डी में बना पिछला जेल संग्रहालय कुछ साल पहले ढह गया था, जिसके बाद चंचलगुडा में इस आधुनिक और प्रभावशाली संग्रहालय को बनाने का निर्णय लिया गया। संग्रहालय में 1961 से 1968 के बीच नागार्जुन सागर बांध के निर्माण के दौरान कैदियों के योगदान को भी दर्शाया गया है, जहाँ कैदियों ने एक खुली जेल में काम किया था।इस संग्रहालय का मुख्य आकर्षण जेल अनुभव कार्यक्रम है। इसके तहत नागरिक शुल्क चुकाकर 12 या 24 घंटे जेल में रहने का अनुभव ले सकते हैं। इसमें उन्हें जेल का खाना, वहां का अनुशासन और दैनिक दिनचर्या का पालन करना होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनता को जेल जीवन, कानून के पालन और सामाजिक जिम्मेदारी के बारे में शिक्षित करना है।

केंद्र नीट पेपर लीक पर दे जवाब: ओवैसी

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईए) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर अर्थव्यवस्था की असली हालत छिपाने, ईंधन की बढती कीमतों, विदेशी निवेश के बाहर जाने और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) पेपर लीक मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। श्री ओवैसी ने हैदराबाद में संवाददाताओं से बात करते हुए सवाल किया कि केंद्र ने चुनाव प्रचार के दौरान यह क्यों नहीं बताया कि चुनाव के बाद ईंधन की कीमतें बढ़ेंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अब पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के बोझ को बतौर देशभक्ति दिखाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। एआईएमआईएम प्रमुख ने दावा किया कि विदेशी निवेशकों ने मार्च 2026 में भारतीय बाजारों से लगभग एक लाख करोड़ रुपये निकाले, जो देश की आर्थिक हालत पर भरोसे की कमी को

दिखाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2020 से उभरते बाजारों में भारतीय रुपया सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा में से एक बन गया है।श्री ओवैसी ने एनईईटी परीक्षा पेपर लीक को लेकर भी केंद्र की आलोचना की और कहा कि परीक्षा रद्द होने के बाद लाखों छात्र और उनके माता-पिता परेशान हैं।

नीट का पेपर लीक होना केंद्र की शर्मनाक विफलता: केटीआर

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मंगलवार को नीट (एनईईटी) के प्रश्नपत्र के कथित लीक होने को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की और कहा कि यह शर्म की बात है कि व्यवस्था की विफलता की वजह से परीक्षा को रद्द करना पड़ा।

श्री रामाराव ने एक बयान में कहा कि केंद्र ने उन लाखों छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया है जिन्होंने परीक्षा के लिये अथक तैयारी की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार होने वाली प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं राजग सरकार की परीक्षाओं को सुरक्षित और त्रुटिहीन तरीके से आयोजित करने में असमर्थता को दर्शाती हैं। वर्ष 2024 के पिछले नीट विवाद का संदर्भ देते हुये उन्होंने कहा कि पिछली घटना से कोई सबक नहीं सीखा गया। इसी वजह से इस वर्ष एक और बड़ी विफलता सामने आयी। उन्होंने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में बार-बार होने वाली अनियमितताओं को छात्र समुदाय के लिए एक अभिशाप बताया।

उन्होंने कहा कि परीक्षा से एक दिन पहले 100 से अधिक प्रश्नों के लीक होने से व्यवस्था की गंभीर खामियां उजागर कर दीं और देश भर के लगभग 23 लाख छात्रों और उनके माता-पिता को भारी मानसिक कष्ट पहुंचाया।

लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : सीवी आनंद

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी. वी. आनंद ने कहा कि मीडिया विश्व की सबसे प्रभावशाली संस्थाओं में से एक है तथा पत्रकारों को समाज के विकास और जनहित के लिए कार्य करना चाहिए।

मंगलवार को तेलंगाना डीजीपी राज्य कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने तेलंगाना जर्नलिस्ट एसोसिएशन की मीडिया डायरेक्टरी का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि पत्रकारिता समाज को सही दिशा देने का सशक्त माध्यम है। डीजीपी सी. वी. आनंद ने कहा कि राज्य में राजनीतिक, आर्थिक, शैक्षिक, चिकित्सा एवं तकनीकी क्षेत्रों में हो रही प्रगति पर मीडिया को विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सकारात्मक एवं रचनात्मक पत्रकारिता समाज के विकास में अहम योगदान देती है।

उन्होंने आगे कहा कि पत्रकारों को सरकार, जनप्रतिनिधियों और आम जनता के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभाते हुए जनसमस्याओं के समाधान में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। बैठक में तेलंगाना जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राज्य कोषाध्यक्ष चिलुकूरु अखिलेश ने केंद्र एवं राज्य सरकारों से पत्रकारों के कल्याण के लिए विशेष कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ माने जाने वाले पत्रकारिता पेशे से जुड़े लोगों की सुरक्षा एवं कल्याण के लिए योजनाएं लागू की जानी चाहिए।

इस अवसर पर तेलंगाना जर्नलिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष पाकुडाकुल बाला स्वामी, महासचिव जूलूरू रमेश, उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने नए डीजीपी सी. वी. आनंद से मुलाकात कर उनका अभिनंदन किया।

सनातन धर्म भविष्य में वैश्विक मुख्यधारा का धर्म बनेगा : महामन प्रभुजी

हैदराबाद, 12 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इस्कॉन के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष एच.जी. महामन प्रभुजी ने कहा कि सनातन धर्म वर्तमान समय में पश्चिमी देशों सहित विश्व के अनेक राष्ट्रों में तेजी से फैल रहा है और भविष्य में यह एक मुख्यधारा के वैश्विक धर्म के रूप में स्थापित होगा।

इस्कॉन कुकटपल्ली के तत्वावधान में दुलपल्ली स्थित डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों के लिए आयोजित 11 दिवसीय गीता ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन मंगलवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए एच.जी. महामन प्रभुजी ने कहा कि पवित्र भगवद्गीता मानवता के लिए जीवन मार्गदर्शिका के समान है। यह केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि आत्म-साक्षात्कार एवं जीवन प्रबंधन का दार्शनिक मार्गदर्शक है, जो व्यक्ति को भावनात्मक, नैतिक एवं व्यावहारिक चुनौतियों से निपटने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से प्रतिदिन भगवद्गीता का अध्ययन करने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे एकाग्रता, तनाव प्रबंधन, कर्तव्यनिष्ठा एवं सकारात्मक सोच का विकास होता है, जो शैक्षणिक सफलता और व्यक्तिगत विकास दोनों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

इस अवसर पर डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक अंजनी कुमार अग्रवाल ने कहा कि भगवद्गीता सार्वभौमिक सत्यों एवं नैतिक-आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित महान ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि गीता का अध्ययन बच्चों में आत्मनिरीक्षण की भावना विकसित करता है तथा उन्हें जीवन के प्रति व्यावहारिक एवं सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देता है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य आई. वेणुगोपाल ने कहा कि भगवद्गीता में निहित ज्ञान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी उद्देश्य से विद्यालय पिछले चार वर्षों से गीता ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन कर रहा है।

इस्कॉन कुकटपल्ली के अध्यक्ष महा श्रीरिंग प्रभुजी ने बताया कि पिछले 38 वर्षों से राज्यभर में गीता पाठ प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को सकारात्मक एवं संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा मिल सके।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष डीआरएस इंटरनेशनल स्कूल में 70 शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों के सहयोग से लगभग 260 विद्यार्थियों को गीता पाठ, श्लोक उच्चारण, कीर्तन गायन, वैदिक कथावाचन, सांस्कृतिक संस्कार, नाट्य प्रस्तुतियों एवं पारंपरिक नृत्य शैलियों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का समन्वयन धवल चांदे ने किया तथा समापन समारोह में सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नुमाईश मैदान रविवार 31 मई को भारत भारती द्वारा आयोजित किए जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती कार्यक्रम एवं लोक डायरो मे पधारने का गुजराती समाज के महेश पटेल, विजयदेवी, श्री सुब्रमनियम स्वामी मन्दिर की चेयरमेन नागलक्ष्मी आदि को निमंत्रित करते हुए संयोजक जसमत पटेल, संजय घांनाते, मीनाक्षी एवं अन्य

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.